ISSN 2349-6614

सितम्बर 2025

मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

सबसे बड़ा मंत्र 'प्रेम' है
जिसमें प्रेम है, उसका
हृदय ही देवालय है।

-पुलक सागर महाराज

MADHYA™
FOR YOUR HAPPY LIFE

मध्या घी

FOOD PRODUCTS

PRODUCT RANGE
MADHYA COW GHEE

MADHYA JAR
200ml

MADHYA JAR
500ml

MADHYA JAR
1 Litre

MADHYA POUCH
₹ 20

MADHYA TIN
5 Litre

MADHYA TIN
15 Kg

PRODUCT RANGE
MADHYA REGULAR GHEE

MADHYA TIN
5 Litre

MADHYA TIN
15 Kg

MADHYA BOX
200ml

MADHYA BOX
500ml

MADHYA BOX
1 Litre

MADHYA GHEE UPCOMINGS

MADHYA BOX
200ml

MADHYA BOX
500ml

MADHYA BOX
1 Litre

MADHYA GHEE UPCOMINGS

MADHYA JAR
200ml

MADHYA JAR
500ml

MADHYA JAR
1 Litre

+91 96100 60654

SHREE MADHUR DAIRY FARM &
FOOD PRODUCTS AMBERI, UDAIPUR

सितम्बर 2025 वर्ष: 23 अंक: 05

प्रत्यूष

मूल्य 50 रू
वार्षिक 600 रू

अंदर के पृष्ठों पर...

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं
तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

विपणन प्रबंधक नितेश कुमार, नंदकिशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी
कुलदीप इंदौरा, कृष्णकुमार हरितवाल
धीरज गुर्जर, अभय जैन
लालसिंह झाला, ओम शर्मा
अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमंत भागवानी, डॉ. राव कल्याणसिंह
अशोक तम्बोली, सुंदरदेवी सालवी

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका
प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

भाषा विमर्श

हिंदी को आग लगाते नेता और गले लगाती जनता
पेज 10

तर्पण

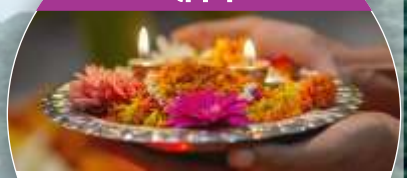

तृप्त पितरों से कुटुम्ब का कल्याण
पेज 12

वास्तु

गृह निर्माण से गृह प्रवेश तक पूजा का विधान
पेज 18

खेल-खिलाड़ी

शतरंज के फलक पर चमकता नया सितारा
पेज 32

कामयाबी

धरती पर बदलावों का अध्ययन करेगा 'निसार'
पेज 36

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्स: 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोनाइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. एम.आई.ए., उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी उदयपुर से प्रकाशित।

॥卐॥
Jeneshwar

Jineshwar Enclave

RERA Reg. No. RAJ/P/2021/2134

VISIT OUR SAMPLE FLAT

INTEREST SUBSIDY
₹ 1.80 Lakh
ap per Government Norms

Final Finishing Work going on

Possession Soon

JINESHWAR ENCLAVE : Plot No. 1, Khasra No. 6101, 6102, 6103, 6104, 6122, Near JMD Hotel, NH-27, Revenue Village Lakhawali, Udaipur

विशेषताएं

- यह प्रोजेक्ट ने.हा. 27 मेन हाइवे पर स्थित
- फतहपुरा सर्कल से दूरी मात्र 7 कि.मी.
- इस प्रोजेक्ट से गोगुंदा की दूरी 30 मिनिट
- नाथद्वारा मात्र 45 मिनिट
- एयरपोर्ट मात्र 20 मिनिट
- पिंडवाड़ा मात्र 60 मिनिट
- सिरोही व माउंट आबू मात्र 90 मिनिट
- चित्तौड़गढ़ मात्र 75 मिनिट
- केशरियाजी मात्र 60 मिनिट

1 BHK
17 Lacs

2 BHK
24 Lacs

- Vastu & Environmental Friendly Flats
- Two 13 Passengers Lift in Each Block
- Community Hall
- Silent D.G. for Lift & Common Utility
- Anodized Aluminum Sliding Window
- Garden with Kids Playing area
- Flush doors finished with sunmica
- Double Charged Vitrified Tiles
- Shopping Area
- Gym & Table Tennis

Booking Contact

Dinesh Kothari
+91 98290 43307

Ravindra Nahar
+91 98290 40003

Member of CREDAI UDAIPUR

Nikhil Nahar	Manan Nahar	Deepesh Chaplot	Site Contact	Site Contact
99295 59666	98291 48888	92140 59814	Devi Lal Ameta 9636653844	Rakesh 9352513283

JINESHWAR INFRA BUILDER

Address : SHOP NO. 1, GALAXY APARTMENT, PADMAWATI FURNITURE, NEAR PNB BANK, BEDLA ROAD, FATEHPURA, UDAIPUR (RAJ.)

मानवीय भूल पर कुदरत का कहर

उत्तरकाशी (उत्तराखंड) जिले के हर्षिल के पास धराली गांव में पिछले माह के प्रारंभ में आई भयानक आपदा ने महज 30 से 35 सेकंड के भीतर गंगोत्री से मात्र 18-20 किलोमीटर दूर इस इलाके का भूगोल बदलकर रख दिया। देखते ही देखते एक शांत-सुंदर हरियाली से लकदक पहाड़ी बस्ती तबाह हो गई और आसमान से उतरी आफत ने गांव की चहल-पहल को रौंदकर कई सवाल खड़े कर दिए। 12,600 फीट ऊंचे पहाड़ से अचानक सैलाब आया। उसके बाद दूसरे फ्लो में मलबा बहकर आया और मात्र 30-35 सेकंड में पूरा का पूरा कस्बा तबाह हो गया। सैलाब जो आया वो केवल पानी नहीं बल्कि स्लरी टाइप का मटीरियल भी था जो ऊपर के सारे डिपॉजिट को नीचे ले आया। इस कुदरती हादसे में वास्तविक नुकसान का तो बचाव व राहत कार्यों के खत्म होने के बाद ही पता चलेगा, मगर जिस तरह चंद सेकंडों में दर्जनों पक्के मकान और होटल जमींदोज हो गए, उससे एक बार फिर यही पुष्ट हुआ है कि पुराने हादसों से हमने कोई सबक नहीं लिया। इस विध्वंस के जो मंजर सामने आए हैं, वे साफ-साफ दिखा रहे हैं कि खीर गंगा नदी के बहाव क्षेत्र में बड़ी संख्या में बहुमंजिला कई इमारतें खड़ी हो चुकी हैं। बल्कि एक पूरा बाजार विकसित हो गया है। अगर शासन-प्रशासन ने वहां की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए मानव बसाहट के विस्तार की व्यवस्थित योजना बनाई होती, तो इस तबाही से बचा जा सकता था।

बहरहाल, संतोष की बात यह है कि जल्द ही सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें घटनास्थल पर पहुंच गईं और मलबे में दबे लोगों को बाहर निकालने का काम शुरू किया।

मानसून के समय पहाड़ी इलाकों में बादल फटने की घटनाएं होती रहती हैं, मगर इस सच्चाई से इनकार नहीं किया जा सकता कि पिछले एक दशक में इनकी बारंबारता बढ़ी है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के स्थानीय जलचक्र में बदलाव इसकी बड़ी वजह है। धराली से पूर्व शिमला में भी भूस्खलन से भारी नुकसान हुआ है। पहले पहाड़ी इलाकों में इंसानी गतिविधियां कम होती थीं, मगर हाल के दशकों में अनियोजित विकास कार्यों के कारण बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई, वनों में आग लगने की अधिक घटनाओं और पर्यटन के अधिकाधिक दोहन के लिए अविवेकपूर्ण निर्माण कार्यों ने स्थानीय पारिस्थितिकी को बुरी तरह प्रभावित किया है। निस्संदेह, पहाड़ी इलाकों में रहने वालों को आधुनिक सुख-सुविधाएं मिलनी चाहिए। सड़क, बिजली और अस्पताल जैसी बुनियादी सहूलियतों पर उनका प्राथमिक अधिकार है। मगर ये सुविधाएं जुटाते समय इन इलाकों की नाजुक पर्यावरणीय स्थितियों को ध्यान में रखने की भी जरूरत है। उत्तरकाशी की इस घटना ने जून 2013 के केदारनाथ हादसे की यादें ताजा कर दी हैं, जिसमें पांच हजार से अधिक श्रद्धालु और स्थानीय लोग असमय काल के गाल में समा गए थे। उस हादसे में भी गांव के गांव बह गए थे और तब काफी जोर-शोर से यह मांग उठी थी कि संवेदनशील पहाड़ी इलाकों में मानव बसाहट व निर्माण कार्य को लेकर नए सिरे से नीति-निर्धारण किया जाए। धराली बाजार की तबाही बता रही है कि इस दिशा में जो संजीदगी बरती जानी चाहिए थी, वह सर्वथा उपेक्षित रही। अब समय आ गया है कि राज्य सरकारें इस ओर गंभीरता से ध्यान दें। आमजन को भी अपनी सुरक्षा को लेकर सतर्कता बरतनी चाहिए। यदि ऐसा नहीं हुआ तो धराली जैसी दर्दनाक घटनाओं से बार-बार रूबरू होना पड़ेगा।

ट्रम्प की टैरिफ चुनौती

भारत को नए बाजारों नीतियों की दरकार

पंकज कुमार शर्मा

अमरीकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप अपने तुगलकी फरमानों की वजह से लगातार चर्चा में हैं और अपने हर फैसले का एक ही आधार बताते हैं, कि वे यह सब दुनियाभर में अमरीका का स्वामित्व कायम रखने के लिए कर रहे हैं। सवाल यह है कि, क्या वाकई राष्ट्रपति ट्रंप अपने फैसलों से कुछ हासिल कर भी पाएंगे? यदि ट्रंप के फैसलों और उसके प्रभाव पर एक नजर डालें तो कहना गलत नहीं होगा कि बिना सोचे-समझे लिए जा रहे फैसलों से उनकी इच्छा के विपरीत परिणामों की ही ज्यादा आशंका है।

एक समय था जब ट्रंप के प्रथम कार्यकाल में ट्रम्प-मोदी को मैत्री के दुनिया में चर्चे थे, अब अमेरिका और भारत के बीच आयात शुल्क को लेकर तलवार खिंच गई है। भारत पर 7 अगस्त से 25 प्रतिशत और 29 अगस्त से 50 प्रतिशत टैरिफ थोपा गया है। दरअसल, ट्रंप को यह लगता है कि अमेरिका को भारत के साथ व्यापार में ज्यादा लाभ होना चाहिए। उनकी शिकायत यह है कि भारत के टैरिफ बहुत ज्यादा हैं और भारत वैश्विक व्यापार में सबसे कठोर नीतियों का पालन करता है। ट्रंप की यह शिकायत या दलील सही नहीं है। वह भारत को मित्र बताते हैं, पर उन्हें भारत के गरीबों, किसानों, मजदूरों की कोई चिंता नहीं है, तभी तो उन्होंने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ के साथ ही जुर्माना भी लगा दिया है। क्या ट्रंप का यह फैसला या दावा सही है? क्या इसमें अब बदलाव की कोई गुंजाइश है? क्या ज्यादा टैरिफ से दोनों देशों की मित्रता पर विपरीत असर पड़ेगा? अभी ऐसे अनेक अभियान और समझौते हैं, जिनकी रोशनी में दोनों देश मित्रता के सफर पर निकले हुए हैं। निसार सैटेलाइट भी अमेरिका और भारत की जोड़ी या समन्वय का ही फल है। क्या भारी टैरिफ के बावजूद दोनों देशों के संबंधों पर असर नहीं पड़ेगा? अवश्य पड़ेगा। ट्रंप को भारत और रूस की परम्परागत दोस्ती पसंद नहीं है। इसमें भारत को ज्यादा चिंतित होने या अपने फैसले बदलने की जरूरत नहीं है। जो लोग वैश्विक राजनय को जानते हैं, उन्हें यह विडंबना ठीक से पता है कि अमेरिका हमेशा आर्थिक-सामरिक रूप से पाकिस्तान के साथ खड़ा रहा है। भारतीय उद्यमियों को पूरी तैयारी रखनी चाहिए। भारत की आबादी का ढांचा अमेरिका से बहुत अलग है। यहां लोगों को संरक्षण की जरूरत है। अगर कोई राजनीतिक पार्टी संरक्षण नहीं करेगी, तो सत्ता से बाहर कर दी जाएगी। यहां

भारत हमारा मित्र है, लेकिन हमने उसके साथ बहुत कम व्यापार किया है, क्योंकि उनके शुल्क सबसे ज्यादा हैं। भारत अब भी बड़ी मात्रा में रूस से सैन्य उपकरण और तेल खरीदता है, जबकि पूरी दुनिया चाहती है कि रूस, यूक्रेन में युद्ध बंद करे। सब कुछ ठीक नहीं है, इसलिए भारत को बढ़ा हुआ टैरिफ और रूस से तेल खरीद को लेकर 'जुर्माना' भी देना होगा।

-डोनाल्ड ट्रंप, सोशल मीडिया ट्रूथ पर

भारत सरकार की दृढ़ता सराहनीय है। उसने स्पष्ट कहा है कि 'राष्ट्रहित सर्वोपरि है।' अमेरिका हमारा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है, दोनों का द्विपक्षीय व्यापार 2024 में 190 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। ट्रंप और मोदी ने इस आंकड़े को दोगुना से भी ज्यादा 500 अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन उस लक्ष्य पर सवालिया निशान लग गए हैं। ऐसे में, भारतीय कंपनियों को बहुत संभलकर अपने लिए नए बाजार खोजने व बढ़ाने होंगे। ट्रंप प्रशासन की नीति में सबसे अधिक चिंता का विषय पाकिस्तान को लेकर उसका रुख है। हाल ही अमरीकी नेतृत्व ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख को विशेष अहमियत दी है। कुछ व्यापारिक छूटें भी फिर से बहाल की गई हैं। इन कदमों से संकेत मिलते हैं कि अमरीका अब पाकिस्तान को फिर से अपनी सामरिक नीति में जगह दे रहा है। यह रुख भारत के लिए साफ चेतावनी है कि दक्षिण एशिया में अमरीकी प्राथमिकताएं स्थायी नहीं हैं। भारत, जो आतंकी घटनाओं को लेकर पाकिस्तान की भूमिका पर लगातार सवाल उठाता रहा है, अब देख रहा है कि अमरीका उसी पाकिस्तान को फिर से सहयोगी मान रहा है। भारत की रूस के साथ मजबूत रक्षा साझेदारी शीतकाल से ही अमरीकी नजरों में लगातार खटकती रही है क्योंकि, इसी की बदौलत भारत हमेशा अपनी विदेश नीति को स्वतंत्र और संतुलित रखने में सफल रहा है।

प्रमुख देशों पर टैरिफ

ब्रिटेन	10%
जापान	15%
ईयू	15%
इंडोनेशिया	19%
वियतनाम	20%
द.कोरिया	25%
भारत	25+25%
चीन	30%
बांग्लादेश	35%

अमरीका से व्यापार

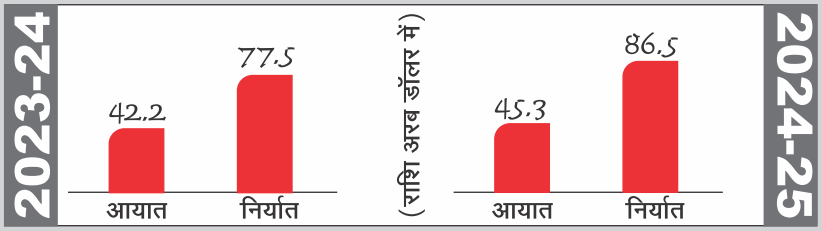

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

रणवीरसिंह चुण्डावत
डायरेक्टर, Mob.: 7742791508

स्व. किशन सिंह जी चुण्डावत

चुण्डावत रेस्टोरेंट एण्ड
चुण्डावत लस्सी कॉर्नर

पुराना रेलवे स्टेशन रोड, ठोकर चौराहा, उदयपुर

खाली पेट के सवाल का जवाब खाली हाथ और पीठ फेरना नहीं

दुनिया भर में 29 करोड़ से ज्यादा की आबादी जीवन के लिए जूझ रही है। उसके लिए एक वक्त का भोजन जुटाना भी मुश्किल हो रहा है। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी वैश्विक खाद्य संकट रपट में कहा गया है कि दुनिया का सबसे कमजोर तबका आज 21वीं सदी में भी संघर्ष, महंगाई, जलवायु संकट और जबरन विस्थापन के चक्रव्यूह में उलझा हुआ है।

उमेश शर्मा

दुनिया भर में विकास के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। बुनियादी ढांचे से लेकर प्रौद्योगिकी के विकास में नई-नई मिसाल कायम की जा रही है। समाज के समग्र उत्थान का तत्व विकास की इस धारा में कहां है? एक तरफ विभिन्न देश तकनीक के बूते खुद के ताकतवर एवं साधन संपन्न होने का दम भर रहे हैं, तो दूसरी ओर दुनिया में करोड़ों लोग भुखमरी के कारण अपनी शारीरिक क्षमता खो रहे हैं। विश्व खाद्य एवं कृषि संगठन की हाल में वैश्विक खाद्य संकट पर जारी रपट के इस संदर्भ में खुलासे चिंताजनक हैं। रपट के आंकड़ों से पता चला है कि पिछले वर्ष 53 देशों या क्षेत्रों के 29.5 करोड़ लोग गंभीर खाद्य संकट से जूझ रहे थे। यह आंकड़ा 2023 के मुकाबले 1.37 करोड़ अधिक है। कहा जा सकता है कि दुनिया के सबसे कमजोर और संकटग्रस्त क्षेत्रों में रहने वाले करोड़ों लोगों के लिए 2024 एक बुरे सपने से कम नहीं था। लगातार छठे साल दुनिया में गंभीर खाद्य संकट और बच्चे कूपोषण का शिकार बने हैं। दुनिया के 26 संकटग्रस्त क्षेत्रों में पांच साल से कम उम्र के करीब 3.8 करोड़ बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित पाए गए हैं। गाजा, माली, सूडान और यमन जैसे क्षेत्रों में हालात सबसे ज्यादा चिंताजनक हैं। रपट से पता चला है कि 20 देशों में करीब 14 करोड़ लोग युद्ध और भड़की हिंसा के कारण भूख के शिकार हैं। सूडान में तो भुखमरी की पुष्टि हो चुकी है। गाजा, हैती, माली और दक्षिण सूडान में भी हालात बेहद चिंताजनक हैं। आर्थिक संकट से भी स्थिति बिगड़ रही है। महंगाई और मुद्रा में आई गिरावट जैसे आर्थिक झटकों ने 15 देशों में 5.94 करोड़ लोगों को संकट में डाल दिया है, हैरानी की बात है कि ये आंकड़े अब भी कोविड से पहले के

मुकाबले दुगने हैं। मौसम की मार भी लोगों को पीड़ा दे रही है। अल नीनो से प्रभावित सूखा और बाढ़ ने 18 देशों में 9.6 करोड़ लोगों को खाद्य संकट में धकेल दिया है। खासकर दक्षिणी अफ्रीका, दक्षिण एशिया और हार्न आफ अफ्रीका में स्थिति कहीं ज्यादा खराब है। रपट में यह भी अंदेशा जताया गया कि 2025 में हालात में ज्यादा सुधार नहीं होगा। खाद्य और पोषण सहायता के लिए मिलने वाली अंतरराष्ट्रीय फंडिंग में अब तक की सबसे बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है।

21वीं सदी में भी अगर भुखमरी की समस्या इतनी विकट और भयावह होती जा रही है, तो यह व्यवस्था के साथ-साथ मानवता के लिए भी खतरे की आहट है। अतएव जरूरी है कि संकटग्रस्त इलाकों में स्थानीय खाद्य प्रणालियों और पोषण सेवाओं में निवेश पर जोर दिया जाए। समय आ गया है कि विभिन्न देशों की सरकारें जनकल्याण की योजनाओं की व्यापक समीक्षा के साथ भुखमरी को दूर करने के लिए उचित एवं प्रभावी उपाय करें।

थाली से पोषण की चोरी

जलवायु परिवर्तन की मार भी भोजन की थाली पर भारी पड़ने लगी है। इस कारण दुनिया के कई देशों में महंगाई में भारी वृद्धि हुई है। इससे कम आमदनी वालों के भोजन से पोषक तत्व कम होने लगे हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण कहीं रिकॉर्डतोड़ बारिश और बाढ़ की स्थिति पैदा हो रही है तो कहीं भीषण सूखा पड़ा रहा है। इससे खेती पर सबसे ज्यादा असर पड़ रहा है। खेती कम होने से अनाज, फल और सब्जियों के दाम बढ़ रहे हैं। इसका सबसे ज्यादा असर गरीबों पर पड़ रहा है। अगर मौसम इसी तरह बिगड़ता रहा तो भविष्य में गरीब देशों में कुपोषण, राजनीतिक उथल-पुथल और समाज में अशांति बढ़ सकती है। भारत सरकार को भी इस भयावहता में अहर्ट होने की जरूरत है। ब्रिटेन की एनर्जी एंड क्लाइमेट इंटेलीजेंस यूनिट, यूरोपियन सेंट्रल बैं, फूड फाउंडेशन और पॉट्सडैम इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट इंपैक्ट के संयुक्त अध्ययन में वर्ष 2022 और 2024 के बीच 18 देशों के मौसम की घटनाओं का डाटा लिया गया, जिसमें पाया गया कि खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि का संबंध गर्मी, सूखे, भारी वर्षा से था।

Deepak Bordia
Chartered Engineer, M.I.E., F.I.V.
Approved Valuer

BORDIA & ASSOCIATES

ARCHITECTURAL DESIGNER, PLANNER & BUILDER EXECUTE ALL KIND OF CIVIL ENGINEERING WORKS

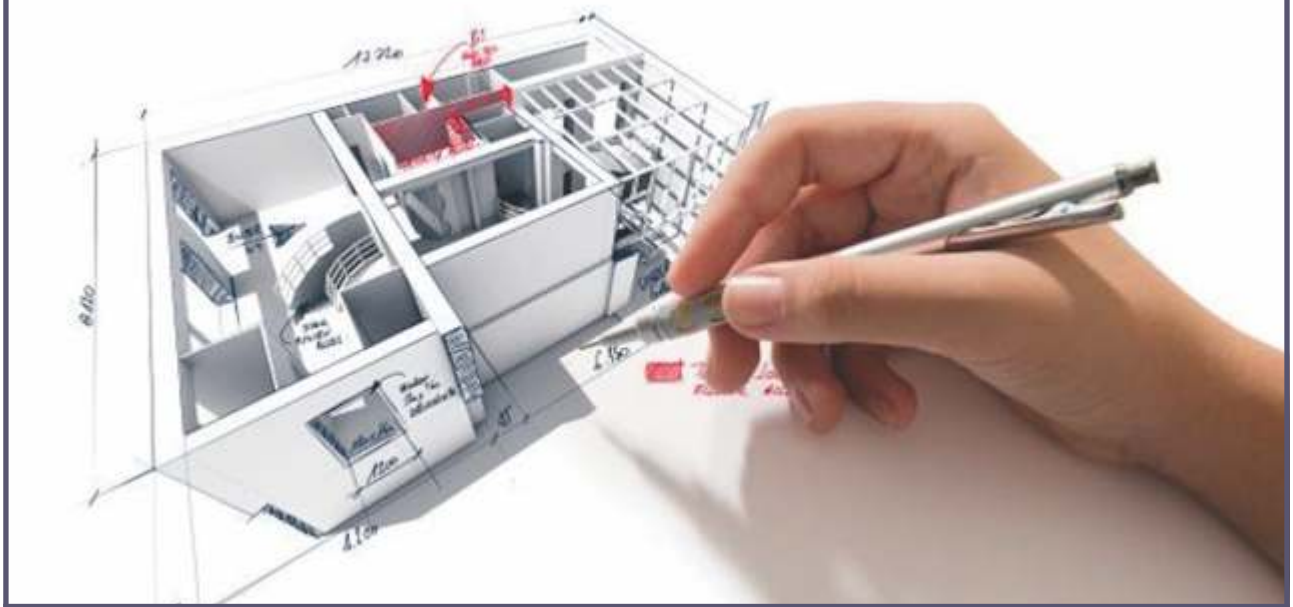

211, Shubham Complex 11-A New Fatehpura, Near Sukhadia Circle,
Udaipur - 313 001 (Raj.) e-mail: deepakbordia@yahoo.com
Mob.: 94141-65465, Ph.: 2419465 (O), 2524202 (R)

हिंदी को आग लगाते नेता और गले लगाती जनता

महाराष्ट्र में जब हिंदी के विरोध में सत्ता के भूखे भाषाई राजनीति के गरम तवे पर अपने-अपने लिए रोटियां सेंक रहे थे तब कहां छिपे थे- हिंदी फिल्मों के वे रणबांकुरे जो सालाना करोड़ों की कमाई करते हैं?

क्षमा शर्मा

हिंदी के पिटने की बारी अब महाराष्ट्र में है। इससे पहले दशकों से तमिलनाडु में हंकाली गई, कर्नाटक में पीटी गई। ईएमएस नंबूरीपाद के जमाने से केरल में भी नेताओं के मुंह से हिंदी के विरोध में आवाजें निकलने लगीं। हिंदी किसी का विरोध नहीं करती। हिंदी भाषी क्षेत्रों से कभी किसी को भाषा के नाम पर नहीं खदेड़ा जाता। फिर भी, हिंदी के हिस्से न जाने कितनी लानतें आती हैं। हिंदी साम्राज्यवादी है, हिंदी की कोई संस्कृति नहीं, हिंदी प्रदेश पिछड़े हुए हैं, हिंदी सांप्रदायिकता की वाहक है। क्या वाकई् जिन प्रदेशों ने इतने प्रधानमंत्री इस देश को दिए हैं, क्या सचमुच वह ऐसी ही है, क्या वह किसी लायक नहीं?

जिस महाराष्ट्र में हिंदी विरोध है, वहां हिंदी फिल्म उद्योग है। वहां की आर्थिकी में इसका भारी योगदान है। लेकिन वे हिंदी फिल्में, जिनका डंका देश-विदेश में बजता है, जो सौ से तीन सौ करोड़ के व्यापार में शामिल होती हैं, जिनमें काम-करने वाले कलाकार अरबपति हैं, वहां जब हिंदी पिटती है, तो कोई नहीं बोलता। फिल्मों के रणबांकुरे पता नहीं कहां छिप जाते हैं। इन दिनों बड़ी संख्या में दक्षिण भारतीय फिल्में हिंदी में डब की जाती हैं, खूब मुनाफा कमाती हैं, मगर हिंदी के नाम पर वहां आग लगा दी जाती है। यहां तक कि हिंदी के नाम पर उत्तर भारतीय नेता भी चुप लगा जाते हैं। हिंदी भाषियों का वोट तो चाहिए, मगर उनकी भाषा को पिटने के लिए अनाथ छोड़ दिया जाता है। कुसूर क्या यह है कि हिंदी इस देश की सबसे बड़ी भाषा है? उसे बोलने-बरतने वाले 55 करोड़ से अधिक हैं। लोकसभा की आधी से अधिक सीटें हिंदी क्षेत्र से आती हैं। यू ट्यूब पर हिंदी चौथी सबसे बड़ी भाषा है। विश्व में बोली जाने वाली भाषाओं में यह चौथे स्थान पर है। ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी अपने में बहुत से हिंदी शब्दों को शामिल कर चुकी है। दुनिया में लगभग डेढ़ सौ विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाई जाती है। जो विदेशी एयरलाइंस भारत से उड़ती है, उनमें एनाउसमेंट अंग्रेजी के साथ हिंदी में होते हैं।

साल 2024 में 5,235 प्रकाशकों ने 36,943 लेखकों-लेखिकाओं का 90,433 पुस्तकें हिंदी में छापी थीं। यह बाजार की सबसे बड़ी भाषा है, इसलिए हर उत्पाद अपने विज्ञापन हिंदी में देना चाहता है। अमेरिका में ओबामा और ट्रंप को चुनाव जीतने के लिए नमस्ते कहना पड़ता है और ब्रिटेन में ऋषि सुनक को। प्रसिद्ध बांग्ला लेखिका महाश्वेता देवी ने एक बार कहा था कि जब वह हिंदी में आई, तभी उन्हें देशभर में ख्याति मिली। दक्षिण भारतीय अभिनेता-अभिनेत्रियां हिंदी फिल्मों में काम करना चाहते हैं। अन्य भाषाओं के लेखक-लेखिका भी अपनी रचनाओं का हिंदी में अनुवाद पसंद करते हैं। आपसी बातचीत में ये लोग कहते हैं कि हिंदी के आने पर उन्हें बहुत बड़ा पाठक वर्ग मिलता है। भारत में 14 सितम्बर को हिंदी दिवस और हिंदी पखवाड़े मनाए जाते हैं। जनवरी में अंतरराष्ट्रीय हिंदी दिवस मनाया जाता है। गांधी जी गुजराती थे, पर उन्होंने हिंदी के महत्व को समझा था। बांग्लाभाषी केशवचन्द्र सेन ने कहा था कि हिंदी ही सबसे बड़ी सम्पर्क भाषा है। उस समय के अधिकांश नेता हिंदी ही बोलते थे। एक साक्षात्कार में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कहा था कि उनके घर का नियम है कि रात में खाने की मेज पर सब हिंदी बोलते हैं। दरअसल नेताओं के पास जब लोगों को देने के लिए कुछ नहीं होता तो वे भावनात्मक मुद्दे उछालकर उनको उकसाते हैं। लोग उनके बहकावे में आ जाते हैं। तभी तो किसी बैंक में कोई हिंदी बोलने पर पिट रहा है, तो किसी खाना लाने वाले की पिटाई हो रही है। मगर जिस आग को अपने लाभ-लोभ के लिए लगाया जाता है, वह बहुत खतरनाक होती है। जो लोग अखंड भारत का स्वप्न देखते हैं, क्या वाकई अखंड भारत इसी तरह बन सकता है? अंग्रेजी से कोई समस्या नहीं, लेकिन हिंदी से है।यहां एक अनुभवजन्य बात भी कहनी चाहिए। मेरी घरेलू सहायिका तमिलनाडु की है। उसकी लड़की बारहवीं पास है। वहां गांव में रहकर हिंदी पढ़ाती है और पैसे कमाती है। उसका कहना है कि वहां लोग हिंदी सीखना चाहते हैं। यानी नेता कुछ कहते हैं, लोग कुछ और चाहते हैं। यही विडंबना है।

(लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं ये उनके निजी विचार हैं।)

प्रत्यूष

ठाकरे ब्रदर्स की गलबहियों से कितनी बदलेगी सियासत?

पंकज कुमार शर्मा

मराठी भाषा के हित के नाम पर महाराष्ट्र में चचेरे भाई राज ठाकरे व उद्धव ठाकरे के हाथ मिला लेने और पाठ्यक्रम से हिंदी को बाहर कर मराठी को तरजीह देने की रैली में मंच साझा करने पर इसलिए हैरानी नहीं है कि सत्ता से बाहर रहना इन भाइयों को सुहा नहीं रहा। हालांकि मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने उनके भाषा संबंधी एजेंडे को मानकर एक बार तो उन्हें प्रभावी राजनैतिक समीकरण बुनने से रोक दिया है। नगर निगम के आसन्न चुनाव इस बार सक्रिय राजनैतिक दलों के भविष्य का निर्धारण करने में निर्णायक होंगे। दरअसल, नेताओं के पास जब लोगों को देने के लिए कुछ नहीं होता, तो वे भावनात्मक मुद्दे उछालकर उन्हें उकसाते हैं। दो दशक बाद शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे और एमएनएस चीफ राज ठाकरे एक मंच पर आए। दोनों ही हिंदी भाषा के थोपे जाने का आरोप लगाते हुए महाराष्ट्र की देवेन्द्र फडणवीस सरकार पर जमकर बरसे। हालांकि अभी तक दोनों के बीच ही किसी तरह के गठबंधन की घोषणा नहीं हुई है लेकिन सवाल उठने लगे हैं कि ठाकरे भाइयों के साथ आने से महाराष्ट्र की सियासत में क्या बदलाव होंगे।

बाला साहेब ठाकरे ने जब उद्धव ठाकरे को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया था तो राज और उद्धव के बीच टकराव हो गया था। नतीजा ये कि राज ठाकरे 2005 में शिवसेना से अलग हो गए थे। इसके बाद ये दोनों कभी एक मंच पर नजर नहीं आए। ऐसे में इस बार मंथन किया जाना चाहिए कि ठाकरे ब्रदर्स की एकता महाराष्ट्र की सियासत पर क्या असर डालेगी।

शिंदे के सामने चुनौती

उद्धव और राज ठाकरे की एकता के चलते तत्काल में असर डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की शिवसेना पर ही पड़ेगा, जो अपने को असली शिवसेना कहती है। क्योंकि इससे शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे की विरासत पर उपमुख्यमंत्री के दावे को खतरा पैदा हो सकता है और मूल मराठी मतदाताओं के बीच उनकी स्थिति को चुनौती मिल सकती है। बाल ठाकरे के बेटेऔर भतीजे के एकजुट होने के कारण एकनाथ शिंदे को बाहरी और गद्दार का टैग हटाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। शिंदे को महाराष्ट्र के शहरी इलाकों, खासकर मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि काका-बाबा के इन भाइयों द्वारा एकजुट मराठी क्षेत्रीय मंच कुछ ऐसा होगा जिसे भरपूर रखने के लिए वह पूरा संघर्ष करेंगे।

कांग्रेस के सामने दुविधा

बात कांग्रेस की करें तो पार्टी फिलहाल दुविधा में है। अगर राज ठाकरे विपक्षी खेमे में शामिल होते हैं तो पार्टी के लिए नई चुनौती होगी। पार्टी ने हिंदी-मराठी विवाद पर चुप्पी साध ली थी। हालांकि इस बात पर कोई स्पष्टता नहीं है कि ठाकरे गठबंधन के औपचारिक होने पर एमवीए अपने मौजूद स्वरूप में जारी रहेगा या नहीं। कांग्रेस की हिचकिचाहट के मूल में राज की प्रवासी-विरोधी और मुस्लिम विरोधी बयानबाजी है जो कांग्रेस की धर्मनिरपेक्ष छवि को महाराष्ट्र के बाहर नुकसान पहुंचा सकती है।

अर्लट मोड पर भाजपा

मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने मराठी भाषा रैली पर संयमित लहजा अपनाया। उन्होंने कहा कि **'यह मराठी भाषा की जीत की रैली थी, लेकिन उद्धव ने इसे राजनीति और सत्ता से हटने का मुद्दा बना दिया। वे हताशा में बोल रहे हैं, क्योकि 25 साल से अधिक समय तक बीएमसी पर शासन करने के बावजदू उनके पास दिखाने के लिए कुछ नहीं है। इसके विपरीत, हमने शहर में विकास किया है और मुंबई में मराठी मानुष के लिए अथक काम किया है।'** हालांकि एक अच्छी बात यह है कि ठाकरे के साथ पुनर्मिलन से गैर मराठी वोटर्स भाजपा के साथ लामबंद हो सकता है, क्योंकि ठाकरे गठबंधन में मराठी भाषियों, विशेषकर उत्तर भारतीय प्रवासियों के प्रति स्पष्ट शत्रुता है। इसके अलावा यदि ठाकरे मोर्चा नगर निगम चुनावों में शिंदे से बेहतर प्रदर्शन करता है, तो इससे भाजपा को कमजोर शिवसेना की कीमत पर महायुति पर हावी होने का मौका मिल सकता है।

तृप्त पितरों से कुटुम्ब का कल्याण

काल, पात्र एवं स्थान के अनुसार शास्त्रानुमोदित विधि द्वारा पितरों को लक्ष्य करके जो श्रद्धापूर्वक अर्पित किया जाता है, वही श्राद्ध है। श्राद्ध एवं श्रद्धा में घनिष्ठ संबंध है। श्राद्धकर्ता का अटल विश्वास रहता है कि मृत या पितरों के कल्याण के लिए ब्राह्मणों को जो कुछ दिया जाता है, वह उन्हें अवश्य प्राप्त होता है।

नंदकिशोर श्रीमाली

श्रद्धापूर्वक जो किया जाता है, उसे श्राद्ध कहते है। श्रद्धा शब्द में श्रत् अर्थात सत्य और धा यानी धारण करना है, और जीवन का सबसे बड़ा सत्य यथा पिंडे तथा ब्रह्मांडे है। तैतरीय उपनिषद् के अनुसार मिट्टी से निर्मित इस शरीर के विविध तत्व मृत्यु उपरांत ब्रह्मांड में विलय हो जाते है, पर मोह के धागे नहीं छूटते। मरणोपरांत भी आत्मा में मोह, माया का अतिरेक होता है और यह प्रेम ही उन्हें पितृ पक्ष में धरती पर वंशजों के पास खींचता है। ऐसी मान्यता है कि आश्विन कृष्ण पक्ष के श्राद्ध पक्ष प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक यमराज पितरों को मुक्त कर देते हैं और समस्त पितर अपने-अपने हिस्से का ग्राम लेने के लिए अपने वंशजों के समीप आते हैं, जिससे उन्हें आत्मिक शांति प्राप्त होती है।

पितर का अर्थ पितृ या श्रेष्ठजन होता है और बृहदारण्यक उपनिषद के अनुसार पुत्र वह है, जो न किए गए कार्यों से अपने पिता की रक्षा करता है। पुत् का अर्थ पूरा करना है और त्र का अर्थ रक्षा करना है। इसीलिए पुत्र या पुत्री, जिसे वृहद अर्थों में समझें तो प्रत्येक मनुष्य पर तीन ऋण होते हैं- पितृ ऋण, देव ऋण और गुरु ऋण। मनुष्य लोक में पिता मृत्यु के समय अपना सब कुछ पुत्र या पुत्री को सौंप देते हैं। इसलिए संतान पर पितृ ऋण होता है। श्राद्ध पक्ष एक अवसर देता है कि हम अपने पितरों को श्रद्धासुमन अर्पित कर सकें।

श्राद्ध पक्ष में पूर्वजों का पिंडदान किया जाता है। पिंड एक प्रतीक हे, जीवन की शुरुआत का। पिंड का अर्थ शरीर है, जिससे समग्र ब्रह्मांड की छवि आलोकित है और उस सत्य की अभिव्यक्ति छान्दोग्य उपनिषद् में वर्णित तत-त्वम-असि शब्दों के द्वारा होती है। इसका अर्थ है कि तुम में वह ब्रह्म अलोकित है, जैसे नमक जल में विलीन हो जाता है, पर उसका अस्तित्व नष्ट नहीं होता है, वैसे ही ब्रह्म शरीर में व्याप्त है, वह दिखाई नहीं देता है। उसकी अभिव्यक्ति प्राण में है और जीवों की प्रियता प्राण द्वारा प्रकट होती है। इसलिए जो मन को अति प्रिय होता है, उसके हेतु प्राण प्रिय शब्द का प्रयोग किया जाता है। श्राद्ध पक्ष में जल और अन्न से तर्पण करना चाहिए। वस्तुत: पितर सूक्ष्म शरीर है अर्थात ब्रह्म की ज्योति हैं, पर अभी मुक्त नहीं हुए हैं। उनका प्राण प्रिय में यानी की वंशजों में, उत्तराधिकारियों में उलझा हुआ है। श्राद्ध पक्ष में जल का अर्ध्य दिया जाता है। जल से ही विश्व जन्म लेता है, उसके द्वारा सिंचित होता है और फिर उसमें लीन हो जाता है। तर्पण में जल में अन्न मिलाकर अर्पित करने का प्रावधान है, क्योंकि यह शरीर अन्न से अनुप्राणित होता है। भक्ति भाव से पितरों को जब जल और अन्न अनुप्राणित होता है। भक्ति भाव से पितरों को जब जल और अन्न द्वारा श्राद्ध पक्ष में तर्पण किया जाता है, तब उनकी आत्मा तृत्प होती है और उनका आशीष कुटुंब को कल्याण के पथ पर ले जाता है।

ब्रह्मकपाल में मोक्ष

गया, पुष्कर, प्रयागराज, हरिद्वार, काशी आदि तीर्थों में पिंडदान करने का विशेष महत्व है। लेकिन स्कंद पुराण के अनुसार बद्रीनाथ तीर्थ के अलकनंदा नदी के तट पर स्थित ब्रह्मकपाल क्षेत्र में श्राद्ध के दिनों में किया गया पिंडदान गया तीर्थ में किए गए पिंडदान से आठ गुना अधिक पुण्यदायी है। ऐसी मान्यता है कि बद्रीनाथ में ब्रह्मकपाल में अंतिम श्राद्ध किया जाता है। इसके पश्चात संबंधित व्यक्ति के निमित्त किसी भी प्रकार का श्राद्ध कर्म या पिंडदान की आवश्यकता नहीं। ऐसी मान्यता है कि जिन पितरों को गया में श्राद्ध करने पर भी मुक्ति नहीं मिलती, उनका श्राद्ध यहां करने से उन्हें मुक्ति मिल जाती है। भगवान ब्रह्मा यहां ब्रह्मकपाल के रूप में निवास करते हैं। अलकनंदा नदी के तट पर ब्रह्माजी के पांचवें सिर की आकृति की शिला आज भी मौजूद है। भगवान शिव ने एक बार झूठ बोलने पर ब्रह्माजी का पांचवां शीष क्रोध में आकर काट दिया था। यही पांचवा शीष यहां गिरा। तब शिवजी ने वरदान देते हुए कहा कि यहां पितरों का पिंडदान करने से उन्हें मुक्ति मिल जाएगी। श्रीमद्भागवत महापुराण के अनुसार पांडवों ने अपने कुल के नाश के दोष से मुक्ति पाने के लिए स्वर्गारोहण के समय ब्रह्मकपाल में ही अपने पितरों का तर्पण किा था। ब्रह्मकपाल की पितरों को मोक्ष प्राप्ति के सर्वोच्च तीर्थ के रूप में महत्ता है। गरुड़ पुराण के अनुसार ब्रह्मकपाल में पितरों का पिंडदान व तर्पण करने से कुल के सभी पितृ मुक्त होकर ब्रह्मलोक चले जाते हैं।

MEWAR UNIVERSITY

A University u/s 2 (f) & 12(B) of the UGC Act 1956, established by Govt. of Rajasthan Act. 4 of 2009 with the right to confer degrees u/s 22 (1) of the UGC Act. NAAC Accredited

NAAC 'A' GRADE
ACCREDITED UNIVERSITY

ADMISSION OPEN SESSION 2025

UG PROGRAMMES	B.Tech | B.Sc. | BBA | LL.B. | BCA | B.Com BA | B.Pharm | BHM | BTTM | BPT | BVA BPES | B.P.Ed | B.Ed. | B.Sc.(Agri.) | BJMC
PG PROGRAMMES	M.Tech | M.Sc. | MBA | LL.M. | MCA | M.Com MA | M.Pharm | MHM | MTTM | MPT | MVA M.Sc.(Agri.) | MJMC

RECOGNITION & APPROVAL

UGC | NAAC | AICTE | PCI | BCI | NCTE | AIU

PROMINENT PLACEMENTS & RECRUITER

RAMAMURTHY SANKARA NARAYANAN
Branch : MBA
Package : 60,00,000
Company : GMR Energy Ltd.

Mohd Iliyas Hussain
Branch : Operation & Production Manager
Package : 50,00,000
Company : International Bank of UAE

Mohammad Irfan Lone
Branch : EE
Package : 45,00,000
Company : Reliance Jio Infocomm Ltd.

Ashish Ramchandani
Branch : Legal Studies
Package : 40,00,000
Company : HDFC Bank

KM Pragati Khulbey
Branch : MBA
Package : 40,00,000
Company : Reliance Consultancy Services Pvt. Ltd.

Yogesh Kr. Jingonia
Branch : Mechanical
Package : 20,00,000
Company : ONGC

Shruti Gujarati
Branch : CSE
Package : 25,00,000
Company : Data Radian Technologies

vedanta | wipro | magicbricks | Flexituff | apollo TYRES | Txd 同兴达 | Hollister | AgroStar | UltraTech CEMENT The Engineer's Choice | Lipi | SHREE ALLOYS | KRISHNA | MG CONSTRUCTION | RANGAM | SECURE | CEAT | genpact

Infrastructure @ Mewar University

University Campus : Mewar University, NH- 48, Gangrar, Chittorgarh, Rajasthan - 312901
Email : admission@mewaruniversity.org, Website: www.mewaruniversity.org
For Further Enquiries : 9414109080, 9929331070, 9950609001, 7300097114, 9928789090

आत्मबल की आराधना का पर्व नवरात्रि

नवरात्रि आत्मबल को प्रबल करने का अवसर है। नवरात्रि में नौ रूपों में देवी जनमानस के बीच आती हैं और मन और तन के शोधन का महत्व समझाती हैं। उनके नौ रूपों की आराधना का क्रम दरअसल हमारे जीवन की वरीयताएं क्या होनी चाहिए, यह भी समझाता है। सबसे पहले प्रकृति और सबसे अंत में धन।

सूर्यकांत द्विवेदी

नवरात्रि यानी आत्म-चिंतन और प्रकृति से एकाकार होने का एक पावन समय है। इस पर्व के पीछे हमारी सनातन परंपरा, सजगता और ऋतु जनित व्याधियों से लड़ने की तैयारी भी छिपी है। ऋतु परिवर्तन होने पर शरीर का आत्मबल कमजोर पड़ जाता है। ऐसे में नवरात्रि के रूप में हमको यह संदेश दिया जाता है कि नौ दिन तक अपने को ऋतु के मुताबिक तैयार करो। व्याधियों से लड़ने के लिए शारीरिक अनुशासन का पालन करो। इसलिए, हर ऋतुकाल में नवरात्रि के नौ दिन शारीरिक अनुशासन का संदेश लेकर आते हैं।

हर प्राणी के कुछ बल कहे गए हैं। मनुष्य के बलों में तीन बल आते हैं- विद्या, बुद्धि और विवेक। जिसके पास ये तीनों बल हों, उसमें आत्म-विश्वास की कमी नहीं होती और न ही उसका आत्मबल कमजोर पड़ता है। इसी प्रकार से तीन शोधन भी हैं। मनुष्य के लिए यह तीन शोधन- वात, पित्त और कफ हैं यानी शारीरिक दृष्टि से अपने को मजबूत करना। धन का स्थान बाद में आता है, पहले तन और मन के प्रकाश की कामना की गई है। और देवी भगवती की आराधना का पहला मूल मंत्र ही यही है बल प्राप्ति करना और शरीर का शोधन। जिसने इसे प्राप्त कर लिया, उसका जीवन आलोकित हो गया। मन की दो अवस्थाएं होती हैं। वह माया-मोह में पड़ता है या फिर नकारात्मक ऊर्जा की ओर जाता है। देवी कहती भी हैं, मन सबके पास होता है, हर जीव-जंतु अपना भला-बुरा सोचता है, लेकिन उसको यह नहीं पता होता कि कब क्या करना है। विवेक की पूंजी तो केवल मनुष्य के पास है, और किसी के पास नहीं। यही समझाने के लिए देवी भगवती

नवरात्रि में नौ रूपों में आती हैं। प्रकृति से लेकर अंश-वंश तक का समस्त अर्थशास्त्र समझाती हैं।

देवी भगवती, महालक्ष्मी के रूप में सौभाग्य प्रदान करती हैं, काली के रूप में सृष्टि में अनुशासन रखती हैं और सरस्वती के रूप में शब्द-सुर संसार का संचालन करती हैं। देवी का पहला स्वरूप शैलपुत्री है और दूसरा स्वरूप ब्रह्मचारिणी का। नवां स्वरूप सिद्धिदात्री यानी लक्ष्मी का है। यह क्रम बदल भी सकता था, लेकिन देवी ने सबसे पहले अपना स्वरूप प्रकृति और फिर प्रवृत्ति रखा। धन का स्थान अंत में है। नवरात्रि भी प्रकृति का ही उत्सव है। संकेत साफ है- प्रकृति बिगड़ी तो आपदा या महामारी निश्चित है। देवी भले ही एक स्त्री के रूप में परिभाषित हों, लेकिन वह आत्मबल हैं। वह आद्या हैं। देवी शास्त्रों में उनके तीन बल कहे गए हैं- सतोगुण, रजोगुण और तमोगुण। देवी वस्तुत: आपदा की देवी हैं। जब सृष्टि में महामारी फैली, आपदा आई तो देवी भगवती ने जन्म लिया। फिर चाहे वह शाकुंभरी बनकर आई हों या शताक्षी बनकर या पीताबंरा के रूप में। ऐसे में तमाम महामारी और व्याधियों को जीतने का एक ही मंत्र है-आत्मबल। कोरोना काल से बढ़कर इसका उदाहरण और क्या हो

सकता है। देवी आराधना आत्मबल की प्रतीक हैं। श्री दुर्गा सप्तशती का प्रारम्भ ही कवच से होता है।

यह तन-मन का संदेशात्मक कवच है। विभिन्न देवियां शारीरिक अंगों की शक्ति हैं। समग्र रूप से यह शक्तियां दुर्गा या भवानी का रूप लेती हैं, जिसे शरीर कहा जाता है। शरीर के समस्त अवयवों की शक्तियां ही ऋतु-व्याधियों से लड़ती हैं। अर्गलास्तोत्र में, देवी काली से प्रार्थना होती है कि वह जगत का कल्याण करें। इसमें भी आरोग्यता प्रथम है। कीलकम् गुप्त है। यह मानसिक तप है। जप है।

धारण करें देवी के बीज मंत्रों की ऊर्जा

श्री दुर्गा सप्तशती सात सौ श्लोकों का ग्रंथ है। यह केवल देवी चरित नहीं है। इसमें चार तत्व शोधन यानी चिकित्सा भी है।

ॐ ऐं आत्मतत्वं शोधयामि
ऊं ह्रीं विद्यातत्वं शोधयामि
ऊं क्लीं शिवतत्वं शोधयामि
ऊं ह्रीं क्लीं सर्वतत्वं शोधयामि

इसके मूल में बीज मंत्र हैं। हर बीज मंत्र की अपार शक्ति है। पूरी दुर्गा सप्तशती में सवा सौ से भी अधिक बीज मंत्र हैं। प्रसिद्ध बीजमंत्र 'ऊं ऐं ह्रीं क्लीं' है। यह बीज मंत्र हमारे शरीर के तीन अवयव मन-बुद्धि-विवेक को नियंत्रित करता है। हर मंत्र की स्तंभन शक्ति है, जो शरीर को स्वस्थ रखने का कार्य करती है। नवरात्रि में बीज मंत्रों से भी पूजा हो सकती है। यदि विधि-विधान से पूजा करने का अवसर नहीं मिले, तो बीज मंत्रों के माध्यम से देवी की आराधना हो सकती है। ये समस्त बीज मंत्र आत्मबल वृद्धिकारक और शोधन के हैं। कुछ बीज मंत्र इस प्रकार हैं- ॐ दुं दुर्गायै नमः, ऊं श्रीं क्लीं हीं, ऊं श्रीं श्रीं क्लीं हूं, ऊं ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे, भ्रां भ्रीं भ्रूं आदि। इनमें से किसी भी एक मंत्र को सामर्थ्य के अनुसार पढ़ा जा सकता है।

GMS Since 1976

With Best Compliments

Hitesh Gandhi
Managing Partner

GUJARAT MACHINERY STORES

Auth. Distributors For:

DUTRON Kanaflex® | DUPLON NYLON BRADED FLEXIBLE PVC PIPE | DUTRON H.D.P.E. R. PVC. C. P.V.C. PLUMBING & SWR Pipes | वासल P.V.C. TUBING

Ventura Pumps | Pluga Franklin Electric | PRAKASH SURYA GI PIPE | TUFROPES DESIGNED TO OUTPERFORM | neoseal Seal of Trust

21, Ashwini Bazar, Udaipur (Raj.) Ph.: 0294-2526784, 2422446
gmsudp@yahoo.in sachinsaleco@yahoo.com
Godown: E-42, M.I.A., Road No. 4, Opp. Adarsh Automobiles, Udaipur (Raj.) Ph.: 0294-2493839

प्रत्यूष

ज्ञान के प्रति समर्पण का भाव ही शिक्षा

स्वतंत्र भारत के पहले उपराष्ट्रपति और दूसरे राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म 5 सितंबर 1888 को तमिलनाडु के एक पवित्र तीर्थ स्थल तिरुतनी में हुआ था। उनके पिता सर्वपल्ली विरास्वामी एक गरीब किंतु विद्वान ब्राह्मण थे, इनके पिता पर एक बड़े परिवार की जिम्मेदारी थी। इस कारण राधाकृष्णन को बचपन में कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। राधाकृष्णन की प्रारंभिक शिक्षा तिरुपति में हुई। इसके बाद उन्होंने वेल्लूर और मद्रास कॉलेजों में उच्च शिक्षा प्राप्त की, वह शुरू से ही एक मेधावी छात्र थे। उन्होंने उच्च शिक्षा वीर सावरकर और विवेकानंद के आदर्शों का गहन अध्ययन किया। सन् 1902 में उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा अच्छे अंकों में उत्तीर्ण की। कला संकाय में स्नातक की परीक्षा में वह प्रथम आए, इसके बाद उन्होंने दर्शनशास्त्र में स्नातकोत्तर किया और जल्द ही मद्रास रेजीडेंसी कॉलेज में दर्शनशास्त्र के सहायक प्राध्यापक नियुक्त हुए।

विष्णु शर्मा हितैषी

शिक्षा के क्षेत्र में डॉ. राधाकृष्णन ने जो अमूल्य योगदान दिया वह निश्चय ही अविस्मरणीय रहेगा। वे बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। यद्यपि वे एक जाने-माने विद्वान, शिक्षक, वक्ता, प्रशासक, राजनयिक, देशभक्त और शिक्षा शास्त्री थे, तथापि अपने जीवन के उत्तरार्द्ध में अनेक उच्च पदों पर काम करते हुए भी शिक्षा के क्षेत्र में सतत योगदान करते रहे। उनकी मान्यता थी कि यदि सही तरीके से शिक्षा दी जाए तो समाज की अनेक बुराइयों को मिटाया जा सकता है।

डॉ. राधाकृष्णन कहा करते थे कि मात्र जानकारियां देना शिक्षा नहीं है। यद्यपि जानकारी का अपना महत्व है और आधुनिक युग में तकनीक की जानकारी महत्वपूर्ण भी है तथापि व्यक्ति के बौद्धिक झुकाव और उसकी लोकतांत्रिक भावना का भी बड़ा महत्व है। ये बातें व्यक्ति को एक उत्तरदायी नागरिक बनाती हैं। शिक्षा का लक्ष्य है ज्ञान के प्रति समर्पण की भावना और निरंतर सीखते रहने की प्रवृत्ति। वह एक ऐसी प्रक्रिया है जो व्यक्ति को ज्ञान और कौशल दोनों प्रदान करती है तथा जीवन में इनका उपयोग करने का मार्ग प्रशस्त करती है। करुणा, प्रेम और श्रेष्ठ परंपराओं का विकास भी शिक्षा के उद्देश्य हैं। वे कहते थे कि जब तक शिक्षक शिक्षा के प्रति समर्पित और प्रतिबद्ध नहीं होता और शिक्षा को एक मिशन नहीं मानता तब तक अच्छी शिक्षा की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने अनेक वर्षों तक अध्यापन किया। एक आदर्श शिक्षक के सभी गुण उनमें विद्यमान थे। उनका कहना था कि शिक्षक उन्हीं लोगों को बनाना और बनाया जाना चाहिए जो सबसे अधिक बुद्धिमान हों। शिक्षक को मात्र अच्छी तरह अध्यापन करके ही संतुष्ट नहीं हो जाना चाहिए। उसे अपने छात्रों का स्नेह और आदर अर्जित करना चाहिए। शिक्षक होने भर से सम्मान नहीं मिलता, उसे अर्जित करना पड़ता है।

शिक्षक का काम है ज्ञान को एकत्र करना या प्राप्त करना और फिर उसे बांटना। उसे ज्ञान का दीपक बनकर चारों तरफ अपना प्रकाश विकीर्ण करना चाहिए। सादा जीवन उच्च विचार की उक्ति को उसे अपने जीवन में चरितार्थ करना चाहिए। उसकी ज्ञान गंगा सदा प्रवाहित होती रहनी चाहिए। उसे **गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु गुरुदेवो महेश्वरः/ गुरु साक्षात परब्रह्म तस्मै श्री गुरुवे नमः** वाले श्लोक को चरितार्थ करके दिखाना चाहिए। इस श्लोक में गुरु को भगवान के समान कहा गया है। वे कहते थे कि विश्वविद्यालय गंगा-यमुना के संगम की तरह शिक्षकों और छात्रों के पवित्र संगम हैं। बड़े-बड़े भवन और साधन सामग्री उतने महत्वपूर्ण नहीं होते, जितने महान शिक्षक । विश्वविद्यालय जानकारी बेचने की दुकान नहीं हैं, वे ऐसे तीर्थस्थल हैं जिनमें स्नान करने से व्यक्ति की बुद्धि, इच्छा और भावना का परिष्कार और आचरण का संस्कार होता है। विश्वविद्यालय बौद्धिक जीवन के देवालय हैं, उनकी आत्मा है ज्ञान की शोध। वे संस्कृति के तीर्थ और स्वतंत्रता के दुर्ग हैं।

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

79वें स्वतंत्रता दिवस

15 अगस्त

के पावन पर्व पर समस्त प्रदेशवासियों को

हार्दिक शुभकामनाएं

राजस्थान संवाद

आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर हम सब संकल्प लें कि हम अपने कर्त्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करेंगे और राष्ट्र को प्रगति की नई ऊंचाइयों तक पहुँचाएंगे
जय हिंद, जय भारत

भजनलाल शर्मा
मुख्यमंत्री, राजस्थान

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

गृह निर्माण से गृह प्रवेश तक पूजा का विधान

वास्तु-पुरुष की पूजा के दौरान गृह स्वामी की यही कामना रहती है कि नव निर्मित आवास में त्रिशक्तियों का स्थाई वास रहे। माता लक्ष्मी धन, सम्पदा और वैभव प्रदान करें। सरस्वती जी ज्ञान के भंडार खोल दें और मां पार्वती आरोग्य प्रदान करें।

हीरालाल नागदा

हिंदू धर्म में 33 करोड़ देवी-देवताओं की परिकल्पना व उनका अस्तित्व माना जाता है। इनमें प्रमुख ब्रह्मा, विष्णु, महेश व त्रिशक्ति लक्ष्मी, सरस्वती व पार्वती हैं। गृह-निर्माण के पश्चात वास्तु पुरुष की पूजा करते हुए यही कामना की जाती है कि इस आवास में त्रिशक्तियों का वास रहे और वे हमें सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्रदान करें। वास्तु पुरुष मण्डल भी अंतरिक्ष में उपलब्ध विभिन्न ऊर्जाओं का प्रतीक है, ऊर्जा का उचित ढंग से गृह में प्रवेश हो, यही इसका अभिप्राय है।

- पंचभूत यथा-वायु, अग्नि, भूमि, जल व आकाश तत्व का उचित समायोजन घर में हो।
- जीवन शक्ति प्रदाता सूर्य व इसका प्रभाव
- पृथ्वी की आकर्षण शक्ति व चुम्बकीय लहरों का प्रभाव
- वास्तु पुरुष मण्डल का उचित प्रयोग

गृह निर्माण की प्रक्रिया शुरु होने से लेकर निर्माण संपूर्ण होने के बाद गृह प्रवेश के दौरान शास्त्रों में चार बार पूजा की व्यवस्था है। प्रथम पूजा निर्माण आरंभ करने पर की जाती है, जिसे शिलान्यास कहा जाता है। इसमें नंदादि पांच शिलाओं का पूजन होता है। दूसरी पूजा देहरी न्यास कहलाती है।

द्वार हेतु देहरी रखी जाती है, तब यह पूजा होती है। तीसरी पूजा आवास संपूर्ण होने पर वास्तु मंडल की पूजा की जाती है। इसमें मंत्रोच्चार व बलि विधान द्वारा बुरी आत्माओं को घर से दूर किया जाता है और लाभ प्रदान कराने वाली शक्तियों का आह्वान कर इसकी स्थापना

की जाती है। चतुर्थ पूजा के माध्यम से गृह में प्रवेश किया जाता है, प्राय: तीसरी और चौथी पूजा एक साथ संपन्न की जाती है। गृह प्रवेश से पूर्व प्रथम रात्रि को व दूसरे दिन गृह प्रवेश के समय ये पूजाएं की जाती हैं। वास्तु पुरुष मंडल के माध्यम से प्रतीकात्मक वास्तु-पुरुष की पूजा की जाती है। पुरोहित या वास्तु पुरुष पूजा विशेष से ही यह पूजा संपन्न कराई जाती है। इसमें मुख्यत: 81 पदों वाले वास्तु पुरुष मंडल की रचना चौकी पर की जाती है। कुंकुम से 10-10 सीधी व आड़ी रेखाओं से 81 पद वास्तु मंडल तैयार किया जाता है। फिर इन 81 कोष्ठकों में देवताओं के अनुसार रंगीन अक्षत भरकर देवताओं की स्थापना की जाती है। ब्राह्म कोष्ठक में 32 देवता होते हैं। मध्य के 9 स्थान ब्रह्मा हेतु सुरक्षित हैं। इसके अलावा 13 देवता भीतर की तरफ होते हैं। वास्तु मंडल की स्थापना कर वास्तु मंत्रों का उच्चारण करते हुए अक्षत, दूर्वा, दही, पुष्प व अन्य पूजन सामग्री से षोडशोपचार पूजन करते हैं और वास्तु पुरुष से इस प्रकार प्रार्थना की जाती है- हे भूमि रूपी शैय्या पर शयन करने वाले वास्तु पुरुष! आपको मेरा शत-शत नमन। प्रभु आप मेरे आवास में धन-धान्य, विद्या व स्वास्थ्य की निरंतर वृद्धि करते रहें।

उपरोक्त मंडल पूजा के बाद गृह प्रवेश पूजा की जाती है। गृह प्रवेश पूजा में आवास को गंगाजल से पवित्र करके फिर वरुण देव की पूजा कर बाहर गणपति स्थापना करते हैं। गृह स्वामी अपने हाथ में प्रज्जवलित दीपक लेकर अथर्ववेद में बताई निम्न स्तुति करता है- हे भव्य भवन मैं आपको देख रहा हूं व आप मुझे देख रहे हैं। मैं आपके भीतर शांतिपूर्वक निवास करना चाहता हूं। आपके अंदर विभिन्न देवताओं के अलावा जल व अग्नि भी स्थित है। प्रमुख द्वार से अखिल विश्व में मौजूद विभिन्न सकारात्मक ऊर्जाओं का अपने आप घर में प्रवेश हो रहा है। यह प्रार्थना कर दीपक सहित घर में प्रवेश करके उस दीपक को मुख्य स्थान पर स्थापित करते हैं। उस जगह पर पहले से चावल, धान, श्वेत पुष्प व सुंगधित अगरबत्ती जलती हुई मौजूद रहे। प्रवेश के पश्चात दुर्गाजी की आहुतियां हवन में दी जाती हैं। देवताओं की पूजा-अर्चना कर प्रसाद चढ़ाते हैं। पूरे घर में दुग्ध जल मिश्रित धारा या पानी में चदंन तेल मिलाकर छिड़काव करते हैं, ताकि रहने वाले सौभाग्यशाली धन-संपन्न व निरोग रहें। पूजा में प्रयुक्त सामग्री का सीधा संबंध पंच तत्वों से है। दीपक अग्नि तत्व का, जल व दूध जल तत्व का, अगरबत्ती का धुंआ वायु तत्व का, फूल व अक्षत पृथ्वी तत्व का व पूजा की घंटी व शंखनाद आकाश तत्व का प्रतीक है।

JKcement

FROM FREEDOM TO FUTURE
BUILT STRONG.

79 years of freedom. Centuries of dreams. One strong nation.
JK Cement — Building Dreams, Strengthening India
HAPPY INDEPENDENCE DAY

JKsuper — cement — BUILD STRONG | JKsuper BUILD STRONG | STRONG | JKsuper BUILD STRONG | PROTECT | Grey Cement: 1800 266 4606 | www.jkcement.com

संक्रमित मच्छरों के हमले का मौसम डेंगू और चिकनगुनिया में न बरतें लापरवाही

डॉ. सुनील शर्मा

बरसात के दिनों में मच्छरों के काटने से सिर्फ डेंगू और मलेरिया ही नहीं फैलता, लोगों को चिकनगुनिया भी हो जाता है। यह कभी-कभी घातक हो जाता है। यह रोग संक्रमित मच्छरों के काटने से फैलता है। समय रहते लक्षणों की पहचान कर ली जाए, जो इलाज संभव है।

एहतियात बरत लें, तो इससे बचा जा सकता है। मच्छरों के काटने का असर सात दिनों में दिखने लगता है। संक्रमण के दौरान जोड़ों और मांसपेशियों में अत्यधिक दर्द होता है। मरीज को तेज बुखार होता है। कभी-कभी यह जानलेवा साबित होता है। चिंता की बात यह है कि चिकनगुनिया की कोई विशिष्ट दवा नहीं है। लिहाजा लक्षणों के आधार पर ही चिकित्सक इस रोग का उपचार करते हैं। संक्रमित व्यक्ति में चिकनगुनिया का विषाणु लगभग एक हफ्ते तक रहता है। इस दौरान कोई मच्छर काट, ले तो वह भी संक्रमित हो जाता है। इसके बाद वह मच्छर जिसे भी काटता है, उसे चिकनगुनिया हो जाता है।

लक्षण सिर्फ बुखार नहीं

अचानक तेज बुखार आना ही चिकन गुनिया का लक्षण नहीं है। इसके लक्षण हफ्ते भर से ज्यादा रह सकते हैं। इसके लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। मरीज को थकान अधिक महसूस हो, सिर में दर्द हो और चक्कर आने के साथ उल्टी आए, तो इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। मरीज को इस दौरान बहुत कमजोरी महसूस होती है। जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द होता है। कभी-कभी शरीर में चकत्ते और दाने निकल आते हैं। जोड़ों का दर्द लंबे समय तक बना रह सकता है। कमजोरी और थकावट भी कई हफ्ते तक रहती है।

जोखिम की कई वजह

चिकनगुनिया फैलाने वाले मच्छर जल जमाव

वाले इलाकों में खास तौर से पनपते हैं। ऐसी जगह रहने वाले लोगों को संक्रमित होने का खतरा अधिक होता है। निर्माण स्थलों और झुग्गी-झोपड़ी इलाकों में चिकनगुनिया अधिक फैलता है। रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने से भी लोग इसकी चपेट में आ जाते हैं। खास तौर से गर्भवती महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग। जटिलता बढ़ने पर न केवल यकृत विकार बल्कि मस्तिष्क संबंधी समस्याएं पैदा होती हैं। गुर्दे के नुकसान का भी जोखिम बना रहता है।

उपचार और एहतियात

मच्छरों से बचाव ही चिकनगुनिया से बचने का सर्वोत्तम उपाय है। छतों पर टूटे-फूटे बर्तनों और पक्षियों के लिए रखे मिट्टी के बर्तनों में जमा पानी को साफ करते रहना चाहिए। घरों के बाहर लेमनग्रास जैसे पौधे लगाएं जो मच्छरों को दूर रखते हैं। चिकित्सक बुखार कम करने, जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द को कम करने से संबंधित दवाएं देते हैं। मरीज के शरीर में पानी कम न हो, इसका ध्यान रखना चाहिए। उसे पर्याप्त नारियल पानी दिया जाना चाहिए।

आहार का असर

चिकनगुनिया के मरीज के आहार पर विशेष ध्यान देना चाहिए। कुछ खाद्य पदार्थ सूजन बढ़ा देते हैं। इससे रोग ठीक होने में समय लगता है। अधिक चीनी वाले पदार्थ जैसे बोतलबंद शीतल पेय, फलों का रस, मिठाइयां, केक आदि नहीं लेना चाहिए। ये पदार्थ प्रतिरक्षा तंत्र को कमजोर करते हैं। मरीज को वसायुक्त भोजन और मांसाहार से बचना चाहिए। शराब भी प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर करती है। मरीज को मसालेदार और अम्लीय पदार्थ भी नहीं लेना चाहिए। इस रोग से उबरने में संतरा, पपीता और जामुन मदद करते हैं। मरीज को सब्जियों में पालक, केला और गाजर दिया जाना चाहिए। सूखे मेवे में बादाम का सेवन किया जा सकता है।

(यह लेख सिर्फ सामान्य जानकारी और जागरूकता के लिए है। उपचार संबंधी सलाह के लिए विशेषज्ञ की मदद लें)

जे.के.टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड
जेकेग्राम, कांकरोली (राज.)
स्वतंत्रता दिवस
के शुभ अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं
JK TYRE
& INDUSTRIES LTD.

बेरोज़गारी में नकारात्मकता से अपने को बचाएं

महिमा पालीवाल

'**मुझे** नहीं लगता कि मुझे कभी नौकरी मिलेगी, मैं खुद को बहुत असहाय और हारा हुआ महसूस करता हूं।' यह एक भावना है जो प्रतिदिन अनगिनत युवाओं के दिलों में गूंजती रहती है। चाहे भारत में बेरोजगारी की दर 9.2 प्रतिशत होने की खबर हो या उत्तर प्रदेश में मात्र 368 विज्ञापित पदों के लिए 23 लाख आवेदकों की कतार या कुछ दिनों पूर्व मुंबई में कुछ सौ पदों के लिए वॉक-इन-इंटरव्यू के लिए बुलाए गए कॉल के जवाब में लगभग 25000 नौकरी चाहने वालों के उमड़ने से मची भगदड़, आंकड़े बेरोजगारी की विकराल स्थिति का बखूबी बयां करते हैं। मुट्ठी भर नौकरियों के लिए नौकरी चाहने वालों की इतनी बड़ी संख्या देश में बेरोजगारी की विकराल समस्या को दर्शाती है। यहाँ मेरा मन्तव्य बेरोजगारी से निपटने से कहीं ज्यादा उससे होने वाली मानसिक चिंता और परेशानियो से बचने का है। ऐसी भयावह स्थिति में, जहां रोजगार के अवसरों की कमी है और हर दिन अस्वीकृति का सामना करना पड़ता है, मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है, क्योंकि आप (एक सामान्य प्रतियोगी) यह नियंत्रित करने में सक्षम नहीं हो सकते कि आपको कौन सी नौकरी मिलेगी या नहीं, लेकिन आप अपनी मानसिक स्थिति और विवेकशीलता के लिए स्वयं जिम्मेदार हैं और इसे नियंत्रित कर सकते हैं ताकि आप रोजगार की खोज में और मजबूती के साथ भाग ले सकें और समय के साथ सफल भी हो सकें।

मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से 'मुझे कभी नौकरी नहीं मिलेगी, मैं असहाय हूँ और हारा हुआ हूं' जैसे विचारों का बार-बार मन में आना आपको नकारात्मक बना देगा। ऐसे तर्कहीन और नकारात्मक विचार आत्मसम्मान को ठेस पहुंचा कर आपमें हीन भावना भरते हैं। आपको ऐसे नकारात्मक विचारों से दूर रहकर यह महसूस करने की आवश्यकता है कि आप अपना लक्ष्य पाने में सक्षम हैं और इसके लिए सतत प्रयास की जरूरत है। क्योंकि यह - 'नौकरी न मिलने'

का विचार अस्थयी है, लेकिन जो नकारात्मकता का बीज आप अपने मस्तिष्क में बोते हैं, स्थायी हो सकता है। सीधे शब्दों में कहें तो, यह समझने की ज़रूरत है कि नौकरी पाना अंतिम लक्ष्य नहीं है; बल्कि वास्तव में अच्छा प्रदर्शन करना और स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखना है ज्यादा महत्वपूर्ण है, और इसके लिए मानसिक स्वास्थ्य उत्तम होना चाहिए। नीचे कुछ सुझाव दिए गए हैं जिनसे आप यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि नौकरी की तलाश के प्रयास में तरोताजा बने रहें तथा मानसिक रूप से भी स्वस्थ रहें:

1. एक सहायता नेटवर्क बनाएं - दोस्तों, परिवार और सहायता समूहों से जुड़ने से ऐसे कठिन समय में नकारात्मकता से राहत और सकारात्मक प्रोत्साहन मिलता है। समान परिस्थितियों में दूसरों के साथ अनुभव साझा करने से अलगाव की भावना कम होती है और आपका मनोबल बढ़ता है।

यह कैसे करें : मित्रों और परिवार तक व्यक्तिश: पहुंचें तथा अपनी भावनाएं साझा करें। याद रखें कि जो लोग आपकी परवाह करते हैं, वे जानना चाहेंगे कि आपके साथ क्या हो रहा है। समान अनुभवों से गुज़र रहे लोगों से जुड़ने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर या अपने समुदाय में सहायता समूहों से जुड़ें।

2. मानसिक विश्राम तकनीकों का अभ्यास करें गहरी सांस लेने के व्यायाम और योग तनाव को काफी - कम कर सकते हैं और मानसिक विश्राम तथा स्पष्टता को बढ़ावा दे सकते हैं। ये अभ्यास आपके भावनात्मक विनियमन और समग्र कल्याण में सुधार कर सकते हैं।

यह कैसे करें : प्रत्येक दिन कुछ मिनट सचेतनता (माइंडफुलनेस) तथा मानसिक विश्राम (रिलैक्सेशन) के लिए समर्पित करें। ध्यान और विश्राम तकनीकों में आपका मार्गदर्शन करने के लिए यूट्यूब पर कई सुक्त ऐप्स और ऑनलाइन ट्यूटोरियल उपलब्ध हैं।

3. शारीरिक रूप से सक्रिय रहें नियमित शारीरिक व्यायाम तनाव को कम करने और मूड को बेहतर बनाने का एक सिद्ध तरीका है। जॉगिंग, साइकिल चलाना या दैनिक सैर (टहलना) जैसी सरल गतिविधियां आपके मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डालती हैं।

यह कैसे करें : दैनिक व्यायाम के लिए एक दिनचर्या निर्धारित करें। किसी स्थानीय व्यायामशाला (जिम) में शामिल हों या अपने दोस्तों, परिवार के साथ टहलें या अपनी पसंदीदा धुनों पर शांत बैठ जाएं या टहलें ।

4. कौशल विकास पर ध्यान दें नए कौशल हासिल करने से न केवल आपकी रोजगार क्षमता बढ़ती है बल्कि आपका आत्मविश्वास भी सुदृढ़ होता है। जब आप नौकरी के

अवसर की तलाश में बैठे हों, तो सुनिश्चित करें कि आप सीखते रहें, इससे आपके कौशल में सुधार होगा और साथ ही आपको 'आपके सीवी में अंतराल क्यों है? या इतने समय आप बिना रोजगार के क्यों थे?' जैसे खतरनाक प्रश्नों का भी बढ़िया जवाब मिलेगा।

यह कैसे करें : ऑनलाइन पाठ्यक्रमों और कार्यशालाओं का लाभ उठाएं। कोर्सएरा (Coursera), उडेमी (demy) और लिंक्डइन (Linkedin) लर्निंग जैसे प्लेटफ़ॉर्म आपको कौशल बढ़ाने और प्रतिस्पर्धी बने रहने में मदद करने के लिए पाठ्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करते हैं। इन माध्यमों पर सशुल्क तथा निशुल्क दोनों तरह के विकल्प उपलब्ध हैं।

5. स्वयंसेवक या प्रशिक्षु (इंटर्न) बनें

स्वयंसेवी कार्य या इंटर्नशिप में संलग्न होने से मूल्यवान अनुभव मिल सकता है, पेशेवर तंत्र (नेटवर्क) बन सकता है और आपके बायोडाटा में सुधार हो सकता है। यह आपको नौकरी की खोज के दौरान अपने कौशल को तराशने और संतुष्टि की भावना भी प्रदान करता है। विशेष रूप से यदि आप अभी अभी कॉलेज से डिग्री लिए हैं, तो इंटर्नशिप करना वास्तव में कार्य नैतिकता (work ethics) बनाने में मदद कर सकता है।

यह कैसे करें : अपनी रुचि के क्षेत्र में स्वयंसेवी संस्थानों (NGO) में अवसरों या इंटर्नशिप की तलाश करें। इंटर्नशाला और वॉलंटियरिंग इंडिया जैसी वेबसाइट आपको आपके कौशल और जुनून से मेल खाने वाले उपयुक्त अवसर ढूंढने में मदद कर सकती हैं।

6. पेशेवर मदद लें। कभी-कभी हम अकेले ही इस चिंता और नकारात्मकता के जाल से बच नहीं पाते हैं। लेकिन चिंता न करें, ऐसी स्थिति में पेशेवर मनोवैज्ञानिक आपकी सहायता कर सकते हैं। यदि आपको नौकरी की तलाश के दबाव से निपटना मुश्किल लग रहा है, आप सदैव नकारात्मक विचारों से गिरे रहते हैं तो आप मदद के लिए पेशेवर मनोवैज्ञानिक के पास जाएं। आप और मनोवैज्ञानिक मिलकर प्रभावी रणनीति विकसित करने, तनाव का प्रबंधन करने और चिंता और अवसाद की भावनाओं को नियंत्रित करने के लिए काम कर सकते हैं।

यह कैसे करें: स्थानीय मानसिक स्वास्थ्य क्लीनिक या ऑनलाइन परामर्श सेवाओं या सोशल मीडिया पर ऐसे मनोवैज्ञानिक को खोजें। ऐसे कई स्वयं सेवी संस्थाए (एनजीओ) और हेल्प लाइन हैं जो न्यूनतम लागत पर मनोवैज्ञानिक परामर्श और सहायता प्रदान करते हैं।

बेरोजगारी की उच्च दर, कुछ राज्यों में चयनकर्ता मंडलों द्वारा चयन प्रक्रिया में दीर्घ विलम्ब और चयन प्रक्रिया के दौरान प्रश्नपत्रों के लीक होने या वास्तविक उम्मीदवार के स्थान पर डमी उम्मीदवारों द्वारा परीक्षा देने से युवाओं में हताशा और निराशा निरंतर बढ़ रही है। गरीब और ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले प्रत्याशी, जिन्होंने कड़ी मेहनत की है और जिनके परिवारों ने उनकी पढ़ाई और भर्ती संबंधी प्रक्रिया की तैयारी के लिए जीवन भर की कमाई संपत्ति को दांव पर लगा दिया है, अपने आप को ठगा हुआ, असहाय तथा निराशा से घिरा पाते हैं।

(लेखिका मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता हैं)

हार्दिक श्रद्धांजलि

हमारे प्रिय

श्री रविश कोठीफोड़ा जैन

सुपुत्र रूपा–बसंतीलाल कोठीफोड़ा
सुपौत्र स्व. पन्नाबाई–स्व. जालमचंद जी सा. कोठीफोड़ा
का आकस्मिक निधन 04.08.2025 को हो गया है।
हम सभी परिजन अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

निवास स्थान: 134–धानमण्डी, तीज का चौक, उदयपुर

जन्म: 20.04.1981
स्वर्गवास: 04.08.2025

श्रद्धावनत

रीना (धर्मपत्नी), निर्वी (पुत्री), स्व. प्यारीबाई–स्व. श्री भूरीलाल जी कोठीफोड़ा *(दादा–दादी),* चमनलाल–बाबूबाई दोषी, उल्लासदेवी–स्व. भंवरलाल जी, शांतिलाल–केसर देवी *(बड़े पापा–बड़ी मम्मी),* मिठ्ठालाल–विमला, हिम्मत–मधु, नरेन्द्र कुमार–मंजू, प्रकाशचन्द्र–लक्ष्मी, ख्यालीलाल–राजकुमारी *(चाचा–चाची),* बलवंत–सुरेखा, अम्बालाल–अंजना, विशाल–वर्षा, कुंदन, नितिन–पिंकी, लवीश–भावना, प्रवीण–पारुल, लोकेश–खुशबू, राहुल–गीता, पीयूष–सोनल, मनीष–प्रियंका, प्रतीक–रोमा, हर्ष मितेश, वरूण–जहान्वी *(भाई–भाभी),* झील *(बहिन),* हितैषी, खुश्बू, आयुषी, पूर्वा, उज्जवल, तनुष, हार्दिक, सोनिया, ख्याति, मनस्वी, रीषित, धरा, प्रखर, सौम्या, हिया, हितांश, रावी, चहल, पार्थ, लक्ष्य, ध्याना, हीर, नित्यांश, धर्व *(भतीजा–भतीजी) एवं समस्त कोठीफोड़ा परिवार।*

प्रतिष्ठान

■ **ताराचंद इन्दरमल जैन** ■ **नवकार साड़ी,** उदयपुर
■ **नवकार सिंडिकेट,** सूरत ■ **रूप-निखार,** उदयपुर ■ **S.B.A. Sarees,** सूरत

खेलों में उत्कृष्टता व नवाचार चावत स्पोर्ट्स एकेडमी

पंकज कुमार शर्मा

चावत स्पोर्ट्स एकेडमी (सीएसए) उदयपुर का प्रमुख बहुआयामी खेल संस्थान है, जो विभिन्न खेलों में पेशेवर कोचिंग और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए लम्बे समय से प्रतिबद्ध रहा है। अपने में उत्कृष्टता और उपलब्धियों की विरासत समेटे यह एकेडमी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित प्रशिक्षकों द्वारा स्थापित एक मजबूत नींव के साथ हर स्तर पर एथलीटों को फलने-फूलने और आगे बढ़ने के अवसर और सुव्यवस्थित वातावरण प्रदान करती है। यह एक मात्र ऐसी निजी एकेडमी है, जिसका विभिन्न खेलों में विशिष्टताओं व उपलब्धियों के साथ अपनी प्रतिष्ठा का एक रिकॉर्ड है।

विजन और मिशन

सीएसए का उद्देश्य सभी खेलों में प्रतिस्पर्द्धी एथलीटों को व्यापक, अत्याधुनिक प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें जिला, राज्य और राष्ट्र स्तर पर मैदान में उतरने के लिए तैयार करना है। इसके लिए खिलाड़ियों में आवश्यक शारीरिक और मानसिक गुणों के साथ उनमें ईमानदारी, चारित्रिक दृढ़ता और अनुशासन जैसे मानवीय मूल्यों को विकसित करना एकेडमी का मुख्य ध्येय है। एक ऐसा वातावरण तैयार करना जो स्व प्रेरित व्यक्तियों को व्यक्तिगत प्रशिक्षण, समग्र विकास और निरंतर सुधार की खोज के माध्यम से एथलेटिक्स को उत्कृष्टता हासिल करने के लिए सशक्त बनाए।

दर्शन

सफलता के शिखर को छूने के लिए अनुशासन दृढ़ संकल्प, परिश्रम और समर्पण जरूरी होता है। यही बात खेलों में भी लागू होती हैं। एकेडमी इसके लिए वैज्ञानिक और व्यावहारिक पद्धति पर प्रशिक्षण प्रदान करती है। जो निम्न बिंदुओं पर केन्द्रित है-

- गति, चपलता एवं शक्ति-विस्फोटकता एवं लचीलापन
- चोट की रोकथाम और पुनर्प्राप्ति खेल विशिष्टता प्रदर्शन में वृद्धि

श्रीचंद चावतः खास उपलब्धियां

रजतः पुरुष युगल, बैडमिंटन एशिया सीनियर ओपन 2023 वियतनाम
कांस्यः मिश्रित युगल, बैडमिंटन एशिया सीनियर ओपन 2023 वियतनाम
कांस्यः पुरुष एकल, 47वां भारतीय मास्टर्स राष्ट्रीय 2025
कांस्यः मिश्रित युगल 46वां भारतीय मास्टर्स राष्ट्रीय 2024
रजतः मिश्रित युगल, अखिल भारतीय मास्टर्स रैंकिंग 2023
कई कांस्य पदकः राष्ट्रीय रैंकिंग टूर्नामेंट
जिला प्रशासन द्वारा प्रशस्ति पत्र गणतंत्र दिवस 2024
बीडब्ल्यूएफ विश्व सीनियर बैडमिंटन के लिए चयनित चैंपियनशिप, सितम्बर 2025

विश्वस्तरीय सुविधाएं

एकेडमी में विभिन्न खेलों में खिलाड़ियों के लिए विश्व स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध हैं-

बैडमिंटनः लकड़ी के 4 सिंथेटिक अंतरराष्ट्रीय स्तर के कोर्ट
क्रिकेटः नेट प्रेक्टिस व कोचिंग के साथ पूर्णाकार मैदान
फुटबॉलः पेशेवर कोचिंग के साथ पूर्णाकार मैदान
टेबल टेनिसः टीटीएफआई अनुमोदित कोचिंग व उपकरण
कराटेः विशेषज्ञ प्रशिक्षण द्वारा प्रशिक्षण
तैराकीः मनोरंजक एवं प्रतिस्पर्द्धात्मक प्रशिक्षण
स्केटिंगः पेशेवर स्तर की कोचिंग हेतु सिंथेटिक रिंक
बास्केटबॉलः पेशेवर कोचिंग के साथ सिंथेटिक कोर्ट
पिकलबॉलः तीन पेशेवर नौ लेयर सिंथेटिक कोर्ट

विशेषताएं

चावत स्पोर्ट्स एकेडमी समग्र विकास को प्रोत्साहित करने वाली सहयोगात्मक संस्कृति है। जहां सभी आयु समूहों के लिए प्रतिभा विकास पथ उपलब्ध है। साई (एसएआइ) की विरासत और अंतरराष्ट्रीय अनुभवन मेंटर, जिला से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्पर्द्धाओं का सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड, प्रगति ट्रैकिंग के साथ संरचित प्रशिक्षण मोड्यूल इसकी अपनी खास-खाास विशेषताएं हैं।

सशक्त नेतृत्व

एकेडमी को संस्थापक-संरक्षक के रूप में अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस कोच (सेवानिवृत्त एसएआइ) एवं वर्तमान मास्टर्स खिलाड़ी (75+ वर्ग) सक्रिय पदक विजेता भूपालसिंह चावत एवं अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन कोच (सेवानिवृत्त एसएआइ) तथा वर्तमान मास्टर्स खिलाड़ी (75+ वर्ग) सक्रिय पदक विजेता माया चावत का अनुभवी व कुशल नेतृत्व प्राप्त है। इसके साथ ही विभिन्न खेलों में विशेषज्ञता प्राप्त 11 प्रमाणित पेशेवर कोच टीम प्रत्येक एथलीट को उच्च गुणवत्ता केन्द्रित और व्यक्तिगत प्रशिक्षण के लिए प्रतिबद्ध है।

आदर्श परिवार निर्माण भी साधना

जैनाचार्य पुलक सागर महाराज

लूटोगे तो लुट जाओगे और लुटाओगे तो लौटकर आएगा। प्रत्येक व्यक्ति संसार में अकेला आता है और अकेला ही विदा होता है। वह केवल जो शरीर लेकर आता है, उसे भी यह छोड़ देता है। आने और जाने के बीच का समय ही आदमी का अपना जीवन है। उसे अपने स्वभाव और आचरण से इस तरह सजाएं कि दुनिया से जाने के बाद भी आपकी छवि जनमानस में अंकित रहे।

परिवार को जीना भी एक बहुत बड़ी साधना है। परिवार को आदर्श परिवार बनाना किसी संत साधना से कम नहीं है। ईंट-पत्थरों से मकान बन सकता है, लेकिन घर नहीं बन सकता। एक इंजीनियर मकान का नक्शा बना सकता है, लेकिन मैं आपके घर का नक्शा बदल सकता हूं। हजारों के घर बसाने का काम हमे दिया हुआ है, महावीर के उद्देश्यों पर चलते हुए इन निर्जीव मकानों को सजीव घर बनाने का प्रयास कर रहा हूं। मेरे पास कुछ ईंटें हैं जो आप लेकर जाएं और अपने मकान को संस्कारित घर बनाएं। जिस परिवार में तुम पैदा हुए हो, जीवन की अंतिम सांस भी उसी घर में हो। बच्चे और संत दोनों एक जैसे होते हैं, जिनके मन में कोई राग-द्वेष नहीं होता। सुबह का नाश्ता, दोपहर का भोजन और शाम का भोजन परिवार के साथ खाएं, रोजाना घर में दिवाली जैसा माहौल रहेगा। जिस घर में रोज उत्सव होते हैं, उसी घर में महोत्सव होते हैं। जितना सम्मान अपने पड़ोसी को देते हैं, उतना आभार और सम्मान अपनी पत्नी को भी देना शुरू कर दो, घर स्वर्ग बन जाएगा।

मन मैचिंग करें

परिवार में कपड़े मैचिंग मत करो, मन मैचिंग कर लो, जिंदगी खुशहाल हो जाएगी। बेटी का घर बसाओ उजाड़ो नहीं, घरों में सहन शक्तियां नहीं है, बहुएं सुनने को तैयार नहीं है। मां बेटी को 9 महीने पेट में रखती है, लेकिन पिता ताउम्र अपनी पलकों पर बिठा कर रखता है। पिता की भूमिका दिखती नहीं है, लेकिन होती बहुत बड़ी है। जो बेटियां अपने ससुराल की एक एक छोटी से छोटी बात अपनी मां को बताती हैं, उन बेटियों का घर कभी बस नहीं सकता, और जो मां अपनी बेटी को इन बातों पर शह देती हैं, वह मां अपनी बेटी का घर उजाड़ने में पूरा रोल निभाती है। बेटी को सिखाएं कि जल्दी उठे, खाना बनाए और परिवार को जोड़े रखने की आदि छोटी छोटी बातों पर ध्यान दे, सिर्फ डिग्रियां और पढ़ाई से जीवन नहीं चलेगा। ससुराल की गलियां अच्छी हैं, न कि अपने घर के ऐशो आराम। बेटियों को सहनशील बनाएं ताकि वे हर परिस्थिति में ससुराल का घर संभालने में समर्थ बनें।

संयुक्त परिवार श्रेष्ठ

परिवार छोटा करने से जीवन में शांति नहीं आती। परिवार हमेशा संयुक्त होना चाहिए। बोलो कम, सुनो ज्यादा। एक क्षण का गुस्सा 24 घंटे का जीवन खराब कर देता है। इंसान फालतू की बातों का गुस्सा करता है। पुरानी बातों को याद करके या भविष्य को लेकर इंसान गुस्सा कर रहा है। ना भूत के लिए जिओ और न भविष्य के लिए। महावीर कहते हैं जो वर्तमान के लिए जीता है, वो वर्धमान हो जाया करता है।

जैसे हो वैसे रहो

दूसरे के सुख को देखकर दुखी होने की जरूरत नहीं है। इससे जीवन बोझ बन जाएगा। दरअसल तुम्हारा दुख ये नहीं कि तुम्हारा एक मंजिल का मकान है, तुम्हारा दुख ये है कि पड़ौसी के तीन मंजिल का मकान है। शांति से जियो, आपके पास जो है उसमें खुश रहो। संत की कुटिया में जिज्ञासु पहुंचा, कहा कबीर दास आप हमेशा हंसते रहते हैं, मस्त रहते हैं। कबीर ने कहा एक रात मेरी कुटिया में विश्राम करो, फिर देखो कि मेरी खुशी का राज क्या है। कबीर दास जी ने कहा देख सामने एक नारियल का पेड़ और एक गुलाब का पौधा लगा है। जब हवा आती है तो दोनों झूमते हैं। गुलाब के पौधे ने कभी नहीं चाहा कि मैं नारियल का पेड़ बन जांऊ, और न कभी नारियल के पेड़ ने ऐसा चाहा कि मैं गुलाब का पौधा बन जांऊ। इसलिए आप जैसे हो जहां हो उसमें खुश रहो, किसी और को देखकर परेशान होने या जलने से कुछ मिलने वाला नहीं है। एक दूसरे पर टीका टिप्पणी ना करें, छींटा कसी ना करें। जैसे हो वैसे रहो।

प्रेम सबसे सार्थक मंत्र

प्रेम ही वह एकमात्र भाषा है, जिसे आंखों से समझा जाता है। इसे जानवर भी समझते हैं और इंसान भी। इसे बोलना नहीं पड़ता, बस महसूस करना होता है। दुनिया में अगर कोई सबसे बड़ा मंत्र है तो वह प्रेम का मंत्र है। जिसमें प्रेम है, उसका हृदय ही देवालय बन जाता है। जहां प्रेम प्रगाढ़ होता है, वहां वाणी मौन हो जाती है। प्रेम वह अमृत है जो दिलों को जोड़ता है, जबकि वासना एक जहर है जो मानवता को नष्ट करती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि मीरा का प्रेम एक मूर्ति से था, फिर भी वह भक्त शिरोमणि बन गई। प्रेम में बड़ी शक्ति और सामर्थ्य है। जहां प्रेम होता है, वहीं, स्वर्ग सा अहसास भी होता है। कोई कामना नहीं आनंद ही आनंद।

(श्री पुलकसागर जी महाराज के प्रवचनों से साभार)

प्रत्यूष

17 वर्ष बाद चातुर्मास पर झूम उठी झीलों की नगरी

राष्ट्र संत जैनाचार्य पुलक सागर महाराज की अगवानी में बिछे पलक पांवड़े

विनोद फान्दोत

राष्ट्रसंत मनोज्ञाचार्य पुलक सागर महाराज ससंघ का 17 वर्षों बाद झीलों की नगरी उदयपुर में चातुर्मासिक मंगल प्रवेश विशाल शोभायात्रा के साथ 6 जुलाई को हुआ। शोभायात्रा से पूर्व सोमेश वाणावत परिवार ने आचार्य श्री का पादप्रक्षालन किया। उसके बाद फतह हायर सेकंडरी स्कूल से शोभायात्रा प्रारंभ हुई। जो सूरजपोल चौराहा, बापू बाजार होते हुए नगर निगम प्रांगण पहुंची। मार्ग में जगह-जगह स्वागत द्वारों पर हजारों श्रावक-श्राविकाओं ने आचार्य संघ की अगवानी करते हुए वातावरण को जयकारों से गुंजायमान कर दिया।

शोभायात्रा में सबसे आगे सजाधजा हाथी चल रहा था। उसके पीछे पांच अश्व सवार हाथों में जैन ध्वज थामे चल रहे थे। उनके पीछे पांच बुलेट बाइक सवार भी हाथों में जैन पताका लेकर शोभायात्रा को आगे बढ़ा रहे थे। उनके पीछे तीन खुली जीपों में ढोल-नगाड़े विशाल जन मैदिनी को उत्साहित कर रहे थे। उनके पीछे 55 बुलेट, चातुर्मास पुण्यार्जक परिवार की तीन बग्गियां और 24 बच्चे स्केटिंग पर चल रहे थे। उसके बाद विभिन्न स्कूलों एवं जैन पाठशालाओं के बच्चे बैण्ड की स्वर लहरियां बिखेर रहे थे। उनके बाद पार्श्वनाथ महिला मण्डल की सदस्य गुजराती वेशभूषा में आचार्य के कट आउट हाथों में लिए झूम रही थी। शोभायात्रा का संचालन श्री मेवाड़ जैन युवा संस्थान द्वारा किया गया। नगर निगम प्रांगण में ध्वजारोहण व पाण्डाल उद्घाटन गेंदालाल-विनोद फान्दोत, नीलकमल अजमेरा, दिनेश-आदिश खोडनिया व डागरिया परिवार ने किया। स्वागत उद्बोधन पुलक मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद फान्दोत एवं संचालन महामंत्री प्रकाश सिंघवी ने किया। चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन सकल जैन समाज के सभी अध्यक्षों-मंत्रियों द्वारा किया गया। पाद प्रक्षालन गेन्दालाल-विनोद

पार्श्वनाथ महिला मंडल।

महाराजश्री के दर्शनोपरांत राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया को सम्मानित करते विनोद फांदोत।

महाराजश्री से आशीर्वाद प्राप्त करते शेख शब्बीर मुस्तफा

फान्दोत, नीलकमल अजमेरा एवं दिनेश-आदिश खोडनिया परिवार ने किया। अर्घ्य समर्पण श्री मेवाड़ जैन युवा संस्थान के निर्मल कुमार मालवी, पारस सिंघवी, शांतिलाल गांगावत, राजेश देवड़ा व अन्य सदस्यों द्वारा किया गया। शास्त्र भेंट महावीर जिनालय सर्वऋतु विलास के ट्रस्टी गण ने किया। मंगल प्रवेश के दौरान उदयपुर, डूंगरपुर, सांगवाड़ा, साबला, बांसवाड़ा, धरियावद, भीण्डर, कानोड़, अड़िंदा, सहित संभार भर से हजारों श्रावक-

स्वागत गीत की प्रस्तुति।

श्राविकाएं पहुंचे। इस अवसर पर चातुर्मास समिति के अध्यक्ष विनोद फान्दोत, परम संरक्षक राजकुमार फत्तावत, मुख्य संयोजक पारस सिंघवी, अशोक शाह, चातुर्मास समिति के प्रचार-प्रसार मंत्री विप्लव कुमार जैन शहर विधायक ताराचंद जैन, ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा, भाजपा जिलाध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़, प्रमोद सामर, सकल दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष शांतिलाल वेलावत, सुरेश पद्मावत, श्याम चौधरी, सुधीर चित्तौड़ा, देवेन्द्र छाप्या, बलवंत बल्लू, शांतिलाल भोजन, शांतिलाल मानोत, कुन्तीलाल जैन, निर्मल कुमार मालवी, श्रीपाल धर्मावत, नरेन्द्र सिंघवी, यशवंत आंचलिया, आलोक पगारिया, नितुल चण्डालिया, अतुल चण्डालिया, अरुण माण्डोत, रितेश जैन, दिनेश वजुवावत, पारस चित्तौड़ा, सुनील खेड़वा, कमल कुमार जैन, पन्नालाल जैन, राजेन्द्र चित्तौड़ा, महावीर नागदा सहित कई समाजजन मौजूद रहे।

23 की उम्र में सन्यास

पुलक सागर जी महाराज(52) मूलतः छत्तीसगढ़ के हैं। दीक्षा 1993 में ली। 23 साल की उम्र में संन्यास ग्रहण किया। घुटने ठीक से काम नहीं करते थे, लेकिन तप-त्याग के चमत्कार से ठीक से काम करने लगे। बचपन से एक किडनी नहीं है। चातुर्मास 13 जुलाई से शुरू हुआ है। 20 जुलाई से उदयपुर नगर निगम के टाउन हॉल में आयोजित ज्ञान गंगा महोत्सव में आपके प्रवचन सुनने को जन सैलाब उमड़ पड़ा। यहां 27 दिनों की विशेष प्रवचन श्रृंखला सम्पन्न हुई।

संत भवन का उद्घाटन

नगर निगम प्रांगण में धर्मसभा के पश्चात आचार्य ससंघ चातुर्मासिक प्रवास के लिए श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर सर्वऋतु विलास पधारे, जहां श्रीजी के दर्शन कर मंदिर के सामने स्थित नव निर्मित संत भवन का उद्घाटन सम्पन्न हुआ। यह संत भवन स्व. महावीर प्रसाद जी धर्मावत की पुण्य स्मृति में निर्मित हुआ है। जिसका उद्घाटन शकुंतला देवी, मनोज-हेमांगिनी, कृष धर्मावत द्वारा किया गया। गुरूदेव के 135 दिवसीय प्रवास के दौरान प्रतिदिन राजनेताओं, बुद्धिजीवियों समाजसेवियों, श्रेष्ठियों का उनसे आशीर्वाद प्राप्ति हेतु आगमन जारी है। चातुर्मास समिति की ओर से उनके स्वागत-सम्मान का क्रम भी जारी है। बाहर से आने वाले श्रावक-श्राविकाओं के लिए भी समिति ने आवास-भोजन आदि की श्रेष्ठ व्यवस्था की है।

Happy Independence Day

Sunil Jain, Director
96020 96414
94149 76433

PALLAV
AYURVEDA & MUKHWAS

All kinds of Ayurvedic,
Unani Medicine
& Mouth Freshener
Suppliers

PALLAV PHARMA

G- 09, SMB Plaza, Chartiwala Chowk, Delhigate Udaipur 313 001
Tel.: 0294-2423414, email: suniljainsj511@gmail.com

Mangilal Jain
Vinay Jain
(गुड़लीवाला)

with best compliments

0294 -2561750
0294 -2420474

Rajesh Metals

Raj Steel

Shop No. 2, 5, Gyan Marg, R.M.V. Road, Udaipur - 313001 (Rajasthan)

प्रत्यूष

खेतान इन्फ्रा प्रोजेक्ट द्वारा पौधारोपण

उदयपुर। हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड के मार्गदर्शन में मैसर्स एसके खेतान इन्फ्रा प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड की सीएफओ वैशाली खेतान द्वारा 300 पौधे रोपने का संकल्प लिया गया। पर्यावरण अभियान के तहत जावरमाता मंदिर के आसपास शारदा पब्लिक स्कूल व राउमावि जावर आदि स्थानों पर पौधारोपण किया गया। कृष्णपुरा कालाफडा विद्यालय, सिंघटवाड़ा विद्यालय आदि स्थानों पर भी एक हजार पौधे रोपने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। इस अवसर पर हिन्दुस्तान जिंक

लिमिटेड के आईबीयूसीईओ अंशुल खण्डेलवाल, जावरमाइन्स मजदूर संघ महामंत्री लालूराम मीणा, मैसर्स एसके खेतान इन्फ्रा प्रोजेक्ट के चेयरमैन शशिकांत खेतान, सीएफओ वैशाली खेतान, एसएम शर्मा, देवक टण्डन, सीओओ पुष्पेन्द्र धायभाई, सरपंच प्रकाश मीणा, हिन्दुस्तान जिंक के हितेंद्र भुपतावत, मैत्री, गजानन्द गुप्ता, मंयक, मोतीलाल शर्मा, मनोहरसिंह, राकेश वर्मा आदि ने भी पौधारोपण कर पर्यावरण बचाने का संकल्प लिया।

पीएमसीएच में चेस्ट एवं टीबी रोग की ओपीडी शुरू

उदयपुर । पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल बेदला में चेस्ट एवं टीबी रोग विभाग की नवीनीकृत ओपीडी शुरू हुई। शुभारंभ वरिष्ठ चेस्ट एवं टीबी रोग विशेषज्ञ डॉ. एसके लुहाड़िया, पीएमसीएच के चेयरमैन राहुल अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, एक्जीक्यूटिव डॉयरेक्टर अमन अग्रवाल, सीईओ शरद कोठारी आदि ने किया। इस अवसर पर चेयरमैन राहुल अग्रवाल ने कहा कि हमारा प्रयास है कि उदयपुर और आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को फेफड़ों एवं टीबी से संबंधित किसी भी जटिल बीमारी के लिए अब बड़े शहरों की ओर न जाना पड़े। आधुनिक तकनीकों से युक्त यह ओपीडी हमारे इस उद्देश्य की दिशा में एक बड़ा कदम है। ओपीडी में ब्रॉन्कोस्कोपी, क्रायो बायोप्सी, थोरोस्कोस्कोपी सहित अन्य एडवांस सुविधाएं निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं।

फ्लैगशिप योजनाओं में पहला स्थान

राजसमंद। राजसमंद जिले ने विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में पूरे राजस्थान में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बृजमोहन बैरवा ने बताया कि जिले ने एनएफएसए, कुसुम योजना, लाडो प्रोत्साहन, स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, लखपति दीदी, बैंक सखी, स्वनिधि योजना, स्वामित्व योजना सहित अनेक योजनाओं में उल्लेखनीय प्रगति की है। राजसमंद जिला कलेक्टर अरुण कुमार हसीजा ने सभी विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि योजनाओं का लाभ पात्रजन तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

स्थापना दिवस

उदयपुर। राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय के संघटक लोकमान्य तिलक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के 60वें स्थापना दिवस पर कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने कहा कि संस्थापक पंडित जनार्दनराय नागर चाहते थे कि यहां लोकमान्य शिक्षक तैयार हों। इसलिए 1966 में 80 विद्यार्थियों के साथ लोकमान्य तिलक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय की स्थापना की गई। समारोह की अध्यक्षता कुलाधिपति एवं कुल प्रमुख भंवर लाल गुर्जर ने की।

धरम कुलरिया का स्वागत

उदयपुर। फेडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेड एंड इंडस्ट्री की प्रदेश शाखा के चेयरमैन प्रवीण सुथार ने बताया कि मुंबई के उद्योगपति धरम कुलरिया का उदयपुर आगमन हुआ। उन्होंने नेशनल एमएसएमई कॉन्क्लेव का पोस्टर विमोचन किया। उद्यमी पुखराज सुथार, गीतेश जांगिड़ तथा गोविंद जांगिड़ मौजूद थे।

संगम यूनिवर्सिटी राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित

भीलवाड़ा। शिक्षा के क्षेत्र में भीलवाड़ा के संगम विश्वविद्यालय ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। आईआईटी बॉम्बे द्वारा आयोजित राष्ट्रीय भू-स्थानिक पुरस्कार 2025 में संगम विश्वविद्यालय को उभरते विश्वविद्यालय पुरस्कार से नवाजा गया है। यह पुरस्कार मुंबई में भू-स्थानिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के वार्षिक उत्सव के दौरान प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय की ओर से यह सम्मान कुलपति प्रो. डॉ. करुणेश सक्सेना और भू-सूचना विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. लोकेश कुमार त्रिपाठी ने ग्रहण किया। प्रो. सक्सेना ने कहा कि यह पुरस्कार संगम विश्वविद्यालय के लिए गौरव का प्रतीक और छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों तथा सभी हितधारकों के समर्पण और सतत प्रयासों का परिणाम है।

आर्कगेट वॉकथॉन 2025 में दिखा उत्साह

उदयपुर। आईटी कंपनी आर्कगेट की ओर से मई में सम्पन्न वॉकथॉन 2025 में कर्मचारियों ने उत्साह से भाग लिया। 31 दिवसीय आयोजन में कुल 505 प्रतिभागियों ने मिलकर 43,046 किलोमीटर की दूरी तय की। गत 19 जुलाई को आर्कगेट सेंट्रल स्क्वायर में आयोजित पदक वितरण समारोह में कंपनी के सीईओ कुणाल बागला और देवयानी बागला मुख्य अतिथि रहीं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को पदक प्रदान किए। वॉकथॉन में कुल 173 पदक प्रदान किए गए। जिनमें 72 स्वर्ण, 34 रजत, और 67 कांस्य शामिल रहे।

अलका शर्मा को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड

उदयपुर। सेंट्रल पब्लिक सी. सै. स्कूल, रॉकवुड्स हाई स्कूल एवं रॉकवुड्स इंटरनेशनल स्कूल की चेयरपर्सन अलका शर्मा को स्कू न्यूज की ओर से ग्लोबल एजूकेशन अवार्ड्स 2025 के तहत लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान जयपुर में आयोजित समरोह में दिया गया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर अलका शर्मा के सम्मान में विद्यालय प्रांगण में स्वागत हुआ। शर्मा ने कहा कि उनका जीवन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास व उत्थान के लिए समर्पित है।

हिंदी तो बहता नीर जो अपना रास्ता खुद बनाता है

वेदव्यास

इस बार भी 14 सितंबर को हिंदी दिवस पर सरकारी खर्च पर सरकारी संस्थानों में खूब तालियां और थालियां बजेगी। हिंदी भाषी क्षेत्रों का ये पुराना दर्द भी छलकेगा कि हिंदी भाषा को आजादी के 78 साल बाद भी हम राष्ट्रभाषा का सम्मान क्यों नहीं दे पा रहे हैं। 14 सितंबर 1949 से संविधान सभा ने केवल राजभाषा का दर्जा दे रखा है और तब से हिंदी भाषा, भारत की राष्ट्र भाषा नहीं मानी जा रही है। इस दर्द को समझने के लिए पहले हिंदी प्रदेशों में, अहिंदी प्रदेशों की भारतीय भाषाओं के प्रति आदर और अनुराग की भावना भी दिखाई-सुनाई पड़नी चाहिए। भारत का भाषा परिवार उम्मीद करता है कि कोई एक भाषा किसी दूसरी भाषा पर थोपी नहीं जानी चाहिए। क्योंकि हिंदी भाषा की संरचना, प्रांतीय भाषाओं और बोलियों से ही सृजित और समृद्ध हुई है। राजभाषा और राष्ट्रभाषा का ये वाद-विवाद और संवाद ही आज भाषाई वर्चस्व की राजनीति का रूप ले चुका है। दूसरे रूप में हिंदी-हिंदू-हिंदुस्तान की राजनीति ने भी हिंदी भाषा को राष्ट्रवाद की सांस्कृतिक अस्मिता से जोड़ दिया है और ये माना जाने लगा है कि जब हिंदी प्रदेशों से ही केंद्र सरकार का भविष्य तय होता है तो फिर अन्य भाषाओं का भविष्य भी बहुमत के शासन द्वारा ही तय किया जाएगा। भारत के अधिकतर प्रधानमंत्री इन हिंदी प्रदेशों की देन हैं और हिंदी भाषा की सृजन परम्परा इन्हीं हिंदी प्रदेशों से आती है। यानी कि हिंदी भाषा को शुरू से ही एक वर्चस्व की भाषा माना गया। जबकि संस्कृत, तमिल, तेलगु, मराठी, कन्नड़ जैसी अनेक भाषाएं भी शास्त्रीय भाषा की तरह बहुत समृद्ध हैं। मेरा इस पृष्ठभूमि में विनम्र सुझाव है कि हिंदी भाषा-भाषी हिंदी को अधिक विवाद रहित बनाने के लिए पहले अहिंदी भाषा-भाषियों के साथ सृजन संवाद, सांस्कृतिक सौहार्द और अनुवाद के पुल अधिक बढ़ाएं। उर्दू, अंग्रेजी के साथ हिंदी का तालमेल लगातार अनुवाद से ही बढ़ रहा है। मेरा ये भी अनुरोध है कि हिंदी जगत को इस बात का गर्व होना चाहिए कि आज हिंदी यत्र-तत्र-सर्वत्र है और बाजार और सरकार के साथ टेक्नोलॉजी और शिक्षा के माध्यम के रूप में भी प्राय: सर्वमान्य है। प्रचार के सभी माध्यम, फिल्म उद्योग, प्रसारण तंत्र-हिंदी को घर-घर ले जा रहे हैं कि हिंदी तो एक बहता नीर है जो खुद अपना रास्ता बना रहा है। आज लाल किला भी हिंदी भाषणों से ही जनता के दिल और दिमाग पर राज कर रहा है और अंग्रेजी से अधिक विश्व मंचों पर कामयाब है। ऐसे में हिंदी आज बाजार, व्यवहार और बहुमत की राजनीति का सफलतम उदाहरण है। शिक्षा की नई नीति में हिंदी, अंग्रेजी और तीसरी कोई प्रांतीय भाषा का त्रिभाषा फार्मूला भी यही संवाद और समन्वय बनाता है। अत: हिंदी भाषा-भाषियों को उदारता और भाषाई-पारिवारिकता की समझ के साथ, सबका साथ-सबका विश्वास और सबका विकास की गैर बराबरी से मुक्त बात करनी चाहिए। क्योंकि हिंदी प्रथम है किंतु सभी की पंक्ति में समान है। किसी एक भाषा को लेकर आग्रह और दुराग्रह एक तरह की संकीर्णता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके निजी विचार हैं)

वरिष्ठ महिला साहित्यकारों का सम्मान

जोधपुर। राजस्थानी भाषा में लिखने वाली लेखिकाओं की तादाद बहुत बढ़ चुकी है और विभिन्न विषयों पर लेखन कार्य हो रहा है। इन लेखिकाओं के साहित्य को पढ़ने के बाद भाव आते हैं कि जिस संवेदनाओं के साथ महिला लेखन कर सकती है, उनके साथ पुरुष नहीं कर सकता। यह कहना था साहित्यकार सत्यदेव सवितेंद्र का। वे राजस्थानी लेखिका संस्थान की ओर से नेहरू पार्क स्थित डॉ. सावित्री-मदन डागा साहित्य भवन जोधपुर में हुए सालीणा उच्छब के उद्घाटन समारोह को बतौर अध्यक्ष संबोधित कर रहे थे। संस्था सचिव मोनिका गौड़ ने बाताया कि इस अवसर पर मायड़ भाषा के प्रति समर्पण और लेखन के लिए वरिष्ठ राजस्थानी लेखिका डॉ. चांदकौर जोशी, डॉ. दमयंती कच्छवाहा और डॉ. जेबा रशीद को सम्मानित किया गया। बसंती पंवार ने डॉ. कमला कमलेश का परिचय, उनके जीवन से जुड़े प्रसंगों और उनके रचना कर्म पर प्रकाश डाला। कोटा से आई श्वेता शर्मा ने कमला

कमलेश की पोथी पगफैरा और वो दिनां की बात पर पत्र वाचन किया। उगम सिंह राजपुरोहित ने डॉ. सावित्री डागा के व्यक्तित्व और कृतित्व पर पत्र वाचन किया। समापन सत्र की अध्यक्षता डॉ. प्रकाश अमरावत ने की लेखक डॉ. कालूराम परिहार, पदम मेहता, डॉ. फतेह सिंह भाटी, दर्शना कंवर सहित अनेक लेखकों ने राजस्थानी के मंच को शिखर तक पहुंचाने की बात कही। द्वितीय सत्र में वरिष्ठ साहित्यकार मनोहर सिंह राठौड़, विशिष्ट अतिथि डॉ. मीनाक्षी बोराणा व डॉ. प्रोफेसर केएल राजपुरोहित ने भी संबोधित किया। संस्थान की अध्यक्ष डॉ. शारदा कृष्ण ने बताया कि पिछले साल शुरू हुआ यह संस्थान राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के उत्थान को समर्पित है। संस्थान की सचिव किरण राजपुरोहित, सह सचिव संतोष चौधरी, आभार व्यक्त किया।

कमर, गर्दन और घुटनों के दर्द का बिना ऑपरेशन सम्पूर्ण समाधान

डॉ. पाईवाल फिजियोथेरेपी एण्ड डॉयबिटिक फुट केयर क्लिनिक

डॉ. गौरव पाईवाल (PT)

दर्द निवारण विशेषज्ञ / 20 वर्षों का अनुभव /
18 वर्षों से उदयपुर में सेवा में

- ★ 4000+ मरीजों में 8000+ दबी हुई नसों के दर्द से राहत
- ★ 1000+ मरीजों को घुटना प्रत्यारोपण से बचाया
- ★ 300+ मरीजों के टूटे हुए लिगामेंट भरकर उन्हें ऑपरेशन से बचाया
- ★ 200+ मरीजों में मधुमेह के दर्द या घाव भरे गए

विशेषता वाले रोगों का उपचार -

- कमर दर्द, गर्दन दर्द, साइटिका, स्लिप डिस्क
- स्पॉन्डिलाइटिस, स्पॉन्डिलॉलिस्थेसिस, डिस्क रप्चर
- आर्थराइटिस, ऑस्टियोआर्थराइटिस, लिगामेंट चोटें
- घुटनों की ग्रीस खत्म होना, चाल बिगड़ना, दर्द और लचक
- मधुमेह जनित पैर के घाव, बेड सौर, झनझनाहट, जलन, सुन्नता, चुभन

Reverse your – स्लिप डिस्क, साइटिका, स्पॉन्डिलाइटिस, ऑस्टियोआर्थराइटिस, लिगामेंट इंजरी बिना सर्जरी के

Recovery from Regeneration Process /
पुनर्जनन प्रक्रिया से ईलाज

हमारी उपलब्धियाँ **ISO 2008 और 2015 Certified –**

राजस्थान का एकमात्र उच्च गुणवत्ता फिजियोथेरेपी क्लिनिक
भारत के टॉप फिजियोथेरेपी क्लिनिक में शामिल-हेल्थ केयर टुडे और हेल्थ केयर एवरीथिंग मैगज़ीन द्वारा मान्यता प्राप्त

अगस्त स्पेशल ऑफर
क्लिनिक के 16 वर्ष पूर्ण होने पर 7 अगस्त तक परामर्श शुल्क में 20% की छूट व उपचार पैकेज पर 10% की रियायत

पता : 18, पी रोड, न्यू केशव नगर, यूनिवर्सिटी रोड, उदयपुर

मोबाइल : 99502 90909 और 98872 90909

समय : सुबह 11:00 – 2:00 | शाम 5:00 – 8:30

अपॉइंटमेंट अनिवार्य – ताकि हर मरीज को पूर्ण ध्यान और समय मिल सके

अधिक जानकारी के लिए विज़िट करें : www.drpaiwals.com
या हमारी एप डाउनलोड करें अपॉइंटमेंट के लिए

Scan QR code using your android smartphone

लिंक https://tinyurl.com/DrPaiwalPhysio

प्रत्यूष

शतरंज के फलक पर चमका नया सितारा

गौरव शर्मा

दिव्या देशमुख ने मात्र 19 साल की उम्र में जॉर्जिया में आयोजित फिडे महिला शतरंज विश्व कप का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। वह भारत के लिए यह खिताब जीतने वाली पहली महिला हैं। दिव्या के लिए यह खिताब इसलिए भी अहम है कि उन्होंने अपने से दोगुनी उम्र की कोनेरू हम्पी को हराकर इसे जीता है। इस खिताबी जीत से वह ग्रैंडमास्टर बनने वाली भारत की चौथी महिला खिलाड़ी बन गई हैं।

इससे पहले यह गौरव उनसे फाइनल में हारने वाली हम्पी, डी हरिका और वैशाली रमेशबाबू को ही हासिल था। अब दिव्या के सामने मुख्य चुनौती कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर विश्व चैंपियन को चुनौती देने का अधिकार हासिल करना होगा। वह यदि विश्व चैंपियन बन जाती हैं, तो भारत के पास पुरुष और महिला वर्ग, दोनों के विश्व चैंपियन हो जाएंगे। अभी कुछ माह पहले ही डी गुकेश ने पुरुष वर्ग में विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है।

इस खिताबी मुकाबले को दो पीढ़ियों के बीच संघर्ष के तौर पर देखा जा रहा था, जिसमें दिव्या ने अपने से दोगुनी उम्र की अनुभवी और कई अहम खिताब जीतने वाली हमवतन हम्पी को हरा दिया। हालांकि कोनेरू हम्पी ने फाइनल में जगह बनाने के बाद ही यह कह दिया था कि अंतिम मुकाबला बहुत मुश्किल होने वाला है, क्योंकि दिव्या ने इस विश्व कप में बहुत ही उम्दा प्रदर्शन किया। जाहिर है, दिव्या की इस जीत की जमीन पहले ही बन चुकी थी।

गौरतलब है कि एक ओर हम्पी दो बार विश्व रैपिड शतरंज का खिताब जीत चुकी हैं, तो दिव्या ने भी कई शानदार कामयाबियों के अलावा 2023 में इंटरनेशनल मास्टर का खिताब हासिल किया था और पैंतालीसवें शतरंज ओलंपियाड में भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। फाइनल में 26 और 27 जुलाई को हुए दो मुकाबले ड्रॉ रहे थे, जिसके बाद 28 जुलाई को टाईब्रेकर में फैसला हुआ। जीत के बाद भावुक दिव्या आंसू नहीं रोक पाई। उन्होंने कहा, 'मुझे इसे (जीत को) समझने के लिए समय चाहिए। यह नियति की बात थी कि मुझे इस तरह ग्रैंडमास्टर का खिताब मिला।'

भारत की इन दो खिलाड़ियों के बीच फाइनल खेले जाने से इस खेल में चीनी दबदबे की कहानी पर भी काफी हद तक विराम लग गया है। दिव्या में 5 साल की उम्र में शतरंज में जगे इस शौक को पिता डॉक्टर जितेंद्र और माता नम्रता ने अपने प्रयासों से नई ऊंचाइयां देने में मदद की। उन्होंने नागपुर के अपने निवास के नजदीक एक शतरंज अकादमी में उनका रजिस्ट्रेशन करा दिया। दिव्या ने मात्र दो साल की कोचिंग में रंग दिखाना शुरू कर दिया। वह 2012 में पुडुचेरी में राष्ट्रीय शतरंज में अंडर 7 का राष्ट्रीय खिताब जीतने में सफल हो गई। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

दिव्या 2020 आते-आते भारतीय ओलंपियाड टीम की नियमित सदस्य बन गई और उनकी गिनती देश की दिग्गज खिलाड़ियों में होने लगी। इसका फायदा यह हुआ कि उन्हें नियमित तौर पर विश्वनाथन आनंद की सलाह मिलने लगी। उन्होंने पिछले शतरंज ओलंपियाड में तो व्यक्तिगत बोर्ड का स्वर्ण पदक भी जीता था।

घर वापसी पर भव्य स्वागत

भारत की पहली महिला विश्व चैंपियन शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख का 31 जुलाई को घर वापसी (नागपुर) पर भव्य स्वागत किया गया।

दृढ़ संकल्पी : कोनेरू हम्पी

फिडे महिला कप की उप विजेता भारत कोनेरू हम्पी भारत की पहली महिला ग्रैंडमास्टर हैं। उनकी सफलता पिता की कोचिंग, कड़ी मेहनत और मानसिक दृढ़ता का नतीजा है। वर्ष 2022 में महज 15 साल की उम्र में ग्रैंडमास्टर बनने वाली यह पहली भारतीय महिला हैं। साल 2003 में हम्पी को अर्जुन पुरस्कार और 2007 में पद्म श्री से सम्मानित किया जा चुका है। 2007 में एलीट 2600 एलो रेटिंग मार्क को पार करने वाली हम्पी विश्व की दूसरी महिला खिलाड़ी हैं। वहीं 2019 में हुए फिडे महिला ग्रांड प्रिक्स की भी विजेता रह चुकी हैं। आनलाइन फिडे महिला रेपिड चैंपियनशिप 2020 को कोनेरू हम्पी ने जीता था। साल 2024 में आयोजित एशियन गेम्स में हम्पी ने भारत को गोल्ड दिलाया। उनका जन्म आंध्र प्रदेश में 31 मार्च 1987 को हुआ था। उन्होंने मास्को में आयोजित प्रतियोगिता के 2012 संस्करण में कांस्य पदक जीता था। हम्पी 2019 में जार्जिया के बटुमी में चैंपियनशिप जीतकर सफलता के शिखर पर पहुंची थीं। तब उन्होंने चीन की लेई टिंगजी को एक नर्वस-ब्रैकिंग आर्मगेडन गेम में हराया था। जबकि 2023 में उज्बेकिस्तान के समरकंद में इसी टूर्नामेंट में रजक पदक जीता था।

VIJAY JAIN
95713-76650

With Best Compliments

GARVIT JAIN
93525-08700

KAMDHENU STEEL

GALLANTT

RATHI POWERTECH
move to the extraordinary
TMT REBARS

SHREE जंग रोधक CEMENT
घर की ढाल, सालों साल

RISHABHDEV STONE
TRADING CO.

NIMBAHEDA, KASIYA, MADRAS
&
KOTA STONE.

Wholesale Supplier
Market Organiser
Authorised Dealer

Office
City Station Road
P.O. Udaipur - 313001

Godown
Paneriyo Ki Madri,
Tekri Link Raod

Factory
G1-73, Udhyog Vihar,
Sukher

rstcvijay@gmail.com ☎ 8854941111

मानसिक स्वास्थ्य को सुनिश्चित करें

प्रत्येक व्यक्ति मानसिक शांति चाहता है। वह तभी मिलेगी जब वह अपनी जिम्मेदारियों का सही से निर्वहन करेगा। विद्यार्थी मन से अध्ययन कर परिणाम प्राप्त करें, माता-पिता बच्चों का सही लालन-पालन करें, कामकाजी महिला-पुरूष अपने दैनिक कार्य को कर्त्तव्य परायणता से करें, व्यवसायी-उद्योगपति अपने लक्ष्य को तय समय पर हासिल करें, खिलाड़ी नियमित अभ्यास करते हुए खेल में विजय प्राप्त करें। इन सभी के साथ अथवा दुनिया में प्रत्येक व्यक्ति अपने किसी ना किसी कार्य में संलग्न रहते हुए उसके लिए अथक प्रयासरत रहता है और वांछित परिणाम ना मिलने पर उसके मानसिक स्वास्थ्य को आघात पहुंचता है। कभी तय सीमा से अधिक अभ्यास करने पर, तय कार्य से अधिक कार्य करने पर तो कभी सीमित संसाधनों के कारण, समय के अभाव में, अत्यधिक कार्य के बोझ के कारण, अनेकानेक जिम्मेदारियां निभाने के कारण। किसी न किसी कारण व्यक्ति को अपना मानसिक स्वास्थ्य बिगाड़ लेता है। प्रत्येक व्यक्ति सदैव मुस्कुराते और तनावमुक्त रहने की जरूरत है। आज तो व्यक्ति स्वयं से भी परेशान हो जाता है। वर्तमान जीवन भाग-दौड़ भरा है। जहाँ हालात से दिन-रात लड़ना है।

आज प्रतिस्पर्धा के चलते लोग आगे और आगे बढ़ना चाहते हैं। विद्यार्थी डिग्री पर डिग्री ले रहे हैं। बाजार दैनन्दिन नये कोर्स, नई डिग्रीयों से भर रहे हैं, लेकिन वह भटक रहा है। इसका उसके मानसिक स्वास्थ्य पर विपरीत असर हो रहा है। व्यापारी और

व्यवसायी के लिए निवेश कभी खत्म नहीं होता है, कोई आखरी छोर है ही नहीं। पूँजी जमा होते ही फिर एक नया व्यापार खड़ा करेगा और हर व्यापार उसे मानसिक रूप से परेशान करेगा। दिखावे की संस्कृति का कोई अंत नहीं पैदल चलने वाला भी आसमान में उड़ान के सपने देखता है तो उसे उसको पूरा करने या पूरा ना करने पर भी सूकून है लेकिन वो उसे सच करने निकल जाए तो अंत तक चलता ही रहेगा। जीवन में और अधिक की चाह खत्म ही नहीं होती। व्यक्ति सांसारिक कार्य में उलझ कर सामाजिकता जीवन और समरसता को भूल ही जाता है। दुनिया में

मानसिक स्वास्थ्य खराब होने से मनुष्य के जीवन पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ता है। बदलाव के लिए हमें स्वयं आगे आना होगा। उसके लिए स्वयं की सजगता के साथ दूसरों को सावचेत कर उसकी मदद करनी होगी। हमारे आस-पास के लोगों को उनकी मजबूरियों और हालात से बाहर लाने के लिए उन्हें समझना होगा, उन्हें सही परामर्श एवं निर्देशन देना होगा। लेकिन सबसे पहले स्वयं से शुरूआत करनी होगी। दिनचर्या हो या हमारे कार्य या उत्तरदायित्व सभी का निर्वहन सही समय पर और गुणात्मक रूप से करना होगा। जब हम स्वयं आदर्श बनेगें तो परिवार और समाज में बदलाव देखने को मिलेगा। मानसिक स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए हमें शारीरिक रूप से मजबूत बनना होगा। जब हमारा शरीर स्वस्थ्य होगा तब मन और मस्तिष्क स्वस्थ्य रह पायेगें। सन्तुलन बनाकर कार्य करना और आगे बढ़ना है। मानसिक स्वास्थ्य सुनिश्चित होगा तो जीवन स्तर बढ़ेगा, जीवन में हम अपने तय लक्ष्यों की ओर अवश्य ही बढ़ पायेगें। वातावरण जीवन जीने के अनुकूल है। पृथ्वी पर कई प्रकार के जीव जन्तु हैं। पर्यावरणीय सन्तुलन बिगड़ने से जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण बढ़ता है जिससे नित नित नई बीमारियाँ उत्पन्न हुई है और मनुष्य का स्वास्थ्य भी खराब हुआ है। मनुष्य ने विज्ञान की खोज कर नये आविष्कार एवं प्रयोग किये जिसके हमें अच्छे एवं बुरे परिणाम प्राप्त होते आए है। मनुष्य यदि स्वयं अपने स्वास्थ्य का ध्यान नहीं रखेगा तो परेशानी उसे ही होगी ही। स्वास्थ्य के अन्तर्गत शारीरिक स्वास्थ्य के अतिरिक्त मानसिक स्वास्थ्य का बहुत बड़ा योगदान है। मानसिक स्वास्थ्य ही व्यक्ति को कर्म करने की इच्छा शक्ति देता है तथा सामाजिक जीवन में आगे बढ़ाता है। मानसिक स्वास्थ्य सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी बनती है।

डॉ. नितिन मेनारिया

Khiv Singh Rajpurohit
(Managing Director)
94141-04766

BKMGPL

All Kinds of Marble and Granite Block, Slabs & Tiles

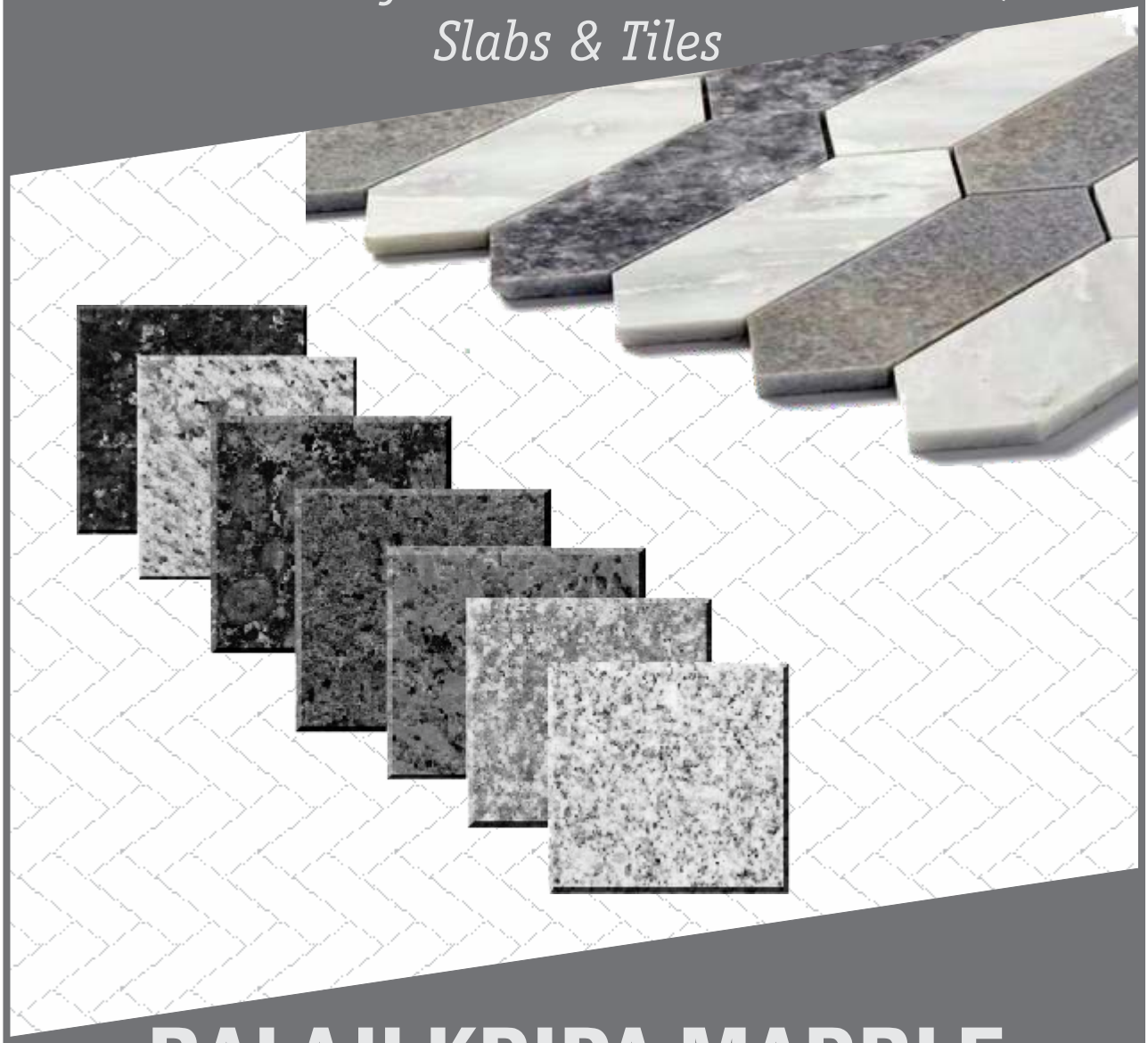

BALAJI KRIPA MARBLE & GRANITE PVT. LTD.

398-399, Sukher Industrial Area, Sukher, Udaipur (Rajasthan) India
Phone : +91-294-2442370, Fax : +91-294-2441773
e-mail: balajikripa.udr@gmail.com

धरती पर बदलावों का अध्ययन करेगा 'निसार'

प्राकृतिक और मानवजनित खतरों की निगरानी में भी मदद

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और अमेरिकी अंतरिक्ष एजंसी नासा के बीच साझेदारी के तहत 30 जुलाई को जीएसएलवी राकेट 'निसार' उपग्रह कक्षा में स्थापित किया गया था। इस उपग्रह को दोनों अंतरिक्ष एजंसियों द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है।

इसरो के जीएसएलवी एफ-16 ने लगभग 19 मिनट की उड़ान के बाद और लगभग 745 किलोमीटर की दूरी पर निसार (नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार) उपग्रह को सूर्य तुल्यकालिक ध्रुवीय कक्षा (एसएसपीओ) में सफलता पूर्वक स्थापित कर दिया। यह उपलब्धि 18 मई को पीएसएलवी-सी61/ईओएस-09 मिशन की असफलता के बाद आई है, जिसमें इसरो का पीएसएलवी त्रुटि के चलते पृथ्वी अवलोकन उपग्रह को वांछित कक्षा में पहुंचाने में विफल रहा था। इसी प्रकार के उपग्रहों रिसोर्ससैट और रीसैट शृंखला, जो परिचालनात्मक रूप से भारत पर केंद्रित थे, को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित करने के बाद, इसरो 'निसार' मिशन के माध्यम से पृथ्वी ग्रह के अध्ययन की यात्रा पर निकल पड़ा है।

51.7 मीटर लम्बाई जीएसएलवी एफ-16 रॉकेट ने 2,393 किलोग्राम वजनी उपग्रह को चैन्नई से लगभग 135 किलोमीटर पूर्व में स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के प्रक्षेपण स्थल से प्रक्षेपण यान ने उड़ान भरी थी। एस-बैंड रडार प्रणाली, डेटा हैंडलिंग और हाई-स्पीड डाउनलिंक प्रणाली, अंतरिक्ष यान और प्रक्षेपण प्रणाली भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी द्वारा विकसित की गई है। एल-बैंड रडार प्रणाली, 'हाई-स्पीड डाउनलिंक' प्रणाली, सालिड स्टेट रिकार्डर, जीपीएस रिसीवर, 9 मीटर बूम होइस्टिंक और 12 मीटर रिफ्लेक्टर, अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा द्वारा प्रदान किए गए हैं। इसरो उपग्रह की कमान संभालने के साथ संचालन करेगा, जबकि नासा कक्षा संचालन और रडार संचालन योजना पर काम करेगा। निसार मिशन को प्राप्त तस्वीरों को डाउनलोड करने के लिए इसरो और नासा दोनों के जमीनी केंद्र से सहायता मिलेगी, जिन्हें आवश्यक प्रसंस्करण के बाद उपयोगकर्ता तक प्रसारित किया जाएगा। इस दौरान एक ही प्लेटफार्म से एस-बैंड और एल-बैंडआर के माध्यम से प्राप्त डेटा से वैज्ञानिकों को पृथ्वी पर हो रहे परिवर्तनों को समझने में मदद मिलेगी। मिशन का उद्देश्य अमेरिका और भारत के वैज्ञानिक समुदायों के साझा हित के क्षेत्रों में भूमि और हिमनद की गतिविधियों, भूमि पारिस्थितिकी तंत्र और महासागरीय क्षेत्रों का अध्ययन करना है।

'निसार' का कार्यकाल पांच वर्ष का है। इससे प्राप्त डेटा सरकारों और निर्णयकर्ताओं को प्राकृतिक और मानव-जनित खतरों के लिए योजना बनाने में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करेंगे। 'निसार' खतरों की निगरानी के प्रयासों में मदद कर सकता है और संभावित रूप से निर्णयकर्ताओं को संभावित आपदा के लिए तैयारी करने के लिए अधिक समय दे सकता है। रडार उपग्रह धरती की भूमि और बर्फ का 3डी दृश्य उपलब्ध कराएगा। उपग्रह डेटा उपयोगकर्ताओं को भूकम्प और भूस्खलन के संभावित क्षेत्रों पर लगातार नजर रखने और यह निर्धारित करने में सूक्ष्म बनाएगा कि हिमनद कितनी तेजी से पिघल रहे हैं। उपग्रह से हिमालय और अंटार्कटिका जैसे क्षेत्रों के वनों में होने वाले बदलाव, पर्वतों की स्थिति या स्थान में बदलाव और हिमनद की गतिविधियों सहित मौसमी परिवर्तनों का अध्ययन किया जा सकेगा। अब तक की सबसे उन्नत रडार प्रणाली है। जो किसी भी पूर्व पृथ्वी उपग्रह की तुलना में अधिक डेटा प्रदान करेगी। निसार के डेटा से यह पता करने में मदद मिलेगी कि समय के साथ वन, आर्द्रभूमि, कृषि क्षेत्र किस प्रकार बदलते हैं।

प्रस्तुतिः प्रिशा शर्मा

Raju Sarupria
Director
98280 44371
87692 04371

Sarupria's Caterers
SINCE 1989

Lavish Sarupria
Director
81077 99899
99834 38299

SVC Sarupria Caterers

You Set the Mood,
We Cater the Food

Sarupria's
SWEETS & MORE
A unit of Sarupria Caterers

CPS School Road, Opp. Vrindavan Garden,
New Bhupalpura, Udaipur

SARUPRIA'S EVENT PLANET

प्रत्यूष

सेहत का भंडार अनार

हर फल बहुमूल्य गुणों से भरपूर होता है। फल शरीर के अंगों को सुचारू तो बनाते हैं, साथ ही इनसे स्वस्थ्य रहने के लिए जरूरी विटामिन भी प्रचुर मात्रा में मिलते हैं। ऐसे फलों में अनार भी है। बाजार में इन दिनों मौसम के इस फल की बहुतायत है। इसे अपने दैनन्दिन आहार में अवश्य शामिल करें।

डॉ. शोभालाल औदिच्य

स्मरणशक्ति को बढ़ाता है

अनार खाने से स्मरण-शक्ति मजबूत होती है। इसके साथ ही यह अल्जाइमर (भूलने की बीमारी) जैसे विकारों को भी दूर करने की क्षमता रखता है। जो लोग इस बीमारी से जूझ रहे हैं, उनकी बीमारी को दूर करने के लिए यह फल काफी लाभदायक साबित हो सकता है।

दिल की बीमारी से बचाए

अनार के छिलकों में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल और तनाव को कम कर दिल के रोगों से हमारी रक्षा करते हैं। अनार के छिलकों के पाउडर को गुनगुने पानी में मिलाकर पीने से दिल की बीमारी से दूर रहा जा सकता है।

कैंसर की आशंका करे दूर

स्तन कैंसर से बचने के लिए महिलाओं को अनार का सेवन करना चाहिए। फोटोकेमिकल्स एरोमाटेज एंजाइम को रोकता है। यह एंजाइम एंड्रोजन हार्मोन को एस्ट्रोजन हार्मोन में बदल देता है, जो ब्रेस्ट कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी होने में अहम भूमिका निभाता हैं।

बढ़ती उम्र के असर को करे कम

अनार का जूस पूरी तरह से प्राकृतिक पदार्थ है, जो कि शरीर को भरपूर ताकत और ऊर्जा देता है। इसमें पाया जाने वाला यूरोलिथिन ए कोशिकाओं में नई ऊर्जा का संचार करता है। उनमें डिफेक्टिव माइटोकॉन्ड्रिया के घटकों को रीसाइकिल करने की क्षमता आ जाती है और इस प्रकार बढ़ती उम्र के प्रभाव थम जाते हैं।

त्वचा को रखे साफ

अनार के छिलके को पीसकर उससे चेहरे पर मसाज करने से डेड स्किन साफ हो जाती है। साथ ही ब्लैकहेड्स की समस्या भी दूर हो जाती है। इसका जूस पीने से पाचन क्रिया अच्छी होती है, साथ ही इसका एंटी-ऑक्सीडेंट गुण कील-मुंहासों की समस्या को दूर रखने में भी फायदेमेंद है।

बी.पी के मरीज रहें सावधान

अनार ब्लडप्रेशर को नियंत्रित करता है। अगर इसके सेवन के साथ दवाई भी ली जाए तो इफेक्ट गलत हो सकता है, क्योंकि ब्लडप्रेशर पर फल और दवाई दोनों अपना प्रभाव छोड़ेंगे, जो मरीज के लिए हानिकारक है।

अनार खाने का तरीका

अनार का एक-एक दाना निकालना मुश्किल होता है। इससे आपका वक्त खराब होता है। इसे खाने का आसान तरीका है कि इसका ऊपरी छोर काट लें और फिर आप आसानी से इसे फांक में काट सकते हैं।

एलर्जी है तो न खाएं अनार

अनार का सेवन उन लोगों को नहीं करना चाहिए, जिन्हें किसी भी प्रकार की एलर्जी है। ऐसे में अगर आप अनार खाते हैं तो आपकी परेशानी और बढ़ सकती है।

भाग्यशाली होते हैं पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के जातक

पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के जन्म लेने वाले मनमोहक और मीठा बोलने वाले होते हैं। बुद्धि में भी आगे और आत्म विश्वास गजब का। ऐसे जातकों में नेतृत्व क्षमता बचपन से ही होती है। इन्हें अनुशासन में रहना अच्छा लगता है। इनका वैवाहिक जीवन भी प्रायः सुखी रहता है।

डॉ. संजीव कुमार शर्मा

पूर्वा फाल्गूनी नक्षत्र को पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र भी कहा जाता है। पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के जातकों को बुद्धि और आत्मविश्वास दोनों प्राप्त होते हैं। ऐसे व्यक्ति भाग्यशाली और सम्मानित होते हैं, जिनका समाज में हर कोई अनुसरण करना चाहता है। इस नक्षत्र का प्रतिनिधित्व शुक्र देवता करते हैं। ऐसे व्यक्ति को परिवार के सभी लोग मुखिया की भूमिका में देखते हैं। इनमें नेतृत्व क्षमता बचपन से ही होती है। इन्हें अनुशासन में रहना पसंद है तथा दूसरों से भी अनुशासन की अपेक्षा करते हैं। इस नक्षत्र में जन्मा जातक स्वभाव से चंचल एवं त्यागी होगा। इस नक्षत्र में जन्में जातक मनमोहक छवि और मीठा बोलनेवाले होते हैं। इस नक्षत्र में जन्मी स्त्री सौम्य स्वभाव की होती हैं। दूसरों की मदद और दान करना उनके विशेष गुण है। इस नक्षत्र की महिलाएं सद् गृहिणी होती हैं। इस नक्षत्र के व्यक्ति सभी क्षेत्रों में सफल रहते हैं, फिर भी चिकित्सा का क्षेत्र उनके लिए अच्छा होता है। ऐसे जातक प्रशासनिक क्षेत्रों में भी बेहद सफल होते हैं। इस नक्षत्र में जन्में व्यक्ति विज्ञान और दर्शन के क्षेत्र में गहरी रुचि रखते हैं। इस नक्षत्र के व्यक्ति माता-पिता की ओर से कोई लाभ प्राप्त नहीं करते, लेकिन भाई-बहनों से पूर्ण सहयोग और लाभ मिलने की संभावनाएं रहती हैं। विवाह में विलंब होने के बावजूद वैवाहिक जीवन सुखी रहता है। इन जातकों की संतान प्रतिभाशाली और प्रतिष्ठा बढ़ानेवाली होती है। इस नक्षत्र के चारों चरणों के अलग-अलग प्रभाव होते हैं।

प्रथम चरण - इस चरण का स्वामी सूर्य है। इस चरण में जन्मा जातक मीठा बोलनेवाला एवं सुंदर होता है। ऐसा व्यक्ति सर्वगुणसंपन्न और समर्थ होता है। मंगल की दशा मेंजातक का भाग्योदय होता है।

द्वितीय चरण - इस चरण के स्वामी बुध देव हैं। बुध के प्रभाव के कारण जातक वेद शास्त्रों का ज्ञाता होता है। सूर्य की दशा जातक के लिए स्वास्थ्यवर्धक होती है तथा मंगल की दशा, अंतर्दशा में जातक का भाग्योदय होता है। बुध की दशा में धन प्राप्ति के योग बनते हैं।

तृतीय चरण - इस चरण का स्वामी शुक्र है। इस नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्मा व्यक्ति क्रूर होगा। सूर्य की दशा जातक के लिए स्वास्थ्यवर्धक होगी तथा मंगल की दशा, अंतर्दशा में जातक का भाग्योदय होगा। बुध की दशा में धन प्राप्ति का योग होगा।

चतुर्थ चरण - इस चरण के स्वामी मंगल देव हैं। मंगल शुक्र देव के शत्रु एवं क्रूर ग्रह हैं। अत: इस चरण में जन्में जातक की आयु अधिक नहीं होती। सूर्य की दशा मध्य फल देगी एवं मंगल की दशा में जातक का भाग्योदय होगा।

प्रत्यूष

समाज में समरसता और भातृत्व भाव की पोषक पत्रिका

प्रत्यूष *(बहुरंगी हिन्दी मासिक)*

के आज ही सदस्य बनें। मात्र 600 रुपए वार्षिक।

पता: 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001

प्रत्यूष

दाल के स्वादिष्ट व्यंजन

भोजन में यदि नियमित रूप से दालों का सेवन किया जाता है तो व्यक्ति तमाम बीमारियों से दूर रहकर स्वस्थ जीवन जी सकता है। हमारे नित्य प्रति के जीवन में दालों का बड़ा महत्व है। दाल में प्रोटीन की मात्रा भी कम होती है, और यह हर घर में बनती है पर उसे तनिक से परिश्रम व खर्चे से अधिक स्वादिष्ट बनाया जा सकता है। आपकी सुविधा के लिए विभिन्न प्रकार से दाल पकाने की जानकारी दे रहे हैं। इन्हें खुद बनाकर देखें।

शिवनिका सर्राफ

***प्रायः** गृहिणियां हल्दी, मिर्च, नमक डालकर दाल पका देती हैं। पक जाने पर इच्छानुसार उसमें हींग-मिर्च, जीरा-मिर्च, राई-मिर्च अथवा लहसुन-मिर्च का छौंक दे देती हैं। बहुत-सी बहनें आलस्यवश दाल भी ठीक से नहीं पकाती-पानी अलग, दाल अलग। वास्तव में तो दाल पककर घुट जानी चाहिए, तभी वह स्वादिष्ट होती है। यदि आपके यहां प्रेशर कुकर है तब तो उसमें दाल जल्दी व अच्छी तरह गल जाएगी। वैसे भी धीमी आंच पर काफी देर पकने दें तो दाल सोंधी होगी व घुट भी जाएगी। दाल का पानी अंगुल से नापकर रखना हमारी दादी-नानी सिखाती आई हैं। यह ढंग अच्छा भी है।वैसे दाल में दुगुना पानी तो रखना ही चाहिए। यदि दाल गाढ़ी हो जाए तो उसमें गरम पानी डालकर पतली करनी चाहिए। जब दाल के दाने फूटने की सीमा तक गल जाएं तो जल्दी होने पर दाल को मथानीं से मथ दीजिए। इस दाल में आप निम्नलिखित ढंग से परिवर्तन कर सकती हैं।*

खट्टी दाल

दाल पका लें। बाद में हरी सब्जियां, अदरक, हरा धनिया, प्याज कतर के डालकर थोड़ी देर और पकाएं। थोड़ी–सी पकी इमली एक प्याला पानी में भिगो दें व मसलकर, छानकर दाल में डाल दें। एक चम्मच में घी गरम करके उसमें एक चाय का चम्मच राई–जीरा का छोंक दे दें। बाजार में सांभर का मसाला मिलता है, वह भी डालें तो स्वाद अच्छा हो जाएगा। इसमें दाल खूब घुटी होनी चाहिए। छोटी प्याज डालकर भी यह दाल स्वादिष्ट लगती है। मीठी नीम की पत्ती का छोंक अच्छा लगता है।

दाल टमाटर बहार

दाल गल जाने पर दो–तीन टमाटर, हरी धनिया, हरी मिर्च व अदरक थोड़ी–थोड़ी कुतरकर डाल दीजिए। जब सब मिल जाएं तब एक पतीली में थोड़ा घी या तेल डालकर, एक प्याज बारीक करके, भून लें व उसके राई, जीरा व लाल मिर्च का छोंक देकर दाल डाल दें।

दही वाली दाल

पकी दाल में एक प्याला दही मथकर डाल दें व थोड़ी देर आग पर रख दें। छौंक अपनी पसन्द से दें।

खट्टी-मीठी दाल

दाल पकने रख दें। एक टुकड़ा गुड़ थोड़े पानी में भिगो दें। थोड़ी इमली भी भिगो दें। दाल पक जाने पर, गाढ़ी होने के पहले, इमली व गुड़ मसलकर छानकर डाल दें थोड़ी–सी जीरा भी पीसकर डाल दें। हरा धनिया, अदरक, हींग–जीरे का छोंक दीजिए। खटाई व मीठा अपनी इच्छा व स्वाद के अनुसार रख सकती हैं।

हरी सब्जियों की दाल

टमाटर के साथ–साथ अन्य सब्जियां–मूली, गाजर, मटर, सेम आदि भी डाली जा सकती हैं। केवल मूली या बैंगन डालने से भी दाल का स्वाद अच्छा होता है।

मसालेदार दाल

पहले दाल को नमक डालकर उबाल लें–गल जाने तक। एक प्याज, तीन–चार जवा लहसुन, तीन–चार लाल मिर्च, एक बड़ा चम्मच धनिया, एक छोटा चम्मच हल्दी लेकर बारीक पीस लें। घी में एक प्याज बारीक कतर के लाल करें व तब यह मसाला भून लें–लाल होने तक। फिर दाल डाल दें व पकने दें। एक–दो उबाल आने के बाद गरम मसाला व कटा धनिया डालकर उतार लें।

प्रत्यूष

इस माह आपके सितारे

पं. शोभालाल शर्मा

मेष

यह माह फलदायी सिद्ध होगा, विदेश यात्राओं के योग बनेंगे, स्वास्थ्य में नित्य नयी समस्याऐं उभरेगी, खर्चे अधिक रहेंगे, नौकरी पेशा जातको पर कार्य का अधिक दबाव रहेगा, व्यापार में लाभ रहेगा, आर्थिक दृष्टिकोण से उतार–चढ़ाव पूर्ण रहेंगे, पारिवारिक जीवन खुशहाल रहेगा।

वृषभ

नौकरी एवं व्यापार के क्षैत्र में सावधान रहना होगा, परिवार में आंतरिक कलह उत्पन्न हो सकता है निजी संबंधों में उतार–चढ़ाव रहेगा, आर्थिक दृष्टि से यह माह अनुकूल रहेगा, स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, विद्यार्थी वर्ग को कठिन चुनोतियों का सामना करना पड़ेगा।

मिथुन

कार्य क्षेत्र में विवाद की संभावनएँ बनेगी, व्यापारी वर्ग को संतुष्टि मिलेगी, तकनिकी क्षैत्र में काम करने वाले जातको को अच्छे अवसर मिलेंगे, आर्थिक पक्ष अनुकूल रहेगा खर्चों में कमी रहेगी, सुख–सुविधाओं में वृद्धि होगी, उदर एवं त्वचा रोग उभर सकता है।

कर्क

नौकरी पेशा जातको के लिए अनुकूल समय है, व्यापार करने वाले जातकों को भी अनुकूलता प्राप्त होगी, एवं लाभ रहेगा, नये संबंध बनेंगे, वैवाहिक संबंध सुखद रहेंगे, महिने का उत्तरार्ध समस्याओं से भरा रह सकता है, सावधानी बरतें, आर्थिक तौर पर यह माह अच्छा रहेगा।

सिंह

स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं के प्रति जागरूक रहें, नौकरी पेशा जातकों को कार्यभार की अधिकता रहेगी, व्यापार में जोखिम से बचे, आर्थिक तौर पर यह माह ठीक–ठीक है, माह के उत्तार्ध से खर्चो में कमी आयेगी, स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, आखों एवं पैरो में समस्याएं उभर सकती हैं।

कन्या

महिने का पूवार्ध कमजोर बना है, स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं से सावधान रहे, आर्थिक मामलों में खर्च बढ़ेंगे, आय सामान्य रहेगी, अतिआत्म विश्वास न पालें, व्यापार करने वाले जातको को कठिन समय से गुजरना होगा, अपने से वरिष्ठ जन का सहयोग मिलेगा।

तुला

आर्थिक रूप से महिने की शुरुआत अनुकूल होगी, खर्चे तो होंगे परंतु आय भी बढ़ेगी, नौकरी पेशा जातकों को अच्छा वातावरण मिलेगा, व्यवसायिक जातक विदेश व्यापार पर ध्यान देवें, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, भाई–बहिनों का हर क्षैत्र में सहयोग मिलेगा एवं लाभ भी होगा।

इस माह के पर्व/त्योहार

1 सितंबर	भाद्रपद शुक्ल नवमी	श्रीमद् भागवत सप्ताह प्रारंभ
2 सितंबर	भाद्रपद शुक्ल दशमी	तेजा दशमी / बाबा रामदेव जयंती
3 सितंबर	भाद्रपद शुक्ल एकादशी	जलझूलनी एकादशी
5 सितंबर	भाद्रपद शुक्ल ज्योदशी	शिक्षक दिवस / बारावफात
6 सितंबर	भाद्रपद शुक्ल चतुर्दशी	अनन्त भगवान की पूजा-व्रत / उद्यापन
7 सितंबर	भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा	भागवत सप्ताह पूर्ण / चन्द्रग्रहण
8 सितंबर	आश्विन कृष्ण प्रतिपदा	क्षमावाणी / प्रतिपदा श्राद्ध
11 सितंबर	आश्विन कृष्ण चतुर्थी	विनोबा भावे जयंती
14 सितंबर	आश्विन कृष्ण अष्टमी	हिंदी दिवस
15 सितंबर	आश्विन कृष्ण नवमी	विश्व लोकतंत्र दिवस
21 सितंबर	आश्विन कृष्ण अमावस्या	खंडग्रास सूर्यग्रहण (भारत में अदृश्य) / सर्वपितृ श्राद्ध
22 सितंबर	आश्विन शुक्ल प्रतिपदा	शारदीय नवरात्रि घट स्थापना / अग्रसेन जयंती
27 सितंबर	आश्विन शुक्ल पंचमी	विश्व पर्यटन दिवस
29 सितंबर	आश्विन शुक्ल सप्तमी	विश्व हृदय दिवस
30 सितंबर	आश्विन शुक्ल अष्टमी	दुर्गाष्टमी

वृश्चिक

माह के उत्तरार्द्ध में विशेष सावधानियां बरतें, कार्य क्षैत्र में भागदौड़ बढ़ेगी, नौकरी पेशा जातको को पद्दोन्नती मिल सकती है, वाणी संयम रखे, व्यवसायिक जातक यात्राओं से लाभ प्राप्त करेंगे, आर्थिक पक्ष श्रेष्ठ रहेगा, स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा।

धनु

पारिवारिक जीवन में समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। यात्रा योग बनेंगे, मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, किसी पारितोषिक से सम्मानित हो सकते है, आर्थिक रूप से अनुकूलता मिलेगी, स्वास्थ्य ठीक–ठाक रहेगा, हृदय रोग से ग्रसित जातक विशेष ध्यान रखें।

मकर

स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें, महिने का उत्तरार्द्ध अनुकूल रहेगा, नौकरी पेशा जातकों को अच्छी सफलता मिलेगी, किसी विशेषज्ञ के परामर्श बिना निवेश से बचें, व्यापार में उन्नती के योग बनेंगे, विदेश जाने की संभावनाएं बनेंगी, अचल सम्पत्ति में वृद्धि होगी, पारिवारिक जीवन श्रेष्ठ रहेगा।

कुम्भ

शारीरिक समस्याएं एवं चोट आघात आदि की संभावनएं रहेगी, वैवाहिक संबंधों में उतार–चढ़ाव रहेगा, महिने का उत्तरार्ध अपेक्षाकृत अनुकूल रहेगा, व्यापार में अच्छी सफलताएं मिलेगी, आर्थिक तौर पर यह माह औसत फलप्रद है, विद्यार्थी वर्ग के लिए भी संतोषप्रद रहेगा।

मीन

स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी, आर्थिक तौर पर उतार–चढ़ाव से भरा रहेगा, आमदनी अच्छी रहेगी तो खर्च भी अधिक होगा, महिने का पूर्वार्द्ध कमजोर रहेगा, नौकरी पेशा जातकों को कार्य की प्रशंसा मिलेगी, व्यापार पक्ष औसत रहेगा, वाहन चालन में सावधानी रखें।

'जीने की राह' स्तंभ में राजवीर का आलेख 'भागती जिंदगी में ठहराव की तलाश' अच्छा लगा। निश्चय ही व्यक्ति की व्यस्तताओं और धनोपार्जन की होड़ में संवेदनाए खत्म हो रही हैं, रिश्ते दरक रहे हैं और खुद व्यक्ति तनाव में रहकर खुद को खत्म करने पर आमदा हुआ जा रहा है। कहीं तो विश्राम हो, कहीं तो अपनों के बीच सुख–दुःख की बात हो।

कुमुद गहलोत,
डायरेक्टर,
केपीएम मोटर्स

प्रत्यूष के अगस्त–25 अंक में प्रभात कुमार के आलेख में राजनैतिक दलों को मिलने वाले चंदे की सारगर्भित चर्चा हुई है। उनका यह कहना बिल्कुल सही है कि राजनैतिक दलों को मिलने वाले चंदे का संपूर्ण विवरण पारदर्शिता की दृष्टि से सार्वजनिक किया जाना चाहिए। यह तो पता लगे कि किसने–किसको कितना दिया। आलेख में कहा गया है कि राष्ट्रीय राजनैतिक दलों को पिछले वर्षों में अज्ञात स्त्रोतों से हजारों करोड़ का चंदा मिला। इस मामले में पारदर्शिता से सिस्टम में भी साफ–सुथरापन आएगा। चुनावों में प्रलोभन की राजनीति भी हतोत्साहित होगी।

दीपक धाबाई, *उद्योगपति*

रोहित शर्मा और विराट कोहली ऐसे क्रिकेट स्टार हैं, जिनकी चमक कभी फीकी हो ही नहीं सकती। हालांकि इन्होंने टेस्ट और टी–20 मैच से अपने को अलग कर लिया है लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि उनके बल्ले की धार भोतंरी हो चुकी है, दरअसल एक सीमा तक आकर ठहरना ही पड़ता है। वनडे के पिच पर इनका जलवा बरकरार रहेगा। अभिजय शर्मा का विश्लेषण सटीक रहा। इंग्लैण्ड में 5 टेस्टों की सिरीज भारत ने बराबरी पर खत्म की। शुभमन गिल ने बतौर कप्तान अतुलनीय भूमिका निभाई। वे अन्य प्रारूपों में भी कप्तानी के दावेदार बन गए हैं।

ऋतुराजसिंह, *महाप्रबंधक,*
अपेक्स हॉस्पिटल

प्रत्यूष का अगस्त अंक मिला। नियमित रूप से हर माह की 2 से 5 तारीख के बीच यह मिल जाता है। इसमें युवाओं से लेकर बुजुर्गों और महिलाओं से लेकर बच्चों तक पढ़ने की सामग्री होती है, वह भी ज्ञान से भरपूर। इस अंक में रक्षा बंधन, पर्युषण, दशलक्षण पर्व, श्री कृष्ण जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी, यात्रा संस्मरण सहित कृत्रिम मेघा, राजनीति, महापुरुषों आदि पर भी अच्छी पठनीय सामग्री थी। बधाई।

आशीष जैन, *उद्योगपति*

हार्दिक श्रद्धांजलि

हमारे पूजनीय

श्री कन्हैयालाल जी टाक

(सुपुत्र स्व. श्री पूनमचंद जी टाक) का देवलोकगमन दिनांक 22.07.2025 को हो गया। हम सभी परिवाजन अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

निवास स्थानः 127-नंदन वाटिका, विवेक पार्क के पास, सेक्टर 3

श्रद्धावनत

श्रीमती सत्यभामा (**पत्नी**), श्री भूरालाल, श्री शांतिलाल, स्व. श्री रमेशचन्द्र, श्री रामचन्द्र टाक (**भ्राता**),
चंद्रप्रकाश–मीना टाक, रविकांत–रेखा टाक (पुत्र–पुत्रवधु),
मनोहर, नेमीचंद, नथमल, राजेन्द्र, अश्विन, राकेश (**भतीजे**), निमाज, स्व. श्रीमती सुगनदेवी–श्री गोपीलाल जी,
श्रीमती दुर्गा देवी–श्री नंदलाल जी, श्रीमती पुष्पादेवी–स्व. बालकृष्णाजी (**बहन–बहनोई**),
श्रीमती अरुणा–श्री अनिल जी (**पुत्री–दामाद**), हर्षनंदन–विधि (**पौत्र–पौत्रवधु**), वंदनराज (**पौत्र**),
डॉ. मृदुला–डॉ. अनिरुद्धजी, किर्ती–श्री आशीष जी, शुभांगी–श्री निशांतजी (**पौत्री–पौत्रीदामाद**),
अनमोल (**दोहिता**), श्वेता–श्री अंकितजी (**दोहिती–दोहिती दामाद**) एवं **समस्त परिवार**

फर्म **हंसा पैलेस आर्ट फर्नीचर्स प्राइवेट लिमिटेड,** हिरणमगरी, उदयपुर
हंसा उद्योग-क्लब फोक्स, टाउन हॉल रोड, उदयपुर
Mobile: 9829041344, 9549057101

प्रत्यूष समाचार

पीएम श्री विद्यालय को गीतांजलि ग्रुप की बड़ी सौगात

गंगापुर। पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गंगापुर में गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल ग्रुप उदयपुर के चेयरमैन जेपी अग्रवाल द्वारा एक करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाली उच्च तकनीकी युक्त विज्ञान प्रयोगशाला एवं कंप्यूटर लैब के निर्माण का शिलान्यास किया गया। एनसीसी कैडेट ने अग्रवाल का स्वागत किया। इस अवसर पर अग्रवाल ने बालकों को जीवन में नई ऊंचाइयां प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। उद्बोधन के

दौरान भावुक अग्रवाल ने अपने विद्यालय जीवन को याद किया और बताया कि इसी विद्यालय में उनका बचपन गुजरा। उन्होंने विद्यालय को अपनी मां के समान बताया और कहा कि मैं हमेशा इस विद्यलाय के विकास के लिए तत्पर रहूंगा। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष दिनेश चंद्र तेली, नगर कांग्रेस अध्यक्ष धीरज चंदेल, पालिका के पूर्व उपाध्यक्ष लखन काकाणी, पार्षद दिनेश श्रोत्रिय, ओमप्रकाश अग्रवाल, हजारीमल डाबी, गीतांजलि ग्रुप डायरेक्टर पीके जैन, सुरेश चंद्र उपाध्याय, बलराम अग्रवाल, भैरू लाल अग्रवाल, एडवोकेट पर्वत सिंह चुंडावत भी उपस्थित थे।

पहली रोबोटिक पार्टियल नी रिप्लेसमेंट सर्जरी

उदयपुर। पारस हेल्थ उदयपुर ने दक्षिण राजस्थान की पहली रोबोटिक पार्टियल (यूनिकॉन्डायलर) नी रिप्लेसमेंट सर्जरी करके एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यह सर्जरी मेरिल के पूरी तरह ऑटोमैटिक सीयूवीआईएस नेविगेशन सिस्टम रोबोटिक आर्म की मदद से पारस हेल्थ उदयपुर के ऑर्थोपेडिक एक्सपर्ट डॉ. आशीष सिंघल द्वारा की गई। यह सफलता जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी में एक बड़ी प्रगति है। इससे तेज़ रिकवरी होती और बेहतर रिज़ल्ट मिलता है। 70 साल के मरीज की सर्जरी और रिकवरी शानदार रही। सर्जरी के सिर्फ 2-3 घंटे बाद ही वे खुद चलने, टॉयलेट जाने और सीढ़ियां भी चढ़ने लगे। अगले दिन ही उन्हें हॉस्पिटल से छुट्टी मिल गई और सिर्फ सामान्य दर्द की दवाइयों की जरूरत पड़ी। दर्द भी उन्हें बहुत कम था। डॉ. आशीष सिंघल ने बताया जिन मरीजों को घुटने के सिर्फ एक हिस्से में अर्थरायटिस होता है, उनके लिए यह सिर्फ नई तकनीक नहीं बल्कि इलाज का एक बेहतर तरीका है।

वियतनाम में गुरुनानक स्कूल की शिक्षिका पुरस्कृत

उदयपुर। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की ओर से वियतनाम में भारत संस्कृति यात्रा के 555वें संगीत समारोह का आयोजन हुआ। समारोह

में गुरुनानक स्कूल सेक्टर-4 की शिक्षिका सीमा पाल ने सेमी क्लासिकल डांस के वरिष्ठ वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि पर उन्हें विद्यालय में सम्मानित किया गया। प्रबंधन समिति के सचिव अमरपाल सिंह पाहवा और अध्यक्ष चिरंजीव सिंह ग्रेवाल ने शिक्षिका को शुभकामनाएं दी।

सेंट्रल एकेडमी का स्थापना दिवस

उदयपुर। सेंट्रल एकेडमी सीनियर सेकंडरी स्कूल, हिरण मगरी सेक्टर 5 में 40वां स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई। मुख्य अतिथि सेंट्रल एकेडमी ग्रुप्स ऑफ स्कूल्स की निदेशिका लक्ष्यजया मिश्रा रहीं। विशिष्ट अतिथि प्रशासक शिवांगम वत्स थे। अन्य अतिथियों में सेंट्रल एकेडमी सेक्टर 3 शाखा के प्राचार्य हनुमान प्रसाद, सरदारपुरा शाखा की प्राचार्या ध्रुवा पाठक, अंबामाता शाखा की प्राचार्य अर्पिता सुखवाल, पैरेंट्स प्राइड सरदारपुरा की इंचार्ज कीर्ति जैन और हिरण मगरी सेक्टर 5 की इंचार्ज शिखा गर्ग शामिल रहीं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार दिए गए।

नीरजा मोदी स्कूल के छात्र का सेंट स्टीफंस में दाखिला

उदयपुर। सोजतिया ग्रुप द्वारा संचालित नीरजा मोदी स्कूल के कक्षा 12वीं के प्रथम बैच के टॉपर नव्य शर्मा ने दिल्ली के

प्रतिष्ठित सेंट स्टीफंस कॉलेज में प्रवेश प्राप्त किया है। इस मेधावी छात्र ने सीबीएसई कक्षा 12वीं की परीक्षा में 97.2 प्रतिशत प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया। इन्हें दिल्ली यूनिवर्सिटी के सेंट स्टीफन कॉलेज में प्रवेश मिला है। विद्यालय के चेयरपर्सन डॉ महेंद्र सोजतिया व विद्यालय की निदेशिका साक्षी सोजतिया ने शुभकामनाएं दी।

दिवाकर मोटर्स में रेनो ट्राइबर की लांचिंग

उदयपुर। चारपहिया वाहन निर्माता रिनोल्ट कंपनी ने नई रेनो ट्राइबर को एक नए अवतार में दिवाकर मोटर्स उदयपुर पर लॉन्च किया। इस अवसर पर ज्ञानदेव विश्वकर्मा प्रदेशिक परिवहन अधिकारी, मुकेश परिवहन निरीक्षक, जितेन्द्र आर्य ने इसे ग्राहकों के लिये जारी किया। दिवाकर मोटर्स के निदेशक राजीव नामजोशी ने बताया कि नई ट्राइबर का डिजाइन पूरी तरह नया है और इसमें कई प्रीमियम बदलाव हैं, जो इसे और भी स्टाइलिश, आरामदायक, सुरक्षित बनाते हैं। इस नए मॉडल में 35 से अधिक फीचर्स जोड़े गए हैं। नई ट्राइबर ने 7 से अधिक वर्षों की इंजीनियरिंग रिसर्च, सैकड़ों किलोमीटर रोड टेस्टिंग और 350 से ज्यादा सिटी कंडीशन्स में परफॉर्मेंस टेस्ट पास किया है। यह भारतीय सड़कों के लिए पूरी तरह उपयुक्त है। नई ट्राइबर ग्राहकों को एक प्रीमियम, सुरक्षित और तकनीकी रूप से उन्नत ड्राइविंग अनुभव प्रदान करेगी।

जोधावत स्मृति पुस्तकालय का लोकार्पण

डीडवाना। पूर्व आइएएस देवीराम जोधावत की दूसरी पुण्यतिथि पर परबतसर तहसील के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भड़सिया में 'श्री डी आर जोधावत स्मृति पुस्तकालय' का लोकार्पण किया गया। मुख्य अतिथि सीता राम जाट निदेशक प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा राजस्थान एवं विशिष्ट अतिथि डिप्टी डायरेक्टर जनरल दूरदर्शन राजस्थान, सतीश देपाल थे। आयुक्त संस्कृत शिक्षा, राजस्थान प्रियंका जोधावत, उपखंड अधिकारी, राजकुमार टाड़ा परबतसर, जिला शिक्षा अधिकारी अजीत सिंह देथा, डॉ सुरेंद्रपाल वर्मा, कविता जसोलिया, प्रो एन आर देवल, राजाराम भाम्बू,भंवरलाल डारा,राजेंद्र गेना, बहादुर सिंह, कृपाल सिंह, रेखा, नीलम, आरूषि जोधावत, देवांशु, वैदिक एवं आस पास गांव के सरपंच, अध्यापक, शिक्षार्थी एवं ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। जोधावत के पुत्र रवीन्द्र जोधावत ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन डॉ डी पी शर्मा, डॉ शशि देपाल और डॉ सीमा जोधावत वर्मा द्वारा संयुक्त रूप से किया।

कलांगन से प्रभावित हुई हेमामालिनी

उदयपुर। सांसद एवं बॉलीवुड अभिनेत्री हेमा मालिनी गत दिनों उदयपुर आई। वे यहां कला संरक्षण के प्रख्यात संस्थान टखमण को देख मंत्रमुग्ध हो गई। टखमण के चेयरमैन प्रो. सुरेश शर्मा ने बताया कि हेमामालिनी का संस्थान के सदस्यों ने भव्य स्वागत किया। सचिव संदीप पालीवाल ने उन्हें टखमण-28 के कार्यों की जानकारी देते हुए आर्ट गैलरी का अवलोकन करवाया। हेमा मालिनी ने कहा कि इस तरह की संस्थाएं हर शहर में होनी चाहिए, जो कला एवं कलाकारों को प्रोत्सोहित करती हैं। उन्होंने इस तरह की गैलरी मथुरा में भी बनवाने की बात कही। इसके बाद उन्होंने टखमण-28 के आर्ट स्टूडियो (सिरामिक, ग्रफिक, एवं स्कल्पचर) एवं आर्ट रेजीडेंसी का अवलोकन तथा ललित शर्मा की एकल चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

सुथार पुनः फोर्टी प्रदेश चेयरमैन

उदयपुर। फैडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेड एंड इंडस्ट्री (फोर्टी) की ओर से प्रवीण सुथार को फिर से फोर्टी प्रदेश ब्रांच चेयरमैन की जिम्मेदारी सौंपी गई। उन्हें अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल ने नियुक्ति पत्र सौंपा। उनका कार्यकाल 2025-28 तक होगा।

पत्रकार सम्मान समारोह

राजसमंद। सूचना केंद्र में 23 जुलाई को संभाग स्तरीय पत्रकार सम्मान समारोह एवं 'परिवार' पत्रिका का विमोचन सम्पन्न हुआ। हमारा हिन्दुस्तान समाचार पत्र की ओर से आयोजित इस वृहद आयोजन में पाली, भीलवाड़ा, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, सलुंबर, प्रतापगढ़, बांसवाड़ा, डूंगरपुर व राजसमंद के पत्रकार शामिल हुए। मुख्य अतिथि जनजाति विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी थे। अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार 'प्रत्यूष' के प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी ने की। आरंभ में हमारा हिंदुस्तान के सम्पादक कमल झोटा व प्रबंध सम्पादिका रितु झोटा ने अतिथियों का स्वागत-अभिनंदन किया। मुख्य अतिथि खराड़ी ने कहा कि समाचार पत्रों और पत्रकारों पर लोकतंत्र को मज़बूत बनाने का बड़ा दायित्व है। वे सरकार और समाज के बीच सेतु हैं। अध्यक्षता कर रहे विष्णु शर्मा हितैषी ने कहा कि पत्रकारिता व्यवसाय नहीं मिशन है। कार्यक्रम को भंवर चौधरी, नारायण सेन, अरविंद मुखिया ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम में शंभुसिंह मधु, शिव नारायण डाबी सहित वरिष्ठ पत्रकारों को सम्मानित किया गया। जिला सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी प्रवेश पारदर्शी ने मंत्री व अतिथियों को जनसम्पर्क निदेशालय द्वारा प्रकाशित 'सुजस' पत्रिका भेंट की। इस अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत सूचना केंद्र परिसर में अतिथियों ने पौधे भी लगाए।

कार्यकारिणी का गठन

उदयपुर अग्रवाल महासभा की बैठक महासभा के प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई। इसमें उदयपुर जिला अग्रवाल महासभा का गठन किया गया। जिसकी नई कार्यकारिणी में जिला अध्यक्ष सतीश चंद्र अग्रवाल, महामंत्री नरेश कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष विकास अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनवारी लाल अग्रवाल एवं अरविंद अग्रवाल मनोनीत किए गए। साथ ही कार्यकारिणी में 21 अग्र बंधुओं को शामिल किया गया। बैठक में लश्करी पंचायत के पूर्व अध्यक्ष सत्यनारायण अग्रवाल एवं प्रवासी अग्रवाल समाज के पूर्व अध्यक्ष खेमचंद अग्रवाल भी मौजूद थे। संचालन नरेश अग्रवाल ने किया।

सात पदक विजेता विधि का सम्मान

उदयपुर। सनाढ्य समाज साहित्य मण्डल ने कोटा में आयोजित राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में एक कीर्तिमान बनाने के साथ दो स्वर्ण समेत सात पदक जीतने पर विधि सनाढ्य पुत्री मनोज- सावन सनाढ्य को सनाढ्य समाज की ओर से सम्मानित किया गया। ब्राह्मण अन्तरराष्ट्रीय संगठन के संभागीय अध्यक्ष डॉ. अनिल शर्मा, मण्डल अध्यक्ष अम्बालाल सनाढ्य, राजेन्द्र प्रसाद सनाढ्य आदि उपस्थित थे।

एनएसयूआईः चिराग शहर व जीतेश देहात अध्यक्ष

उदयपुर। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के शहर जिलाध्यक्ष पद पर चिराग चौधरी व देहात जिलाध्यक्ष पद पर जीतेश खटीक की नियुक्ति की गई है। चौधरी सुविवि के संघटक साइंस कॉलेज और खटीक आर्ट्स कॉलेज के छात्रसंघ अध्यक्ष रह चुके हैं।

आरसीए एडहॉक कमेटी ने देखा मिराज स्पोर्ट्स स्टेडियम

उदयपुर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन एडहॉक कमेटी के संयोजक डीडी कुमावत और सदस्यों ने नाथद्वारा स्थित मदन पालीवाल मिराज स्पोर्ट्स स्टेडियम देखा। उन्होंने स्टेडियम और वहाँ की व्यवस्थाओं पर खुशी जाहिर की।

मिराज समूह के लक्ष्मण दीवान, मयंक पाठक, सुरेश साहू, विनोदकुमार ने टीम को स्टेडियम की संपूर्ण सुविधाओं, व्यवस्थाओं से अवगत कराया। इस निरीक्षण से आगामी दिनों में स्टेडियम में होने वाले राष्ट्रीय मैचों की संभावनाओं को बल मिला है।

यहाँ आईपीएल और रणजी के मैच हो सकते हैं। इसकी दर्शक क्षमता 34000 से ज्यादा है। खेल की दुनिया में नाथद्वारा का मिराज स्पोर्ट्स सेंटर नया इतिहास रचेगा।

संभागीय वेट लिफ्टिंग स्पर्धाओं में उदयपुर को 24 पदक

उदयपुर। जिला वेट लिफ्टिंग संघ की ओर से लवकुश इंडोर स्टेडियम सेंटर पर खेलो इंडिया अश्मिता वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिता हुई। संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में उदयपुर के खिलाड़ियों ने आठ भार वर्ग में भाग लेते हुए 24 पदकों पर कब्जा जमाया। अध्यक्ष राजकुमार खटवानी और सचिव कमलेश शर्मा ने बताया कि समापन समारोह में मुख्य अतिथि ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा थे। अध्यक्षता खेल अधिकारी महेश पालीवाल ने की। विशिष्ट अतिथि राजस्थान वेट लिफ्टिंग संघ के सचिव रवि शर्मा, जिला संघ के अध्यक्ष राजकुमार चम्पावत थे। प्रतियोगिता में 48 किलो में कोमल विश्नोई, 53 किलो में मुस्कान सोनी, 58 किलो में अपेक्षा पंवार, 63 किलो में अवनीसिंह, 69 में दीक्षा पंवार, 77 में दिव्यांशी, 86 में अंजलि शर्मा और 86 से अधिक में हर्षी बोलिया ने स्वर्ण पदक जीता।

द सक्सेज ग्रुप चेयरमैन यादव सम्मानित

उदयपुर। थाईलैंड में आयोजित बिजनेस टाइटन्स अवार्ड समारोह में द सक्सेज ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन के चेयरमैन दिलीप सिंह यादव को फास्टेस्ट ग्रोइंग एजुकेशन ग्रुप के खिताब से सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि अभिनेता बोमन ईरानी, गायिका व अभिनेत्री सोफी चौधरी थे। यादव को यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में उनके विशिष्ट एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया।

डोरू, सूर्यवीर व चंद्रपाल आरसीए की कमेटियों में नियुक्त

निखिल डोरू

सूर्यवीर

चंद्रपाल

उदयपुर। पिछले दिनों राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) की एडहॉक कमेटी के संयोजक दीनदयाल कुमावत द्वारा सभी वर्गों के लिए कोचिंग एवं सपोर्टिंग स्टाफ की नियुक्तियां की गई। जिनमें पूर्व रणजी खिलाड़ी निखिल डोरू को राजस्थान टीम के बल्लेबाजी कोच की जिम्मेदारी सौंपी गई हैं। डोरू राजस्थान के मुख्य कोच भी रह चुके हैं। सूर्यवीर सिंह बोहेड़ा को राजस्थान सीनियर चयन कमेटी (पुरुष) का चयनकर्त्ता नियुक्त किया गया। पूर्व रणजी ट्राफी खिलाड़ी चंद्रपाल सिंह को राजस्थान (सीनियर) रणजी ट्राफी टीम के फील्डिंग कोच की जिम्मेदारी दी गई है। यह राजस्थान के एक मात्र ऐसे कोच हैं, जिन्होंने लेवल-2 के लिए भी क्वालिफाई किया है।

गोलछा ट्रस्ट स्थापना दिवस पर रक्तदान शिविर

उदयपुर। आर. गोलछा चैरिटेबल ट्रस्ट जयपुर की स्थानीय इकाई की ओर से 43वीं वर्षगांठ (स्थापना दिवस) एवं स्व. राजेंद्र कुमार गोलछा की पुण्यतिथि पर 19वां रक्तदान शिविर आयोजित हुआ। शिविर में 43 लोगों ने रक्तदान किया। मेसर्स एएसडी कंपनी प्रा.लि. के सहयोग से आयोजित शिविर की अध्यक्षता ओम प्रकाश सैनी ने की, जबकि मुख्य अतिथि दीपक चंद्र, विशिष्ट अतिथि शूरवीर सिंह बोहेड़ा और रुबी चंद्र रहे। शुभारंभ पवन शर्मा, मोहन पालीवाल व जाकिर हुसैन ने दीप प्रज्वलन व पुष्पांजलि के साथ किया। लोकमित्र ब्लड बैंक की टीम ने रक्त संग्रह किया। अतिथियों ने रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिह्न भेंट किए।

हिमांशी सम्मानित

उदयपुर। आईएचसी लंदन और आईआईएचएम की ओर से आयोजित अंतरराष्ट्रीय आतिथ्य दिवस के अवसर पर होटल, दिवस रेस्टोरेंट एवं हॉस्पिटेलिटी ऑनर्स लिस्ट में बैकयार्ड पिज्जा को सम्मानित किया गया। आईटीसी होटल्स उदयपुर में आयोजित समारोह में संस्थापक हिमांशी मेहता और संचालक अभिनव मेहता को आईआईएचएम के डॉ. सुबोर्नो बोस और प्रो. डेविड फॉस्केट ने सम्मानित किया।

डॉ. सिंह को एआई में शत-प्रतिशत अंक हासिल

उदयपुर। लेकसिटी के अर्थ ग्रुप के सीईओ, तीन वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर और इंटरनेशनल ट्रेनर डॉ. अरविंदर सिंह ने अमेरिका की प्रतिष्ठित पड्र्यू यूनिवर्सिटी से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के एक वर्षीय ट्रेनिंग प्रोग्राम में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। पड्र्यू यूनिवर्सिटी, विश्व की टॉप 100 यूनिवर्सिटीज में शामिल है जो टेक्नोलॉजी और साइंस के क्षेत्र में अपनी गुणवत्ता के लिए प्रसिद्ध है।

गुरु नानक पब्लिक स्कूल कार्यकारिणी गठित

उदयपुर। गुरु नानक पब्लिक स्कूल सभा उदयपुर की कार्यकारिणी के चुनाव में अध्यक्ष पद पर चिरंजीव सिंह ग्रेवाल व सचिव पद पर अमरपाल सिंह पाहवा निर्वाचित हुए। नव निर्वाचित पदाधिकारियों ने सभी का आभार व्यक्त किया और आने वाले समय में संस्था को प्रगति के पथ पर बढ़ाने का संकल्प लिया।

पण्डियार अध्यक्ष व नैणावा महामंत्री निर्वाचित

उदयपुर। श्री तैलिक साहू समाज पंचमहासभा सेवा समिति के आम चुनाव में समाजजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। चुनाव अधिकारी एडवोकेट किशनलाल दया ने बताया कि 1070 में से 857 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। चुनाव के उपरांत हुई मतगणना में अध्यक्ष एडवोकेट हेमेन्द्र पण्डियार, उपाध्यक्ष नारायण चंद्र साहू, महामंत्री कन्हैयालाल नैणावा, उपमंत्री पुष्कर दशोरा, कोषाध्यक्ष भरत पंचलोड़िया ने ऐतिहासिक विजय प्राप्त की।

डॉ. मेनारिया प्रदेश महासचिव नियुक्त

उदयपुर। आईएनओ की राजस्थान प्रदेश इकाई का तीन वर्ष की अवधि के लिए पुनर्गठन किया गया है। कार्यकारिणी में उदयपुर के योगाचार्य डॉ. विक्रम मेनारिया को राजस्थान का प्रदेश महासचिव व देवाराम काकड़ को प्रदेश संयोजक नियुक्त किया गया है। वरिष्ठ योगाचार्य ढाकाराम को राजस्थान चैप्टर का प्रदेश अध्यक्ष बनाया है।

विकास को पीएचडी की उपाधि

उदयपुर। जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ द्वारा कम्प्यूटर विज्ञान संकाय में विकास डांगी को एआई-संचालित साइबर सुरक्षा: साइबर खतरे की पहचान एवं प्रतिकूल हमलों से सुरक्षा हेतु मशीन लर्निंग आधारित दृष्टिकोण विषय पर शोध कार्य करने पर पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। डॉ. विकास डांगी ने अपना शोध कार्य डॉ. भारत सुखवाल के निर्देशन में किया।

रक्तदान में बनाया रिकॉर्ड

उदयपुर। रक्तदान महादान चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से गुरुद्वारा सचखंड दरबार में आयोजित रक्तदान शिविर में 178 लोगों ने रक्तदान किया। मुख्य अतिथि मांगीलाल जोशी ने शिविर का उद्घाटन किया। समाजसेवी कप्पू ने अपने जन्मदिन पर 105वीं बार रक्तदान किया। शिविर में आरएनटी मेडिकल कॉलेज ब्लड बैंक और गीतांजलि हॉस्पिटल की टीमें मौजूद रहीं। ट्रस्ट के सचिव आयुष अरोड़ा ने बताया कि महिलाओं की भागीदारी भी सराहनीय रही। चंद्रभान सिंह शक्तावत, महावीर शर्मा, धर्मवीर सिंह सलूजा, देवीलाल जाट, स्वीटी छाबड़ा, पारस सिंघवी, मनीष शर्मा आदि उपस्थित रहे।

प्रसव में नई तकनीक से उपचार पर चर्चा

उदयपुर। गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की ओर से मेवाड़ क्षेत्र की पहली राष्ट्रीय कार्यशाला हुई। शुभारंभ पर मुख्य अतिथियों में एफओजीएसआइ की पश्चिम क्षेत्र उपाध्यक्ष डॉ. कोमल चव्हाण, गीतांजलि मेडिकल कॉलेज की डीन - डॉ. संगीता गुप्ता, यूओजीएस सचिव डॉ. प्रदीप बंदवाल, जीआइएमएसआर जयपुर की विभागाध्यक्ष डॉ. लीला व्यास, कार्यशाला की अध्यक्ष डॉ. मधुबाला चौहान, सह-अध्यक्ष डॉ. अंजना वर्मा तथा वैज्ञानिक समिति की अध्यक्ष डॉ. नलिनी शर्मा रहीं। मुख्य अतिथि संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी रहीं। डॉ. अंजना वर्मा ने धन्यवाद दिया।

बसंत त्रिपाठी को 'फॉस्टर गौरव सम्मान'

मावली। शिक्षाविद-साहित्यकार बसंत कुमार त्रिपाठी को गत दिनों नेशनल यूथ पार्लियामेंट : फॉस्टर पर्यावरण सोसायटी एवं कल्याणेश्वरी ट्रस्ट द्वारा आयोजित समारोह में 'राष्ट्रीय फॉस्टर गौरव' सम्मान दिया गया। मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट कुलदीप शर्मा थे। अध्यक्षता डॉ. लक्ष्मी नारायण आमेटा ने की। इस अवसर पर समन्वयक डॉ. ललित नारायण आमेटा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

रूणेचाधाम तक पदयात्रा

गोगुन्दा। मेघवाल समाज नवयुवक मंडल के 15 सदस्यीय दल ने गत दिनों रूणेचा धाम की 400 किलोमीटर की पद यात्रा कर बाबा रामदेव मंदिर में 7 फिट ऊंचा और 35 किलो वजन का कपड़े का बहुरंगी अश्व भेंट किया। प्रतीकात्मक अश्व को कंधे पर उठाए आस्था और संकल्प की यह पदयात्रा करीब 20 दिन में पूर्ण हुई। इस यात्रा में विकास, रोहित, विनोद, मुकेश, जगदीश, मदन, मुकेश, प्रकाश, अमृत, किशन, भावेश, राकेश, देवेन्द्र, खेमराज, पृथ्वीराज व लक्ष्मण मेघवाल शामिल थे।

मोहम्मद रफी को श्रद्धांजलि

उदयपुर। सुप्रसिद्ध फिल्म-पार्श्वगायक मोहम्मद रफी की पुण्यतिथि पर गत दिनों देवेंद्रगढ़ रिसोर्ट में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में फिल्मों और हिंदी-उर्दू साहित्य उनके योगदान को याद किया गया। इस अवसर सूक्ष्मकृतिकार चंद्रप्रकाश चित्तौड़ा द्वारा निर्मित उनके जीवन पर आधारित सूक्ष्म पुस्तिका का विमोचन वरिष्ठ अधिवक्ता एवं गज़लगायक डॉ. देवेन्द्र सिंह हिरन ने किया। इस अवसर पर फैडरेशन ऑफ एनजीओ के प्रदेश महासचिव कुंवर विजय सिंह कच्छावा एवं विधि सोनी सहित रफी साहब के फैन्स मौजूद थे।

21 विशिष्ट श्रेणियों में 201 सम्मानित

उदयपुर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा मेवाड़ की ओर क्षत्रिय प्रतिभा सम्मान समारोह गत दिनों नगर निगम सभागार में सुदर्शनाचार्य महाराज के सान्निध्य में हुआ। मुख्य अतिथि पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि महाराणा प्रताप हम सभी के लिए प्रेरणादायी हैं। युवा प्रतिभाओं को अपने लक्ष्य के प्रति प्रताप की तरह अटल रहना चाहिए। उन्होंने समाजजनों से सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखते हुए सबका साथ सबका विकास को ध्येय बनाने की नसीहत दी। पूर्व विधायक प्रीति शक्तावत और अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेन्द्र सिंह तंवर विशेष अतिथि के रूप में मंचासीन रहे। समारोह में समाज के उन उत्कृष्ट पुरुषों और महिलाओं को 21 विशिष्ट श्रेणियों में सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने विचारों, कर्मों, नेतृत्व, सेवा व संघर्ष के माध्यम से मेवाड़, क्षत्रिय समाज एवं भारतवर्ष को गौरवान्वित

किया है। विशेष रूप से उन वीरों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने राष्ट्र, संस्कृति, समाज और सेवा के क्षेत्र में अत्यंत साहसिक और अनुकरणीय कार्य किए। कार्यक्रम का संचालन रणवीर सिंह जोलवास ने किया। समारोह में संभाग अध्यक्ष शक्ति सिंह चौहान, संगीता कंवर कोठारिया, मार्गदर्शक इंद्र सिंह जोलावास, महिला कार्यकारिणी जिलाध्यक्ष ज्योत्सना झाला, साहित्य सचिव महिपाल सिंह झाला, वित्त सचिव देवेंद्र सिंह लूणदा, उपमंत्री भानू प्रताप सिंह थाणा आदि मौजूद थे।

हेल्थ डेस्क का शुभारंभ

उदयपुर। सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुलभ बनाने की दिशा में एक अहम पहल करते हुए सैलस मेडिकेयर प्रा. लि. और नेक्सस सेलेब्रेशन मॉल के संयुक्त सहयोग से मॉल के भूतल पर एक हेल्थ डेस्क का शुभारंभ मुख्य अतिथि इंडियन मेडिकल एसोसिएशन उदयपुर के अध्यक्ष डॉ. आनंद गुप्ता ने किया। समाजसेवी भंवर सेठ भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित त रहे। डॉ. आनंद गुप्ता ने कहा शॉपिंग मॉल जैसे सार्वजनिक स्थानों पर प्राथमिक चिकित्सा सुविधा अत्यंत आवश्यक है, जिससे किसी भी आपात स्थिति में पीड़ित को त्वरित उपचार मिल सके। भंवर सेठ ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सैलस मेडिकेयर द्वारा उठाया गया यह कदम न केवल समय की मांग है, बल्कि यह समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी और सेवा भावना को भी दर्शाता है। सैलस मेडिकेयर प्रा.लि. के निदेशक डॉ. हनवंत सिंह राठौड़ ने बताया कि यह हेल्थ डेस्क प्रशिक्षित चिकित्सा स्टाफ द्वारा संचालित की जाएगी और न केवल इमरजेंसी में बल्कि सामान्य स्वास्थ्य सलाह और सहायता के लिए भी सुलभ रहेगी।

आईवीएफ से 4 संतानों को दिया जन्म

उदयपुर। चेतक सर्किल स्थित अमर आशीष हॉस्पिटल एंड आईवीएफ सेंटर में मावली निवासी हिम्मतसिंह राठौड़ दम्पत्ति को 20 वर्षों बाद संतान सुख मिला है। उन्हें एक-दो नहीं बल्कि आईवीएफ से चार संतान का सुख मिला है। हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. अनंत सक्सेना ने बताया कि इस दम्पत्ति ने डॉ. नीना सक्सेना से सम्पर्क कर आईवीएफ का इलाज करवाया और इन्हें 2 बेटे व 2 बेटियों का सुख प्राप्त हुआ है। यह हॉस्पिटल वर्ष 2007 से चिकित्सा क्षेत्र में कार्यरत है। इसमें अत्याधुनिक तकनीक से आईवीएफ, आईयूआई एंड्रोलॉजी, लेप्रोस्कोपी, हाईरिस्क प्रेंगनेंसी और सामान्य स्त्री रोगों का संपूर्ण समाधान दिया जाता है। 30 वर्षों का आईवीएफ क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वाली डॉ. नीना सक्सेना ने हजारों सफल नि:संतान दंपत्तियों के जीवन में आशा और मुस्कान लौटाई है।

बोहरा प्रदेश कांग्रेस के कोषाध्यक्ष बने

जयपुर। प्रदेश कांग्रेस में कोषाध्यक्ष के रूप में विधायक रोहित बोहरा की नियुक्ति की गई है। इस संबंध में एआईसीसी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने आदेश जारी किए। पूर्व कोषाध्यक्ष सीताराम अग्रवाल ने विधानसभा चुनाव में हार के बाद दिसंबर 2023 में इस्तीफा दे दिया था। उसके बाद वे मई 2024 में भाजपा में शामिल हो गए। तब से इस पद पर किसी को नियुक्त नहीं किया गया था।

सेंट एंथनीज के स्टूडेंट ने बैडमिंटन और स्केटिंग में जीते गोल्ड

उदयपुर। सेंट एंथनीज स्कूल के खिलाड़ियों ने सीबीएसई जोनल खेलों में शानदार प्रदर्शन किया। स्केटिंग ओर बैडमिंटन में गोल्ड जीतकर स्कूल का नाम रोशन किया। भविष्य आहारी और एडोन जोन शिबू ने रोड रेस में स्वर्ण व नीतिका गुर्जर ने कांस्य जीता। बैडमिंटन में अंडर-17 गर्ल्स टीम ने भी गोल्ड मेडल जीता। पर्निका, निराली, काव्या और अन्वेषा की जोड़ी ने फाइनल में बाजी मारी। सभी खिलाड़ियों का चयन नेशनल टूर्नामेंट के लिए हुआ। प्रिंसिपल और प्रबंधन ने बधाई दी।

संवेदना/श्रद्धांजलि

उदयपुर। श्रीमती झोमली देवी धर्म पत्नी स्व. श्री हामजी अहारी का 22 जुलाई को गडावत (बिलख) तहसील ऋषभदेव में स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोक सन्तप्त पुत्र गौतमलाल मीणा, पौत्र प्रवीण व विपिन सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। खरका निवासी स्व. हरदेव जी नागदा की धर्मपत्नी श्रीमती कुरी बाई का 24 जुलाई को देवलोकगमन हो गया। वे अपने पीछे पुत्र भंवरलाल (पूर्व सरपरंच), रमेश, कैलाश व ललित नागदा, पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री हरिशरण जी मित्तल का 21 जुलाई को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक सन्तप्त धर्मपत्नी श्रीमती शशि मित्तल, पुत्री-दामाद डॉ. अंजना-डॉ. ललित गुप्ता, डॉ. वंदना-डॉ. सुमित सिंघल एवं दोहित्र-दोहित्रियों का सम्पन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। प्रमुख व्यवसाई एवं समाजसेवी श्री अशोक जी पाहुजा का 2 अगस्त को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल धर्मपत्नी श्रीमती कोमल, पुत्री-दामाद सोनिया-दीपक गुरनानी, दोहित्र विवान-व रिहान एवं भाई-भतीजों का सम्पन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती सुरेन्द्र सिंघवी धर्मपत्नी स्व. मनोहर लाल जी सिंघवी का 20 जुलाई को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्री दीप्ति, दोहित्र नील, दोहित्री दिविशा सहित भाई-भतीजों का वृहद व समृद्ध परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्रीमती उमारानी जी मित्तल का 22 जुलाई को नई दिल्ली में आकस्मिक स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पुत्र डॉ. असित मित्तल, पौत्र अक्षत, पौत्री श्रीमती अनुक्षी सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री वेदांत जी श्रीमाली का आकस्मिक निधन 14 जुलाई को हो गया। वे अपने पीछे शोक सन्तप्त धर्मपत्नी श्रीमती सुरभि, दादी कमलादेवी जी, माता-पिता तरूणा देवी जी - रमेश चंद्र जी व भाई-भतीजों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती प्रेमदेवी जी मारू (धर्म सहायिका स्व. पृथ्वीराज जी) का 18 जुलाई को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र प्रकाश, सुरेश, रमेश, हरीश व अनिल मारू सहित पौत्र-पौत्रियों, देवर-देवरानियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री दिलीप जी बापना का 18 जुलाई को आकस्मिक निधन हो गया। वे अपने पीछे शोकसन्तप्त माता श्रीमती भंवर देवी जी, भाई भानु बापना व तरूण बापना, बहिन श्रीमती भावना खोड़पिया, चाचा-चाची व भाणेज-भतीजों का सम्पन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। स्व. सत्येंद्र प्रकाश जी शर्मा (बाबू भाई) की धर्मपत्नी श्रीमती ऊषा जी शर्मा का 18 जुलाई को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र दीपक शर्मा, पुत्री श्रीमती अनु देवी, पौत्र-पौत्री, दोहित्र-पड़दोहित्र सहित सम्पन्न परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्रीमती निर्मला व्यास धर्मपत्नी स्व. श्री कृष्ण वल्लभ जी व्यास का 24 जुलाई को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र श्याम सुन्दर, रविदत्त, देवेन्द्र, योगेश, रोहित, किरण, मुकुल, जितेन्द्र व पुत्री श्रीमती ममता सहित पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता, समाजसेवी श्री दलपत जी सुराणा का 12 जुलाई को निधन हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती पूर्णकला देवी, पुत्र कपिल सुराणा पुत्रियां श्रीमती शिखा मोटावत, सुरभि करणपुरिया व पौत्र-पौत्री, दोहित्र-दोहित्रियों सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती सुमित्रा देवी बूब माहेश्वरी धर्मपत्नी स्व. श्री लक्ष्मी नारायण जी बूब का 16 जुलाई को देहावसान हो गया। वे अपने परिवार में शोकसन्तप्त सुनील, विष्णु कुमार, पुत्रवधू भगवती देवी (स्व. सोहन जी), पुत्रियां श्रीमती ललिता जागेटिया, करूणा मंत्री व गायत्री पोरवाल, पौत्र-पौत्रियों व दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्रीमती ललिता देवी जी कोठारी धर्मपत्नी श्री अभयराज जी कोठारी का 1 जुलाई को स्वर्गवास हो गया। वे 70 वर्ष की थी। वे अपने पीछे शोक सन्तप्त पति, पुत्र हेमंत, ऋषि, पुत्री श्रीमती सारिका गिरिया, पौत्र-पौत्री, दोहित्र-दोहित्री व देवर-जेठ का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। डॉ. सुरेश चंद्र जी आमेटा का स्वर्गवास 14 जुलाई को हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र डॉ. रोहित, डॉ. रजत व डॉ. रक्षित, पौत्र-पौत्रियों, भाई-भतीजों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। लखावली (दियों का बाड़ा) निवासी श्री नारायण लाल जी नागदा (91) का 22 जुलाई को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे पुत्र पूर्णाशंकर, चुन्नीलाल, पुत्रियां श्रीमती प्यारी बाई, मनोहर बाई, वरदी बाई सहित पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों एवं भाई हीरालाल व भतीजा-भतीजियों का सम्पन्न परिवार छोड़ गए हैं। उनकी पत्नी सवा बाई का 7 माह पूर्व ही देहावसान हुआ था।

उदयपुर। श्री मधुसूदन जी भट्ट का 24 जुलाई को निधन हो गया। वे अपने पीछे शोक सन्तप्त पुत्र शरद भट्ट, पुत्रियां श्रीमती प्रियम्वदा व निशा तथा भाई-भतीजों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

CHUNDA PALACE

MAJESTIC INVITING TRANQUIL

JOYFUL MAGICAL POETIC

SUBLIME ETERNAL INSPIRING

MUCH MORE THAN A HOTEL

1 Haridas Ji Ki Magri, Main Road, Udaipur 313001, Rajasthan, India | Reservations: +91-294-2430251-252, 2430492 Facsimile: +91-294-2430889 | E-mail: info@chundapalace.com Website: www.chundapalace.com

SANGAM UNIVERSITY
where Aspiration meets Opportunity
ACCREDITED BY NAAC

संगम यूनिवर्सिटी भीलवाड़ा

Promoted by
Sangam Group Bhilwara

ENGINEERING
B.Tech | M.Tech
Polytechnic Diploma
BCA | MCA | PGDCA

APPLIED SCIENCE
B.Sc. | M.Sc.

MANAGEMENT
B.Com
BBA | MBA
MBA EXECUTIVE

RESEARCH
Ph.D

PHARMACY
Approved by Pharmacy Council of India
B.Pharma | D.Pharma

ARTS & HUMANITIES
BA | MA | MSW

AGRICULTURE
Approved by State Government.
B.Sc. (Agri.) Hons. (JET)

VOCATIONAL STUDIES
B. Voc. (Graphics)
PG Diploma
(Graphic/Digital Marketing)

HEALTH SCIENCE
B.Sc Nursing
GNM | BPT | DHA

LIBRARY SCIENCE
D.Lib | B.Lib | M.Lib

LEGAL STUDIES
Approved by BAR Council of India
BA LLB | LLB | LLM

EDUCATION
Diploma | PG Diploma |
MA: Education Technology |
MA: Education

ADMISSION OPEN 2025-26
ENROLL NOW!

Scholarship
Available upto 100%
Merit | CUET | JEE

यूनिवर्सिटी ऑफिस
+91 78910 50000 NH-79, Bhilwara Chittor Bypass Bhilwara (Raj.)

सिटी आफिस भीलवाड़ा-1
+91 8233152670 Gol Pyau Chouraha, Bhilwara

सिटी आफिस भीलवाड़ा -2
+91 90010 97344 1st Floor, Above ICICI Bank, S.K. Plaza, Pur Road, Bhilwara (Raj.)

आंसीद सिटी आफिस
+91 90010 97343
Chungi Naka, HDFC Bank, Near Student Library, Asind (Raj.)

प्रतापगढ़ सिटी आफिस
+91 9352535522
Near Govt. PG College Pratapgarh

चित्तौड़गढ़ सिटी आफिस
+91 90010 97348 Arjun plaza, A-13/2 Bapu Nagar Senthi, Near HDFC bank, Chittorgarh (Raj.)

गंगापुर सिटी आफिस
+91 9799633517 Shop No. 4, Matehswari Complex, Opp. Bus Stand, Gangapur

भारत के ज़िंक और चाँदी से विश्व की ऊर्जा को नई दिशा...

vedanta transforming for good | HINDUSTAN ZINC Zinc & Silver of India

विश्व के सबसे बड़े इंटीग्रेटेड ज़िंक उत्पादक और शीर्ष पाँच चाँदी उत्पादकों में से एक, हिन्दुस्तान ज़िंक को गर्व है कि हम 'मेक इन इंडिया' के तहत आधुनिक प्रगति के साथ–साथ कम–कार्बन वाले भविष्य की दिशा की ओर अग्रसर हैं।

कंपनी और देश के लिए एक और एतिहासिक गौरव, हिन्दुस्तान ज़िंक, 2025 में प्रतिष्ठित **इंटरनेशनल काउंसिल ऑन मेटल्स एंड माइनिंग (ICMM)*** में शामिल होने वाली पहली भारतीय कंपनी।

आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ

*ICMM एक वैश्विक पेशेवर संगठन है जो जिम्मेदार तरीके से खनिज एवं धातु निष्कर्षण के माध्यम से सस्टेनेबल विकास को बढ़ावा देता है।

Yashad Bhawan, Udaipur - 313 004, Rajasthan, INDIA. www.hzlindia.com CIN L27204RJ1966PLC001208

https://www.linkedin.com/company/hindustanzinc/ https://www.facebook.com/HindustanZinc/ https://www.instagram.com/hindustan_zinc/

RK GROUP

वंडर लाइए,
फर्क नज़र
आएगा

Toll-free No.: 1800 31 31 31 | wondercement.com

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 23 अंक 5, Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2024-26 Posting Date: 27th-28th of Every Month RNI No. RAJHIN/2003/9297 Posting Office: Chetak Circle, Udaipur
'प्रत्यूष' पत्रिका डिलिवर्ड न होने की स्थिति में इस पते पर लौटाएं: पंकज कुमार शर्मा, 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001